वर्ष 72 ▸ अंक 289 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 17 जुलाई, 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> अगर आप बड़ी चीजों में उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं, तो इसकी आदत छोटी-छोटी बातों में डालनी होती है। उत्कृष्टता अपवाद नहीं, बल्कि स्थायी दृष्टिकोण है।
> -कॉलिन पॉवेल

धन-धान्य योजना मंजूर, 1.7 करोड़ किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली, जेएनएन। पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किश्त का इंतजार कर रहे किसानों को बुधवार को बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय कैबिनेट ने 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को मंजूरी दे दी है। 6 साल के लिए स्वीकृत इस योजना में 100 कृषि जिलों का चयन होगा। इसमें 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत कर कृषि सुधार की दिशा में काम किया जाएगा। योजना का वार्षिक व्यय 24,000 करोड़ रुपए रखा गया है। यानी छह साल में इस योजना के लिए 1 लाख 44 हजार करोड़ रुपए की राशि आवंटित की जाएगी। इससे लगभग 1.7 करोड़ किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना भारतीय कृषि को आधुनिक, बहुआयामी और जलवायु लचीला बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस योजना का मकसद किसानों को फसल कटाई के बाद भंडारण की बेहतर सुविधा देना, सिंचाई व्यवस्था को सुधारना और खेती की पैदावार को बढ़ाना है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि ये योजना 36 मौजूदा स्कीमों को मिलाकर एक मजबूत ढांचा तैयार करेगी, जिससे फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिलेगा।

36 योजनाओं के एकीकरण से होगा 1.7 करोड़ किसानों को लाभ

24,000 करोड़ रुपए के वार्षिक बजट में फसल विविधीकरण, भंडारण क्षमता और जलवायु अनुकूल खेती पर होगा फोकस

योजना की खास बातें

- योजना निम्न उत्पादकता वाले जिलों, कम बुआई क्षेत्रों और औसत से कम ऋण उपलब्धता वाले इलाकों पर ध्यान देगी।
- फसल कटाई के बाद भंडारण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, जलवायु अनुकूल बीज, फल-सब्जी उत्पादन और प्रसंस्करण जैसी उप-योजनाएं समाहित की गईं।
- ग्रामीण ऋण स्कोर प्रणाली विकसित करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

इस तरह मिलेगा लाभ

इस योजना से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, साथ ही किसानों को अलग-अलग फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि उनकी आमदनी बढ़े। टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया जाएगा जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहे।

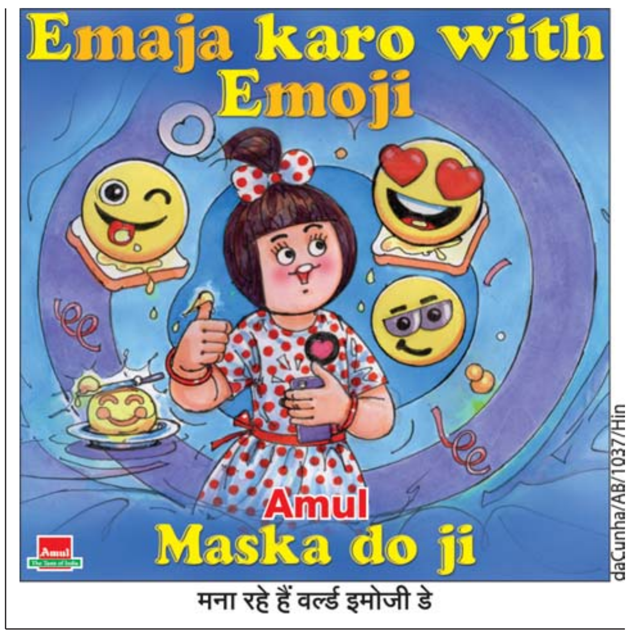

मना रहे हैं वर्ल्ड इमोजी डे

कल के हथियारों से नहीं जीत सकते आज की जंग: सीडीएस

सीडीएस चौहान ने स्वदेशी तकनीक पर दिया जोर, कहा- पाकिस्तान के ड्रोन हमले किए थे नाकाम

नई दिल्ली, जेएनएन। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि पुराने हथियारों से नए समय की जंग को नहीं जीता जा सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध के स्वरूप में एक क्रांतिकारी बदलाव आया है और भारत को अब विदेशी रक्षा कंपनियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। चौहान ने स्वदेशी रक्षा तकनीक के विकास को 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन का अभिन्न अंग बताया और कहा कि 'विदेशी तकनीक पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है।'

उन्होंने खुलासा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन हमलों को बिना किसी नुकसान के विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में भारत की सैन्य और नागरिक संरचनाओं को कोई क्षति नहीं पहुंची और अधिकतर ड्रोन को किनेटिक और नॉन-किनेटिक उपायों से निष्क्रिय कर दिया गया।

डिफेंस वर्कशॉप को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा, '10 मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने कई अनआर्म्ड ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन का इस्तेमाल किया, लेकिन इनमें से कोई भी हमारे सैन्य या नागरिक ठिकानों को नुकसान नहीं पहुंचा सका। कुछ ड्रोन तो लगभग संपूर्ण अवस्था में बरामद हुए।' वे 'यूएवी और काउंटर यूएएस' पर केंद्रित एक वर्कशॉप व प्रदर्शनी में बोल रहे थे, जिसका आयोजन हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ और सेंटर फॉर जॉइंट वॉरफेयर स्टडीज द्वारा किया गया था। चौहान ने कहा कि 'हमें यूएवी और काउंटर यूएस (काउंटर अनमेन्ड एरियल सिस्टम) जैसे क्रिटिकल कंपोनेंट्स के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि यह वर्कशॉप रक्षा विशेषज्ञ, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, सेना के अधिकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां सभी पक्षकारों को साथ लाने का प्रयास है।

> *कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीती जा सकती। हमें भविष्य की तकनीक की जरूरत है ताकि हम आज की जंग लड़ सकें*

ड्रोन युद्ध में बदलाव: विकास 'इवोल्यूशनरी', उपयोग 'रेवोल्यूशनरी'

सीडीएस ने ड्रोन के महत्व पर बात करते हुए कहा, 'क्या ड्रोन युद्ध में एक विकासात्मक परिवर्तन (इवोल्यूशन) लाते हैं या क्रांति (रेवोल्यूशन)? मुझे लगता है कि इनका विकास इवोल्यूशनरी है, लेकिन इनका युद्ध में उपयोग एक रेवोल्यूशनरी परिवर्तन लेकर आया है।' उन्होंने कहा कि भारत की सेनाओं ने अब ड्रोन के सामरिक इस्तेमाल को नए स्तर पर पहुंचा दिया है और आने वाले समय में यह और व्यापक होगा।

हथियार हल्के, तेज और स्मार्ट

सीडीएस चौहान ने कहा कि तकनीक ने सैन्य उपकरणों को छोटा, हल्का, तेज और अधिक कुशल बना दिया है। 'पहले भारी भरकम राइफलें हुआ करती थीं, अब वे हल्की, कॉम्पैक्ट और लंबी रेंज की हैं।

ऑपरेशन सिंदूर: भारत की जवाबी कार्रवाई

सीडीएस चौहान ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के आतंकी ठिकानों को एयरस्ट्राइक से निशाना बनाया गया। भारत ने न केवल हमलों को नाकाम किया बल्कि पाकिस्तान की ओर से की गई आगे की आक्रामकता का भी करारा जवाब दिया। इसके तहत पाकिस्तानी एयरबेस को भी टारगेट किया गया।

स्वदेशीकरण: भविष्य की दिशा तय होगी

रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह आयोजन आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत किया गया है। इस वर्कशॉप का उद्देश्य एक रणनीतिक नीति दस्तावेज तैयार करना है जो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी रक्षा निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन करेगा। इसमें सभी पक्षों को एक साथ लाने की कोशिश की गई है।

तकनीक: सक्षम देश ही जीतते हैं जंग

कार्यक्रम में सीडीएस चौहान ने कहा कि दुनिया के तमाम युद्धों में यह देखा गया है कि जो देश तकनीकी रूप से सक्षम होते हैं, वही निर्णायक रूप से जीतते हैं। भारत को अपनी भौगोलिक, पर्यावरणीय और सामरिक जरूरतों के अनुसार तकनीक विकसित करनी होगी, क्योंकि विदेशी तकनीक हमेशा हमारे वातावरण और जरूरतों के अनुकूल नहीं होती।

सख्त रुख: कोर्ट ने बैकडेट कोर्स पर लगाई रोक

मान्यता मिलने से पहले कोर्स की अनुमति नहीं

जागरण, जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य के पैरामेडिकल संस्थानों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि यदि उन्हें 2025 में मान्यता मिली है, वे 2023-24 और 2024-25 शैक्षणिक सत्र के लिए कोई भी पाठ्यक्रम संचालित नहीं कर सकते। राज्य सरकार से 277 संस्थानों ने मान्यता के लिए आवेदन किया, जिनमें से 166 को जनवरी-फरवरी 2025 में मान्यता दी गई। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और दीपक खोट की खंडपीठ ने कहा कि ऐसे संस्थानों को पूर्ववर्ती वर्षों के लिए पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति देना 'तर्क और संवेदनशीलता की सारी सीमाएं तोड़ता है।' कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा, 'जब ये संस्थान 2025 में अस्तित्व में आए, तब 2023-24 के लिए पाठ्यक्रम चलाना विवेकशील व्यक्ति की समझ के बाहर है। यह कोर्ट का उल्लंघन माना जाएगा।'

मामला कैसे शुरू हुआ?

2021 में राष्ट्रीय आयोग फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन एक्ट लागू होने के बाद, 5 मार्च 2024 को राज्य सरकार ने पुरानी एमपी पैरामेडिकल काउंसिल को भंग कर दिया था। लेकिन 11 नवंबर 2024 को एक आदेश द्वारा इसे दोबारा 'जीवित' किया गया और मान्यता प्रक्रिया शुरू की गई।

कोर्ट का तर्क

अदालत ने तीखे शब्दों में कहा कि जब संस्थानों को जनवरी-फरवरी 2025 में ही मान्यता मिली है, तो वे 2023-24 (नवंबर 2023 से अक्टूबर 2024) सत्र कैसे चला सकते हैं? यह पूरी प्रक्रिया ही 'अविवेकपूर्ण' और 'अव्यवस्थित' प्रतीत होती है।

यौन उत्पीड़न मामले में 40 लाख का मुआवजा, पूर्व कुलपति देंगे 35 लाख, सरकार पर 5 लाख जुर्माना

भोपाल, जेएनएन। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) ग्वालियर की महिला योग प्रशिक्षिका के साथ कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पीड़िता को कुल 40 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है, जिसमें से 35 लाख तत्कालीन कुलपति डॉ. दिलीप कुमार दुरेहा को और 5 लाख राज्य सरकार को देने होंगे। यह जुर्माना पुलिस अधिकारियों की तीन सालों की लापरवाही और असंवेदनशीलता के लिए लगाया गया है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि राज्य सरकार यह राशि लापरवाह पुलिसकर्मियों से उनकी जेब से वसूल करे। न्यायमूर्ति मिलिंद रमेश फडके की एकलपीठ ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम, 2013 का उल्लंघन है, और यह घटना महिला की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा के खिलाफ है। पीड़िता एनएनआईपीई में योग प्रशिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं। मार्च 2019 में उन्होंने तत्कालीन कुलपति डॉ. दुरेहा पर पीठ पर अनुचित ढंग से छूने का आरोप लगाया।

ऑफ बीट

झारखंड में चूहों ने पी ली 800 बोतल शराब

करप्शन की रेस में अब इंसान ही नहीं बल्कि चूहे भी शामिल हो गए हैं। झारखंड में चूहे 800 बोतल शराब पी गए, जांच में यह घोटाला सामने आया। असल में, झारखंड में 1 सितंबर से नई शराब नीति लागू होने वाली है। इससे पहले, राज्य में शराब के स्टॉक की जांच हो रही है। इसी जांच के तहत, झारखंड के धनबाद में 802 शराब की बोतलें खाली मिलीं। जब व्यापारियों से इसका कारण पूछा गया, तो उन्होंने सारा इल्जाम चूहों पर मढ़ दिया। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि चूहों ने बोतलों के ढक्कन कुतर दिए और सारी शराब पी गए। हालांकि उनकी यह बेतुकी दलील काम नहीं आई।

एसआईटी जांच 'गलत दिशा में': सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ दर्ज दो एफआईआर की जांच कर रही हरियाणा एसआईटी को फटकार लगाई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि एसआईटी को केवल सोशल मीडिया पोस्ट्स की सामग्री की जांच करनी थी, लेकिन उसने खुद को 'मूल मुद्दे से भटका लिया।' कोर्ट ने पूछा कि महमूदाबाद के मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त करने की जरूरत क्यों पड़ी, जबकि जांच का दायरा केवल सोशल मीडिया पोस्ट्स तक सीमित था। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'आपको केवल यह जांचना था कि पोस्ट्स में कोई अपराध बनता है या नहीं। इसके लिए न तो प्रोफेसर की जरूरत थी, न डिक्शनरी की, न ही गैजेट्स की।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईटी चाहे तो यह निष्कर्ष दे सकती है कि एफआईआर में कोई अपराध नहीं बनता और मामला बंद हो सकता है।

आरटीओ अफसर ने मारा ट्रक चालक को थप्पड़, हाइवे जाम

जागरण, कटनी। प्रदेश के कटनी में जबलपुर-रीवा नेशनल हाईवे-30 पर गुलवारा के पास वाहन चेकिंग के दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। दरअसल आरटीओ अधिकारी संतोष पाल ने ट्रक चालक प्रदीप रजक को थप्पड़ मार दिया। इस विवाद के बाद हंगामा हो गया और नाराज ट्रक चालकों ने यातायात व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया। मारपीट की घटना से आहत चालक ने अपना ट्रक सड़क पर खड़ा कर दिया।

देखते ही देखते कई ट्रक चालक मौके पर एकत्र हो गए। हाइवे पर करीब तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम की सूचना मिलते ही माधवनगर और कुठला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के बाद आरटीओ अमला मौके से चला गया, जिससे चालकों का गुस्सा और बढ़ गया। पुलिस की समझाइश और आरटीओ अधिकारी द्वारा माफी मांगने के बाद जाम खुल सका। एएसपी संतोष डेहरिया ने बताया कि चालक से शिकायती आवेदन मांगा है।

नर्मदा नहरों पर बने पांच 'खतरनाक' पुल बंद

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात में नर्मदा नहर नेटवर्क पर बने पांच पुलों को खतरनाक घोषित कर सरकार ने तत्काल बंद कर दिया है। इसके अलावा, चार अन्य पुलों पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है, जबकि 36 पुलों को मरम्मत के लिए तुरंत बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। ये सभी पुल सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड के अंतर्गत आने वाले नर्मदा नहर नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर ग्रामीण सड़कों को जोड़ते हैं। नहरों के ऊपर कुल 2,110 पुल मौजूद हैं। इन पुलों पर भारी वाहनों का दबाव और पर्यावरणीय प्रभाव लगातार असर डालते हैं। मुख्यमंत्री पटेल के निर्देश पर राज्य सरकार ने इन पुलों की तकनीकी जांच शुरू की है।

नाटो महासचिव ने दी भारत को 100 फीसदी टैरिफ की धमकी

ब्रसेल्स/वॉशिंगटन, जेएनएन। नाटो महासचिव मार्क रूट ने भारत, चीन और ब्राजील को खुली चेतावनी दी है कि यदि इन देशों ने रूस से व्यापार जारी रखा, तो 100 फीसदी सेकेंडरी टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब समय आ गया है कि पीएम मोदी, राष्ट्रपति जिनपिंग और लूला, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध रोकने का दबाव बनाएं। यह चेतावनी अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन स्थित कैपिटल हिल में दी गई, जहां रूट ने अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'अगर आप इन देशों के प्रमुख हैं, तो समझना होगा कि रूस से व्यापार करना अब सिर्फ एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राजनीतिक और नैतिक जिम्मेदारी का सवाल है।'

स्पेन पहुंचे सीएम डॉ. यादव ने बिजनेस फोरम में निवेशकों को दिया न्यौता

एमपी में अपार संभावनाएं, निवेश के लिए मिलेंगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को स्पेन पहुंचे, जहां उन्होंने निवेशकों से संवाद करते हुए भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश उद्योग, पर्यटन, तकनीक और संस्कृति का उभरता हुए केंद्र है, जहां निवेश के लिए वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मिलेंगी। डॉ. यादव ने स्पेन की राजधानी मैड्रिड में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश बिजनेस फोरम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि आप भारत के किसी भी राज्य में निवेश करने के इच्छुक हैं, तो भी आपको मध्यप्रदेश मध्यप्रदेश पर भी गौर करना चाहिए। प्रदेश हाईवे, रेल और हवाई मार्ग से सीधा जुड़ा हुआ है। प्रदेश में सभी सेक्टर में तेजी से काम हो रहा है। प्रदेश भारत का सबसे तेजी से विकासशील प्रदेश है। यहां निवेश करना निःसंदेह फायदे का सौदा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर भू-संपदा उपलब्ध है, जिसमें नई तकनीक का इस्तेमाल करने से विकास की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, भारत के मध्य क्षेत्र में स्थित है, इसलिए हम लॉजिस्टिक सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अगर आप भारत के किसी और राज्य में भी उद्योग स्थापित करते हैं, तब भी आपको मध्यप्रदेश की आवश्यकता जरूर पड़ेगी।

18 प्रकार की हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लाभ लें निवेशक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आग्रह किया कि सुरक्षित निवेश के लिए आप बेहिचक मध्यप्रदेश से जुड़ें। हमारी 18 प्रकार की हाईटेक औद्योगिक नीतियों का लाभ लें। मध्यप्रदेश निवेशकों को केपिटल रिटर्न देने में पीछे नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेन आर्थिक व्यापार के मामले में भारत का छठा सबसे बड़ा साझेदार है। वर्तमान में स्पेन के साथ 9.32 बिलियन डॉलर का व्यापार हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्पेन के निवेशकों द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश के लिए बढ़ाया गया हर एक कदम व्यापार-व्यवसाय के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर सीएम के साथ दौरे पर गए राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अलग-अलग सेक्टर से जुड़े प्रजेंटेंशन दिया। स्पेन-इंडिया काउंसिल फाउंडेशन के अध्यक्ष जुआन इग्नासियो एंत्रेकानालेस ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए अत्यंत आकर्षक गंतव्य बताया। उन्होंने कहा कि यह फोरम भारत और स्पेन के बीच आर्थिक सहयोग को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है और इसमें भाग लेकर वे स्वयं को सम्मानित अनुभव कर रहे हैं।

इतिहास पर विवाद | एनसीईआरटी की कक्षा 8वीं की किताब में मुगल शासकों का नया 'पाठ' आया सामने

अकबर 'क्रूर लेकिन सहिष्णु' और औरंगजेब 'कट्टर धार्मिक'

नई दिल्ली, जेएनएन। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक में मुगल शासकों के शासन, धार्मिक नीतियों, क्रूरता और सांस्कृतिक योगदान का नया विश्लेषण सामने आया है। 2025-26 के शैक्षणिक सत्र से यह किताब स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल की जा रही है, जिसमें मुगल इतिहास को 'तटस्थ और यथार्थवादी नजरिये' से दोबारा प्रस्तुत करने का दावा किया गया है।

इस नई किताब में सम्राट अकबर को 'क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण', और औरंगजेब को 'कट्टर धार्मिक और सैन्य तानाशाह' बताया गया है। साथ ही बाबर को एक 'तुर्क-मंगोल सैन्य रणनीतिकार', और जहांगीर-शाहजहां को कला और वास्तुकला के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

हुमायूं के शासन को अस्थिर बताते हुए किताब में कहा गया है कि वह शेरशाह सूरी से हारकर साम्राज्य गवां बैठा था। फिर अकबर के शासन में मुगलों का दोबारा उत्थान हुआ।

किताब में बताया गया है कि फतेहपुर सीकरी में अकबर ने एक अनुवाद विभाग की स्थापना की थी जहां महाभारत (रज्मनामा), रामायण, भगवद गीता और पंचतंत्र जैसे ग्रंथों का फारसी में अनुवाद कराया गया। इस कार्य को अकबर के विद्वान मंत्री अबुल फजल द्वारा संचालित किया गया।

अकबर के बाद जहांगीर और शाहजहां कला और स्थापत्य कला के संरक्षक बताए हैं। खासकर शाहजहां को ताजमहल जैसे भव्य स्मारक के निर्माण के लिए याद किया गया है।

हालांकि, उत्तराधिकार की लड़ाई में उसने अपने भाई दारा शिकोह की हत्या की और अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में नजरबंद कर दिया था।

औरंगजेब के बारे में किताब में बताया गया है कि उसके शासन में मथुरा, काशी और सोमनाथ जैसे मंदिरों को तोड़ा गया।

बाबर: युद्ध और बारूद का रणनीतिक प्रयोग

भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर को 'तुर्क-मंगोल वंश का कुशल योद्धा और सैन्य रणनीतिकार' बताया गया है। किताब में लिखा है कि 1526 की पानीपत की पहली लड़ाई में बाबर ने बारूद, तोपखाने का इस्तेमाल कर इब्राहिम लोदी को हराया और दिल्ली सल्तनत का अंत कर मुगल शासन की नींव रखी।

अकबर: एक साथ क्रूर और सहिष्णु शासक

अकबर के शासन को दो भागों में बांटा है। लिखा है कि वह एक ओर कट्टर सैन्य शासक था तो दूसरी ओर सांस्कृतिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने वाला प्रशासक भी। 1568 में चित्तौड़गढ़ की घेराबंदी के दौरान 30,000 से अधिक राजपूत नागरिकों की हत्या का आदेश दिया और महिलाओं व बच्चों को गुलाम बनाया। वहीं दूसरी ओर, जजिया कर हटाया, राजपूत राजाओं को अपने दरबार में जगह दी, और 'सुल्ह-ए-कुल' यानी 'सभी धर्मों के साथ शांति' की नीति को अपनाया।

औरंगजेब: धर्म के नाम पर शासन

किताब में औरंगजेब को 'धार्मिक रूप से कट्टर सैन्य शासक' बताया गया है जिसने गैर-इस्लामी धार्मिक प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया, जजिया कर दोबारा लागू किया, और हिंदू, जैन, सिख और पारसी धार्मिक स्थलों पर हमले करवाए।

आलोचनात्मक व्याख्या जरूरी: एनसीईआरटी

एनसीईआरटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ०इतिहास की जड़ों को समझना जरूरी है। बीते समय की क्रूरता, सत्ता की लालसा या धार्मिक कट्टरता की घटनाओं को छिपाना समाधान नहीं है। लेकिन आज किसी समुदाय को उस दौर की गलतियों के लिए दोषी ठहराना भी अनुचित है। शिक्षा का उद्देश्य यह होना चाहिए कि हम अतीत की गलतियों से सीखें और ऐसा भविष्य बनाएं जहां यह सब दोबारा न हो।'

युवाओं को नशे से बचाना हम सब की सामूहिक जिम्मेवारी : रेनू मिश्रा

घुनवारा के मॉं दुर्गा शिक्षा निकेतन हायर सेकेण्डरी में आयोजित हुआ कार्यक्रम

जागरण, सतना। नशा विरोधी जागरूकता अभियान के तहत मैहर जिले के घुनवारा के मां दुर्गा शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देशन पर अमदरा थाना प्रभारी रेनु मिश्रा के द्वारा अपने स्टाफ के सहयोग से व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। नशे से है दूरी ज़रूरी विषय पर आधारित इस अभियान के अंतर्गत निरीक्षक रेनु मिश्रा ने अमदरा क्षेत्र के घुनवारा विद्यालयों में जागरूकता सत्र आयोजित किए जिनमें छात्रों को नशे से दूर रहने उसके दुष्प्रभावों से अवगत कराने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों में भारी संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षकगण अभिभावक और गणमान्य नागरिक मां दुर्गा शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी विद्यायल के संचालक संजय शुक्ला उपस्थित रहे। थाना प्रभारी अमदरा रेनु मिश्रा ने सभी को नशा मुक्त समाज की दिशा में योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

80 लोगों का हुआ नेत्र परीक्षण, 25 में मिला मोतियाबिंद

सतना। पिछले हर महीने की भांति इस महीने की भी 16 तारीख को कोठी के दीन सहायक संस्था के तत्वाधान में संस्था प्रांगण में श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकी कुंड चित्रकूट के चिकित्सकों द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 80 मारीज नेत्र परीक्षण कराने के लिए पहुंचे जिसमें 25 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया और उन्हें ऑपरेशन के लिए श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय सेवा संघ ट्रस्ट जानकी कुंड चित्रकूट के स्पेशल वाहन द्वारा उन्हें चित्रकूट अस्पताल ले जाया गया शेष मरीजों को दवा एवं चश्मा वितरित की गईए इसके पूर्व संस्था में संस्था के सदस्यों एवं चिकित्सकों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर नेत्र शिविर केआयोजन की शुरुआत की गई इस दौरान संस्था के उपाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह प्रमोद अग्रवाल ऋषि सोनी धीरज प्रसाद गुप्ता पंकज मिश्रौलिया शिवजीत सिंह सतीश गुप्ता संजय सोनी शिव मोहन सोनी शिवम अग्रवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन ने राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जागरण, सतना। भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक रामपुर बघेलान के लालचंद कांत सिंह स्टेडियम में आयोजित हुई जिसमें दर्जनों किसान बैठक में उपस्थित रहे और अपनी बातें रखी किसान यूनियन की बैठक भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता दयाशंकर द्विवेदी के मुख्य अतिथि और ब्लॉक अध्यक्ष दल प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें महामहिम के लिए बनाए गए ज्ञापन में किसानों के मुख्य मागें हैं कि देव मऊ दलदल में बने राम सागर तालाब का अतिक्रमण जल्द से जल्द हटाकर तालाब की सरहद पर पत्थर गढ़वाये जाएं और अतिक्रमणकारियों पर मुकदमा दर्ज किया जाए। तहसील कार्यालय में सीमांकन के लंबित प्रकरण जल्द से जल्द निपटाएं जाएं बिजली की अघोषित कटौती बंद की जाए और जमुना गांव की बिजली सप्लाई रामपुर बघेलान से जोड़ी जाए जमुना गांव में डालमिया कंपनी का बनने वाला प्लांट खेती की जमीन को छोड़कर बंजर जमीन पर बनाया जाए ताकि खेती प्रभावित न हो रामपुर बघेलान के छिबौरा बकिया सेमरिया मुख्य मार्ग जमुना की रेलवे लाइन के दक्षिण भाग से बगहाई रेलवे स्टेशन तक सड़क निर्माण कराया जाए आवारा पशुओं की व्यवस्था की जाए और बने गौशालाओं को कड़ाई के साथ संचालित किया जाए देवमऊ दलदल से विधायक टोला में शासकीय भूमि का सीमांकन कराकर आतिक्रमण हटाने की बात कही। आयोजित बैठक में प्रदेश प्रवक्ता दयाशंकर द्विवेदी ने कहा कि किसानों के साथ छलावा करने वाली सरकार को वे मनमानी नहीं करने देंगे चाहे उन्हें किसी हद तक जाना पड़े।बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष दल प्रताप सिंह बलराज सिंह राज लखन सिंह रामपाल सिंह श्याम राज सिंह ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत किसानों के हित के लिए लड़ता रहेगा जब तक किसानों को न्याय नहीं मिलता तब तक भारतीय किसान यूनियन टिकैत किसानों की हर बात को ऊंचे शिखर तक पहुंचाने का कार्य करेगा और उन्हें न्याय दिलाएगा वहीं बैठक में मोहम्मद शुबराती अनिल तिवारी राम विश्वास सिंह दादू भाई सेन रामनाथ सिंह देवेंद्र सिंह भूपेंद्र सिंह रुक्मणी रमन पांडेय देवराज सिंह राजमणि केवट रामाधार सहित दर्जनों किसान बैठक मौजूद रहे और किसानों के हित की मांग की।

सरस्वती विद्यापीठ में आयोजित हुई स्वच्छता पाठशाला

जागरण, सतना। नगर पालिक निगम की आईईसी टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 16, 22, 43 और 5 में स्वच्छता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान लोगों को सीएनडी वेस्ट के सही निस्तारणए हेल्पलाइन नंबरए 4.बिन की जानकारी प्लास्टिक प्रतिबंध और घर पर कम्पोस्टिंग के महत्व के बारे में बताया गया। इंक्यूबेशन सेंटर के साथ मिलकर सरस्वती विद्यापीठ वार्ड 22 में स्वच्छता की पाठशाला आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व और सही कचरा प्रबंधन के बारे में विस्तार से समझाया गया। इसके अलावा डिलाइट नर्सरी स्कूल वार्ड 16 वेंकटेश्वर स्कूल वार्ड 5 और सरकारी स्कूल वार्ड 16 में भी बच्चों को स्वच्छता की पाठशाला के माध्यम से जागरूक किया गया। साथ ही विद्यार्थियों और लोगों को सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत यह संदेश दिया गया कि साफसफाई केवल घर की सुंदरता के लिए ही नहीं बल्कि बीमारियों से बचाव के लिए भी जरूरी है। लोगों से आग्रह किया गया कि वे नियमित रूप से अपने आसपास की सफाई रखें कचरा इधर.उधर न फेंकें और हमेशा कचरा निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। लोगों और विद्यार्थियों से स्वच्छता बनाए रखने कचरा सही तरीके से निस्तारित करने और स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई।

वाहन विक्रेताओं की आरटीओ ने ली बैठक

जागरण, सतना। वाहन विक्रेताओं की एक बैठक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजय श्रीवास्तव ने ली है।इस दौरान जून महीने में हुई बैठक पर विस्तृत चर्चा की गई। जिन बिन्दुओ पर चर्चा हुई है उनमें अक्टूबर 2019 के पश्चात् विक्रेय किये गये वाहनों के पंजीयन उपरांत वाहन में डीलर के स्तर पर अनिवार्य रूप से लगा कर पोर्टल पर अपडेट करने के प्रावधान है जबकि उक्त दिनांक के पश्चात् जूलाई 2022 में वाहन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन प्रारंभ होने तक के दौरान डीलर द्वारा वाहन पर लगाई गई एसएचआरपी पोर्टल पर अपडेट नहीं की गई अथवा वाहन पर लगाई ही नहीं गई है जिससे काफी संख्या में पोर्टल पर लंबित दर्शित हो रहीं है। निर्देशित किया जाता है कि उक्त अवधि में पंजीकृत करायें गये वाहनों पर नियमानुसार एसएचआरपी लगा कर पोर्टल पर अपडेट करें। डीलर द्वारा विक्रेय किये गये वाहनों के पंजीयन हेतु आवेदनों में वाहन स्वामी का मोवाईल नम्बर इंद्राज किया जाना आवश्यक है परंतु प्रायः देखने में आ रहा है कि डीलर द्वारा पंजीयन हेतु ऑनलाईन आवेदनों में वाहन स्वामी का मोबाईल नम्बर गलत दर्ज किया जा रहा है जिससे वाहन का चालान होने की स्थिती में अथवा अन्य किसी प्रकरण में वाहन स्वामी की जानकारी प्राप्त में समस्या हो रहीं है। इस संबंध में जिले के समस्त डीलरों को इस कार्यालय द्वारा पूर्व में भी समय.समय पर निर्देशित किया गया है तथा पुनः निर्देशित किया जाता है कि वाहनों के पंजीयन में वाहन स्वामियों के सही मोबाईल नम्बर इंद्राज कराये एवं पूर्व में पंजीकृत वाहनों के वाहन स्वामियों को चिन्हित कर उनके सही मोबाईल नम्बर इस कार्यालय के माध्यम से अपडेट करायें।

20 जुलाई को बिरसिंहपुर नेत्र शिविर में भर्ती होंगे मोतियाबिंद के मरीज

बटेंगे नजर के चश्में एवं दवाइयां

सतना। निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 20 जुलाई को भगवान भोले शंकर गैवीनाथ की नगरी बिरसिंहपुर में सतना के भटनवारा वाले अग्रवाल परिवार द्वारा निर्मित गैवीनाथ धर्मशाला में किया गया है। श्री सद्गुरु सेवा संघ नेत्र चिकित्सालय जानकी कुंड चित्रकूट के सहयोग एवं मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल भटनवारा वालों के संयोजन एवं मार्गदर्शन में आयोजित नेत्र शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। धर्मशाला प्रबंधक जगदीश गुप्ता ने जानकारी में बताया कि विगत 13 वर्षों से माह की प्रत्येक 20 तारीख को धर्मशाला परिसर में आयोजित होने वाले नेत्र शिविर में योग्य चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच करके नजर चश्मे निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे एवं दवाइयों का वितरण भी होगा। इस दौरान जो मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित होंगे उन्हें संस्था वाहन से निःशुल्क ऑपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण हेतु श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड ले जाया जाएगा। भर्ती के दौरान मरीजों को भोजनए बिस्तर एवं दवाइयां की सुविधा भी प्राप्त होगी। कैंप कोऑर्डिनेटर पंडित भीषम शुक्ला ने बताया कि ऑपरेशन हेतु जाने वाले मरीजों को आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ रखना अनिवार्य है।

मैहर के पं. मोहनलाल भोपाल में सम्मानित

जागरण, सतना। मां शारदा देवीधाम मैहर के सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित मोहनलाल द्विवेदी को प्रदेश की राजधानी भोपाल के विज्ञान भवन के विशाल सभागार में देश भर से पधारे विद्वानों के समक्ष सम्मानित कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल एवं कालिदास अकादमी उज्जैन के संयुक्त संयोजकत्व में पंडित विनोद गौतम के नेतृत्व में दो दिवसीय 12 एवं 13 जुलाई को कालिदास राष्ट्रीय महर्षि ज्योतिष सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें देश के 12 राज्यों से 250 ज्योतिष के विद्वानों के साथ संतए महात्मा महामंडलेश्वर और राजनेताओं ने भाग लिया जिसमें सर्वश्री भोपाल सांसद आलोक शर्मा, पूर्व सांसद व वर्तमान पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमरिया, परशुराम बोर्ड के अध्यक्ष विष्णु राजोरिया, पूर्व मंत्री पी सी शर्मा, कालिदास अकादमी के प्रमुख अनिल कोठारी, महामंडलेश्वर रामशंकर तिवारी एवं सुनील शुक्ला, नंदकिशोर उत्तराखंड राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त, ब्रम्हकुमारी बहन नीता दीदीए पंडित दिनेश गुरुजी, हरिओम जोशी, अल्पना शुक्ला, विनोद आनंद पांडे, कृपाशंकर उपाध्याय आदि ने प्रमुख रूप से शिरकत की।

30 तक अनिवार्य रूप से करा ले ई-केवायसी

सतना। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा समग्र ई.केवायसी की समीक्षा के अनुसार दिये गये निर्देश के क्रम में नगर पालिक निगम सतना क्षेत्रांतर्गत निवासरत समग्र पोर्टल पर पंजीकृत समस्त नागरिकों से अपील है कि समग्र पोर्टल पर अपने परिवार के सभी सदस्यों की समग्र आईडी का आधार ई.केवायसी दिनांक 30 जुलाई 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। जिससे शासन के हितलाभ निरतंर प्राप्त होते रहे। अन्यथा की स्थिति में उपरोक्त आदेश के क्रम में समग्र पोर्टल पर दर्ज सदस्यो की ड्यूप्लीकेट समग्र आईडी के विलोपन की कार्यवाही की जावेगी जिससे शासन द्वारा प्रदाय हितलाभों से वंचित हो जावेगें।

नवनियुक्त शिक्षकों ने डीईओ को दिया ज्ञापन, की चर्चा

जागरण, सतना। नवनियुक्त शिक्षक संघ सतना के मीडिया प्रभारी निर्मला कनौजिया ने बताया कि आज 16 जुलाई को नवनियुक्त शिक्षक संघ मध्य प्रदेश के प्रदेश कमेटी के आह्वान पर नवनियुक्त शिक्षक संघ सतना मैहर के समस्त नवनियुक्त शिक्षकों के द्वारा श्री विष्णु त्रिपाठी जी जिला शिक्षा अधिकारी जिला सतना को परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के आदेशए जुलाई माह में इंक्रीमेंट लगाने हेतु आदेश तथा डीए के एरियर्स के भुगतान हेतु ज्ञापन सौंपा गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री विष्णु त्रिपाठी द्वारा समस्त नवनियुक्त शिक्षकों को आश्वासन दिया गया कि जिला स्तर और भोपाल स्तर से जो भी कार्य शेष है उसे शीघ्र ही समाप्त कर आदेश प्रसारित करने की कार्यवाही की जाएगी। इस ज्ञापन कार्यक्रम में नवनियुक्त शिक्षक संघ सतना मैहर से मातृशक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए नम्रता सिंह ,रचना जोशी , पूनम सिंह एस्मृति सिंह ,निर्मला कनौजिया , अरविंद यादव ,प्रदीप तिवारी, पुष्पेंद्र सिंह ,प्रमोद सिंह,अमित पांडे, इंद्र विक्रम सिंह ,देवानंद , नंदलाल प्रजापति ,रामचरण साहू, रूपेश नामदेव, रामायण प्रसाद, सतीश गुप्ता, डॉ रामायण प्रसाद विश्वकर्मा, आदित्य नारायण त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

सतना। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजीव सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आनलाइन आवेदन 31 जुलाई 2025 आमंत्रित किये गये है। यह परूस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जो बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रोद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के योग्य है।

पोषण पुनर्वास केंद्र में सीडीपीओ ने ली बच्चों की जानकारी

जागरण, सतना। पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती हुए सैम बच्चों की जानकारी लेने के लिए रामपुर बघेलान परियोजना अधिकारी श्रीमती श्वेता जुनेजा पोषण पुनर्वास केंद्र पहुंची और वहां पर भर्ती बच्चों की माताओं से बातचीत की साथ ही उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए की इस अवस्था से बच्चों को कैसे बाहर लाना है और किन.किन बातों का विशेष ध्यान रखना है उन सभी सावधानियों से अवगत कराया। जिसमें उनके साथ फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर किरण सोनी पर्यवेक्षक प्रियंका शुक्ला उपस्थिति रही।

रामपुर एसडीएम ने सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध की बड़ी कार्यवाही

7 दुकानों पर मारा छापा

जागरण, सतना। रामपुर बाघेलान एसडीएम आरएन खरे ने बुधवार को रामपुर कस्बे में संचालित 7 दुकानो पर छापामार दिया। इस दौरान उन दुकानो पर सिंगल यूज प्लास्टिक के तहत बडी कार्यवाही कर दी है। बताया जाता है कि एसडीएम ने इन दुकानदारो से 16 हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया है। कार्यवाही के दौरान एसडीएम के अलावा सीएमओ अरुण श्रीवास्तव नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह जयसूर सहित अन्य लोग शामिल रहे। बताया जाता है कि कार्यवाही के दौरान एसडीएम श्री खरे ने बड़ी मात्रा में प्लास्टिक जप्त किया है। वही नगर परिषद द्वारा कई बार अनाउंसमेंट करके सिंगल यूज प्लास्टिक से हो रहे नुकसान की जानकारी दी है इसके बाद भी रामपुर के बडे दुकानदार संतलाल गुप्ता दयानंद गुप्ता सहित अन्य दुकानदारों पर चालानी कार्यवाही की गई और अनुविभागीय अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा शख्त हिदायत दी गई की अगर दोबारा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किया गया या उसे बेचा गया तो उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी जिसके जवाब वो स्वयं होंगे।

अब दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक मिला तो लगेगा 3 गुना जुर्माना : जागरण से चर्चा करते हुये एसडीएम आरएन खरे ने बताया कि बुधवार की शाम 4 बजे से शुरू हुई यह कार्यवाही साढे 5 बजे तक चली। उन्होने कहा कि एक सप्ताह बाद पुनः नगर में संचालित दुकानो की जांच कराई जायेगी। यदि सिंगल यूज प्लास्टिक पाया गया तो तीन गुना जुर्माना करते हुये सख्त कार्यवाही भी की जायेगी।

घरेलू हिंसा निषेध अधिनियम के संबंध में दी गई जानकारी

जागरण, सतना। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पार्थ शंकर मिश्रा द्वारा बुधवार को एडीआर सभागार में आयोजित कार्यशाला में घरेलू हिंसा निषेध अधिनियम 2005 एवं नियम 2006 के संबंध में जिले के सभी संरक्षण अधिकारियों तथा प्रशासक वन स्टॉप सेंटर के वर्कर तथा परामर्शदाता को आसान तरीके से व्यावहारिक उदाहरणों के साथ घरेलू हिंसा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। संरक्षण अधिकारी सेवा प्रदाता के रूप में किस तरह घरेलू हिंसा से पीड़ित महिला की सहायता कर सकते हैं। इसके संबंध में अवगत कराया गया तथा डोमेस्टिक इनसीडियस रिपोर्ट डीआईआर के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिला विधिक सहायता अधिकारी मोहम्मद जिलानी, सहायक संचालक से श्याम किशोर द्विवेदी, परियोजना अधिकारी पुनीत शर्मा, अभय द्विवेदी, अरुणेश तिवारी, श्वेता जुनेजा, रीता द्विवेदी, रविकांत शर्मा, श्रीमती नीता श्रीवास्तव, स्थानीय समिति से सावित्री सिंह, फहमीदा बेगम, रूचि बागरी उपस्थित रहे।

ठाकुर गोविंद नारायण सिंह शा.महावि में प्रवेश 30 जुलाई तक

सतना। रामपुर बघेलान में संचालित ठाकुर गोविंद नारायण सिंह शासकीय महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक प्रारंभ रहेगी जिसकी जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डीपी तिवारी ने बताया कि हमारे महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्र.छात्राओं के लिए बेहतर लाइब्रेरी बच्चों की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वाल का निर्माण कराया जा रहा है साथ ही बच्चों को उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए महाविद्यालय का स्टाफहर तरीके से तत्पर रहता है वही महाविद्यालय में शारीरिक गतिविधियों के लिए कई तरह की खेल सामग्री भी उपलब्ध है जिसे बच्चे खेल के माध्यम से अपना स्वास्थ्य भी सही रख सकते हैं जिसके लिए महाविद्यालय द्वारा समुचित व्यवस्थाएं की गई है जिन विद्यार्थियों को बीए प्रथम वर्ष में दाखिला लेना है वह 16 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा कर या महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं।

चोरहटा की नल-जल योजना बंद, हजारों परिवार पानी से वंचित

सतना। गोरेलाल प्रजापति पूर्व जनपद पंचायत सदस्य रामपुर बघेलान ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत चोरहटा जनपद पंचायत रामपुर बघेलान जो कि चोरहटा मुख्य बस्ती में चालू नल.जल योजना का पाइप लाइन जेसीबी मशीन के खोदाई के कारण टूट गई है जिससे गांव की सप्लाई बंद होने से हजारों परिवार पानी से वंचित हैं वहीं नागरिकों ने बताया कि पानी बंद है बिल वसूली जारी है जिनकी सूचना ग्राम पंचायत चोरहटा जनपद पंचायत रामपुर बघेलान को बार.बार देने के बाद भी टूटी हुई नल.जल योजना की पाइप लाइन सुधार व्यवस्था नहीं किया जा रहा है जिससे मजबूर होकर गांव के सैकड़ों नागरिकों ने पानी के लिए सड़क में उतरकर धरना.प्रदर्शन या जनपद पंचायत रामपुरा बघेलान का घेराव करने की तैयारियां बन रहें हैं जिसकी जिम्मेदारी समस्त शासन.प्रशासन की होगी।

सांसद ने अर्पित की श्रद्धांजलि

सतना। सतना। विगत दिनों नागौद हिलोंधा खेत में पानी से भरे खुले बोरवेल में गिरकर दो मासूम बच्चियों 10 वर्षीय दुर्गा और 14 वर्षीय सोमवती अहिरवार की गड्ढे में गिरने से हुई मृत्यु हो गई थी। बुधवार को सांसद गणेश सिंह नागौद के ग्राम रेरुआ खुर्द पहुंचकर दुर्गा और सोमवती अहिरवार को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की। सांसद श्री सिंह ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि बहुत ही दुखद घटना है। नागौद राजमन बागरी के बड़े भाई स्वर्गीय छोटे लाल बागरी के निधन होने जाने के उपरांत उनके गृह ग्राम पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

अमृत हरित महाभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

जागरण, सतना। नगर परिषद कोटर के वार्ड क्रमांक 12 रजहा में आज अमृत हरित महाभियान वूमेन फॉर ट्री के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी डॉ पूजा द्विवेदी नगर परिषद अध्यक्ष राजमणि सिंह उपाध्यक्ष प्रभाकर तिवारी एवं सभापति बबलू गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्षदगण पंकज कुशवाह सुरेश पयासी, देवराज गोस्वामी, केपी चौधरी, कुंजीलाल चौधरी दिवाकर तिवारी, सतीश साहू, अनीता कोहले, प्रीति पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे युवाओं में आयुष सिंह, विवेक पयासी, अजय पांडेय, विपिन तिवारी, दीपक आर्य, राहुल गौतम, राजेंद्र कुशवाह, रामदेव, उमेश गौतम व नरेंद्र कुशवाह ने बढ़.चढ़कर भाग लिया। नगर परिषद के समस्त कर्मचारीगणों की सक्रिय सहभागिता के साथ पौधरोपण किया गया सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 17 जुलाई 2025 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सूर्य उदय - अस्त
06.54 अस्त : आज
05.21 उदय : कल

शहर का तापमान
32.0 0 अधिकत
25.0 0 न्यूनतम

रेलवे एवं नहर के बीच फंसी डेढ़ दर्जन घरों की आबादी

जागरण समस्या

मामला जनपद पंचायत सीधी के पंचायत कोठार का

नहर के पानी से जोखिम के बीच स्कूल जाते हैं नौनिहाल

जागरण, सीधी

रीवा-सिंगरौली की निर्माणाधीन नवीन रेल लाइन एवं महान नहर के बीच ग्राम पंचायत कोठार के करीब डेढ़ दर्जन घरों की आबादी के फंसने से उनका आवागवन अवरुद्ध हो चुका है। तत्संबंध में प्रभावित ग्रामीणों द्वारा पिछले वर्ष सीधी सांसद एवं सीधी विधायक से फरियाद की गई थी। जिस पर दोनो जन प्रतिनिधियों द्वारा तत्परता दिखाते हुए कलेक्टर सीधी को पत्र जारी किया गया। फिर भी प्रशासनिक सुस्ती के चलते अभी तक प्रभावित लोगों के लिए नहर में पुल का निर्माण न होने से बरसात के दिनों में नौनिहाल बच्चों को नहर के पानी के बीच से होकर शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला मिशिरगवां पठन-पाठन के लिए जाने की मजबूरी बनी हुई है। तत्संबंध में कोठार निवासी आशीष तिवारी, सुनील तिवारी सुधीश तिवारी, अमन तिवारी, पंकज तिवारी, रवि तिवारी, राजकुमार तिवारी, रामदयाल कोरी, मझिला कोरी, छोटू कोरी आदि ने बताया कि बच्चों को स्कूल छोंड़ने एवं स्कूल से आने पर नहर के पानी के बीच से निकालने के लिए घर के लोग समूचा काम छोंड़कर लगे रहते हैं। प्रभावित ग्रामीणों का कहना था कि सांसद, विधायक, कलेक्टर द्वारा इस मामले में सहानुभूति पूर्वक आवश्यक पहल की गई है। फिर भी अभी तक नहर के ऊपर पुल का निर्माण न होने से आवागवन बाधित है। रात में बरसात के दिनों में बाहर से घर आने-जाने में लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर से यदि किसी की तबियत बिगड़ गई तो अस्पताल तक लाने के लिए नहर के पानी के बीच से निकालने में और भी ज्यादा समस्याएं होती हैं। उस दौरान कई लोगों को मरीज को नहर के पानी से निकालने के लिए आना पड़ता है। प्रभावित ग्रामीणों का कहना था कि पिछले साल से उनके द्वारा नहर में पुल बनाने की मांग सभी संबंधित लोगों के समक्ष रखी गई थी। उनकी आस थी कि बरसात के पूर्व नहर के ऊपर पुल का निर्माण हो जाएगा। लेकिन प्रशासनिक सुस्ती के चलते नहर के ऊपर पुल का निर्माण कार्य नहीं हो सका। ऐसे में वह चाहते हैं कि नहर के ऊपर पुल बनाने के कार्य को प्राथमिकता में लेकर प्रशासन द्वारा आवश्यक पहल की जाए। जिससे उनकी समस्या का स्थाई निदान हो सके। ग्राम पंचायत की महिला सरपंच के द्वारा भी लोगों की समस्या के निदान के लिए अपने स्तर से सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यदि इसमें संबंधित अधिकारियों का सहयोग मिल जाए तो पुल निर्माण की राह प्रशस्त हो जाए।

सांसद एवं विधायक लिख चुके हैं पत्र

सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा ग्राम कोठार के लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्संबंध में कलेक्टर सीधी को 4 जुलाई 2025 को संबंधित क्षेत्र का स्थल परीक्षण कराकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया था। वहीं सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक द्वारा उक्त समस्या पर विगत 23 फरवरी 2024 को पत्र क्रमांक 191 के माध्यम से कलेक्टर सीधी को ग्राम पंचायत कोठार नहर में सड़क एवं पुलिया निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने के संबंध में पत्र लिखा गया था। साथ ही सीधी विधायक द्वारा पत्र क्रमांक 192, दिनांक 23 फरवरी 2024 को पत्र जारी कर जल संसाधन विभाग सीधी के कार्यपालन यंत्री को नहर में सड़क एवं पुलिया निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रदान करने के निर्देश दिए गए थे। जल संसाधन विभाग की ओर से निर्माण कार्य के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है। अब केवल जिला पंचायत सीधी से निर्माण कार्यों के लिए मंजूरी मिल जाती है तो संबंधित ग्रामीणों की समस्या के निदान के लिए निर्माण कार्य शुरू हो जाए। जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत ग्राम पंचायत कोठार के प्रभावित ग्रामीण नहर में पुल एवं सड़क निर्माण को लेकर पिछले वर्ष से अपनी मांगों को लेकर जन प्रतिनिधियों के साथ ही कलेक्टर के समक्ष भी अपनी फरियाद कर चुके हैं। उनके प्रयासों से अब समस्या के निदान के लिए जिला पंचायत सीधी की मंजूरी जल्द से जल्द मिलना आवश्यक है।

"निर्माणाधीन रेल लाइन एवं महान नहर के बीच में करीब डेढ़ दर्जन घरों की आबादी फंसी हुई है। यहां आवागवन को लेकर भारी दिक्कतें हैं। उक्त समस्या को लेकर मैं स्वयं सीधी विधायक, सांसद, कलेक्टर, एसडीएम से मिली हूं। सभी का सहयोगात्मक रुख रहा है। नहर में पुल निर्माण के लिए जल संसाधन विभाग सीधी से एनओसी भी मिल चुकी है। अब केवल जिला पंचायत से कार्य की मंजूरी मिलनी शेष है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

सुनीता आनंद सिंह, सरपंच कोठार

कृष्णा ज्वेलर्स में लाखों की हुई चोरी, जांच में जुटी पुलिस

जागरण, सीधी। जिले के रामपुर नैकिन नगर पंचायत में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात ने स्थानीय व्यापारियों में हड़कंप मचा दिया है। नगर के बीच बाजार स्थित कृष्णा ज्वेलर्स में लाखों रुपये की चांदी के जेवरात चोरी हो गई। इस दुकान के संचालक पुष्पा मुकेश सोनी, जो बड़खरा गांव के निवासी हैं, बुधवार सुबह जब रोज की तरह करीब 9 बजे दुकान पर पहुंचे, तो ताले टूटे और शटर उठा हुआ देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही मुकेश सोनी ने थाना प्रभारी रामपुर नैकिन को सूचित किया। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि चोरी की यह वारदात रात करीब 2 से 3 बजे के बीच अंजाम दी गई। चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और लगभग 7 लाख रुपये की चांदी पर हाथ साफ कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दुकान के आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से जांच की एएसआई रजनीश बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि मौके पर स्निफर डॉग की मदद से चोरों की तलाश शुरू की गई है सीसीटीव्ही फुटेज की भी जांच की जा रही है। जिससे चोरों की पहचान हो सके। दुकान के आसपास के व्यापारियों से भी पूंछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों में इस घटना को लेकर गहरी चिंता देखी जा रही है। बाजार क्षेत्र में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इस तरह की बड़ी सेंधमारी ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा और चोरी गए आभूषणों की बरामदगी के प्रयास तेजी से जारी हैं।

शहर/ग्रामीण अंचल की खबरें

एसडीएम कार्यालय में जन अधिकार आंदोलन होगा आज

जागरण, सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष व चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल भैया की अगुवाई में 17 जुलाई को एसडीएम कार्यालय चुरहट के सामने विशाल हक की हुंकार जवाब दे सरकार जन अधिकार आंदोलन होने जा रहा है। चुरहट विधानसभा में बिजली हो या पानी, सड़क हो या स्वास्थ्य, इन सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए चुरहट क्षेत्र की जनता तरस रही है। इन्हीं मुद्दों को लेकर भाजपा शासन की अव्यवस्थाओं और जन समस्याओं के खिलाफ 17 जुलाई को सुबह 11 बजे चुरहट में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया है। यह सिर्फ विरोध नहीं, जनता के हक की लड़ाई है। कांग्रेस पार्टी की ओर क्षेत्रीय जनता से बड़ी से बड़ी संख्या में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की गई है।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान मोहनिया में आयोजित

जागरण, सीधी। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में नशे से दूरी है जरूरी विशेष अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक जिलेभर में निरंतर रूप से संचालित किया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से जनमानस को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में पुलिस चौकी मोहनिया द्वारा नशे से दूरी है जरूरी विशेष अभियान कार्यक्रम का ग्राम पंचायत मोहनिया अन्तर्गत शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से चौकी प्रभारी चक्रधर प्रजापति, प्राचार्य रामसजीवन साकेत, संतोष पटेल, सरपंच जयकरण कोल, सचिव अतिवल कोल, सहायक सचिव नरेन्द्र पटेल, पत्रकार प्रेमलाल साहू एवं समस्त छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

अनियमितता पर सीएमएचओ को कारण बताओ नोटिस जारी

जागरण, सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं आउटसोर्स नियोजन में अनियमितता करते हुए कार्यादेश जारी करने के कारण नोटिस जारी की गई है। तीन दिवस के अंदर औचित्यपूर्ण जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

न्यायालय- शिवांगी सिंह परिहार, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड मझौली, जिला सीधी म.प्र.

Presiding Officer - शिवांगी सिंह परिहार
संलग्न नोटिस प्रकाशन हेतु
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक MJC Suc. 02/2025

निरसिया मुर्तिया वगैरह.. आवेदिका
बनाम
हर आम व खास वगैरह.. अनावेदकगण।

प्रोसेस नंबर 686/25
22/04/25
पेशी दिनांक 08.05.2025

प्रषिती-
(1) **सर्व साधारण हर आम एवं खास जनता।**

अनावेदक क्र. 1 सर्व साधारण हर आम व खास जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका निरसिया पत्नी श्यामलाल भुर्तिया उम्र 60 वर्ष पेशा गृहकार्य निवासी ग्राम दुवरी तहसील कुसमी जिला सीधी म.प्र. ने मृतक श्यामलाल भुर्तिया पिता कंधई भुर्तिया ग्राम दुबरी पोस्ट चिन्गवाह तहसील कुसमी थाना मझौली जिला सीधी म.प्र. के मृत्यु के बाद आवेदिकागण को मृतक का वैध उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र घोषित करते हुए मृतक को मृत्यु पश्चात आवेदिकागण को म.प्र. शासन द्वारा दी जाने वाली समस्त सहायता राशि एवं यूनियन बैंक शाखा मझौली जिला सीधी से मिलने वाली समस्त सहायता राशि आवेदिकागण प्राप्त करने हेतु आवेदिकागण के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन दिया है जिसकी सुनवायी दिनांक 08.05.2025 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदिका को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 08.05.2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत, अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एकपक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 22.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा
स्थान मझौली

शिवांगी सिंह परिहार
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
मझौली, जिला सीधी (म.प्र.)

नशे से दूरी है जरूरी: शिक्षण संस्थानों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

लगभग 2 हजार विद्यार्थियों ने ली नशे के विरुद्ध लड़ाई की शपथ

जागरण, सीधी

पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी अभियान नशे से दूरी है जरूरी के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, समस्त एसडीओपी एवं थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में दिनांक 16 जुलाई 2025 को जिले के विभिन्न विद्यालयों में नशा मुक्ति के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई एवं नशा न करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। कई स्थानों पर रैली, शॉर्ट फिल्म एवं संवाद सत्र जैसे प्रभावी माध्यमों से संदेश पहुंचाया गया। थाना/चौकी स्तर पर आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों में कोतवाली सीधी उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में 600 छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम, थाना जमोड़ी पनवार विद्यालय में 200 विद्यार्थियों व शिक्षकों की भागीदारी, थाना बहरी पतुलखी विद्यालय में 150 छात्र-शिक्षकों के साथ जनजागरूकता सत्र, थाना अमिलिया बिठौली विद्यालय व कस्बे में रैली के माध्यम से 200 लोगों तक संदेश का प्रसार, थाना कमर्जी 100 छात्र-शिक्षकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई, चौकी मोहनिया चुरहट ग्राम बड़खरा विद्यालय में 80 विद्यार्थियों की उपस्थिति, चौकी पिपराव/खड्डी रामपुर नैकिन, भैंसरहा व मोहनी में 150 से अधिक छात्रों को नशा विरोधी शपथ दिलाई गई, चौकी बम्हनी सेमरिया हाई स्कूल बम्हनी में 60 छात्र-शिक्षक जागरूकता कार्यक्रम में शामिल, थाना मड़वास/चौकी पथरौला महखोर व धनिगवा विद्यालयों में 120 छात्रों को नशे से दूर रहने हेतु प्रेरित किया गया। थाना कुसमी/चौकी पौड़ी कुसमी व कोटा विद्यालयों में कुल 200 छात्र-शिक्षकों की सहभागिता, थाना भुईमाड़ शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन द्वारा 100 विद्यार्थियों को प्रभावी रूप से संदेश दिया गया।

जिले में औसत वर्षा 602.3 मि.मी. दर्ज

जागरण, सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 16 जुलाई को सीधी जिले में 14.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 22.0 मि.मी., गोपद बनास में 26.4 मि.मी., सिहावल में 3.6 मि.मी., बहरी में 11.0 मि.मी., मझौली में 16.0 मि.मी. और कुसमी में 20.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 602.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 1 जून से 16 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 702.2 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 471.5, चुरहट में 522.0, गोपद बनास में 593.6, बहरी में 648.5 मझौली में 701.0 मि.मी. और कुसमी में 577.3 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 202.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 399.4 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

सीएम हेल्पलाइन हेतु ऑफिसर नियुक्त करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

जागरण, सीधी। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने अभियान चलाकर शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए लिंक ऑफिसर नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि विभाग प्रमुखों की अनुपस्थित में लिंक ऑफिसर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि जून-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने हितग्राही मूलक योजनाओं तथा भुगतान लंबित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले एल 1 तथा एल 2 अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। बिना पूर्व सूचना के बैठक से अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर अंशुमन राज, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएलओ सुपरवाइजर को दिया गया प्रशिक्षण

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 76 चुरहट में 14 से 16 जुलाई 2025 तक बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर का 3 दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी शैलेश द्विवेदी एवं तहसीलदार एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन पर आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में विधानसभा स्तरीय नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स द्वारा सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को मतदाता सूची संबधित कार्यों से प्रशिक्षित किया गया।

श्री राजपूत करणी सेना ने की न्यायिक जांच की मांग

जागरण, सीधी। श्री राजपूत करणी सेना जिला इकाई सीधी ने बैठक आयोजित कर 12 जुलाई को हरदा में करणी सैनिकों व छात्रावास में घुसकर छात्रों एवं छात्राओं के ऊपर हुए लाठीचार्ज की घटना की घोर निन्दा करते हुए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि हरदा काण्ड की न्यायिक जांच कराकर दोषी पुलिस प्रशासन पर कार्यवाही की जाये। बैठक में श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश महासचिव हरपाल सिंह चौहान, संभाग उपाध्यक्ष अनिल सिंह, संभाग महासचिव रोहन सिंह, कोषाध्यक्ष राजीव सिंह परिहार, आईटी सेल प्रभारी राहुल सिंह, जिला प्रभारी रमेश सिंह, व्यापार प्रकोष्ठ महासचिव अविनाश सिंह, जिला प्रकोष्ठ पिंटू सिंह उपस्थित रहे।

बीएलओ एवं सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया

जागरण, सीधी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के द्वारा निर्वाचन नामावली त्रुटि रहित बनाने के लिए बूथ लेबल अधिकारी का प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 से 16 जुलाई तक विधानसभा स्तर के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में बीएलओ को विधिक प्रावधानों के अनुसार निर्वाचन नामावली तैयार करने संबंधी प्रक्रिया घर-घर जाकर सत्यापन करना, मृत मतदाता, स्थानांतरित मतदाता दोहरी प्रविष्टि जैसी जानकारी एवं विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में सतत अवगत कराया गया तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि बीएलए से समन्वय स्थापित कर फॉर्म 6, 7 एवं 8 को बीएलओ एप आदि के माध्यम से बारीकियां से भलीभांति अवगत कराया गया। साथ ही प्रशिक्षण उपरांत ई- वैल्यूएशन ऑनलाइन माध्यम से कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं समस्त निर्वाचन कार्य मे संलग्न अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कहीं भी रुककर सवारी बैठाते हैं ऑटो, बाजार क्षेत्र में लगता है जाम

गांधी चौक से लालता चौक तक लगता है भारी जाम

ऑटो के कारण बाजार क्षेत्र में बढ़ रहे सड़क हादसे

जागरण,सीधी

शहर के बाजार क्षेत्रों में सुव्यवस्थित पार्किंग की सुविधा मुहैया होने के बावजूद बाजार क्षेत्र की सड़कों में वाहनों का खड़ा होना नहीं थमा। इसी के चलते आवागमन की समस्या बनी हुई है। बाजार क्षेत्र में जाम लगने का प्रमुख कारणों में से आटो-रिक्शा चालकों की मनमानी भी है। जिसके चलते आटो रिक्सा मनमानी तौर पर सवारी चढ़ाने एवं उतारने के लिये खड़े होते हैं जिसके चलते अनावश्यक रूप से जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। कई बार आटो चालक तेज रफ्तार में चलते हुये अचानक सवारी चढ़ाने के लिये रूक जाते हैं जिससे पीछे चल रहे दो पहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। आटो-रिक्शा चलाने में काफी संख्या में नाबालिग भी लगे हुये हैं। जिनकी मनमानी ड्राइविंग के चलते बाजार क्षेत्र में सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। शहर में अस्पताल चौक से लेकर पटेलपुल क्षेत्र तक में सैकड़ों की संख्या में आटो-रिक्शा दौड़ रहे हैं। जानकारों के अनुसार शहर में चलने वाले आटो के लिये रूट निर्धारित न होने के कारण यह समस्या और भी गंभीर बनी हुई है। आटो-रिक्शा पूरे शहर में दौड़ रहे हैं जबकि आटो रिक्शों के लिये रूट का निर्धारण करने की जिम्मेदारी यातायात एवं परिवहन विभाग के है। रूट निर्धारित हो जाने के बाद आटो-रिक्शा अपने क्षेत्र में ही सवारियों को लेकर जा सकते हैं। सवारी ज्यादा से ज्यादा बैठाने की मंशा में चालक बाजार क्षेत्र में ही अपना अधिकांश समय गुजारते हैं। शहर में अस्पताल तिराहा से लेकर पटेल पुल एवं लालता चौक से न्यू बस स्टैण्ड क्षेत्र में सर्वाधिक संख्या में आटो दौड़ रहे हैं। गांधी चौक से लालता चौक के बीच एवं लालता चौक से बीटीआई के सामने तक कुछ-कुछ अंतराल में भारी जाम की स्थिति निर्मित रहती है। आटो-रिक्शा की बढ़ती संख्या पर भी रोक लगाने की दिशा में जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह से लापरवाह बने हुये हैं। जबकि शहर की जरूरतों एवं स्थान को दृष्टिगत रखते हुये आटो-रिक्शा की संख्या निश्चित करने की जरूरत है। सीधी शहर की परिधि दो किलोमीटर है। इतने कम क्षेत्र में करीब 1500 से ऊपर ऑटो-रिक्शा दौड़ रहे हैं। अधिकांश ऑटो रिक्शा अस्पताल तिराहा से लेकर पटेल पुल क्षेत्र एवं पुराना बस स्टैंड से लेकर न्यू बस स्टैंड के बीच ही दौड़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि ऑटो-रिक्शा चालक सवारियों से मनमानी तौर पर शहर के अंदर 20 रुपए तक वसूलने से गुरेज नहीं करते। जबकि शहरी क्षेत्र के अंदर 10 रुपए से ज्यादा किराया नहीं लिया जा सकता।

नहीं होती मनमानी पर सार्थक कार्यवाई

शहर के बाजार क्षेत्र में जगह-जगह ऑटो के रुककर सवारी बैठानें एवं उतारनें के कारण जाम की समस्या बनी हुई है। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक एवं शाम 5 बजे से 8 बजे तक ऑटो रिक्शा की धमाचौकड़ी बाजार क्षेत्र में होने से भारी जाम लगा रहता है। विडंबना यह है कि सैकड़ों ऑटो अस्पताल तिराहा से लेकर पुराना बस स्टैंड, पटेल पुल मार्ग में दौड़ रहे हैं। यह मार्ग मुख्य बाजार क्षेत्र एवं स्कूलों के संबद्ध होने के कारण यहां सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। यहां ऑटो चालक भी इसी मंशा से दौड़ते हैं कि आधा किलोमीटर की यात्रा न करनें वाले लोग भी 10 रुपए बैठनें का देंगे। कई बार यह मांग रखी गई है कि शहर में चलने वाले ऑटो रिक्सा का रूट निर्धारित कर दिया जाए। किस मार्ग में कौन सा ऑटो चलेगा उसका निर्धारण हो जानें के बाद चालक पूरे शहर में फेरी लगाना बंद कर देंगे। शहर की बाजार क्षेत्र में जाम का प्रमुख कारण बने ऑटो की संख्या का निर्धारण करानें की जरूरत न तो जिला परिवहन विभाग समझ रहा है और न ही पुलिस। ऐसे में बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या का कोई सार्थक निराकरण नहीं हो पा रहा है। सड़क की पटरियों पर जहां दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों का कब्जा बना रहता है वहीं बीच में ऑटो-रिक्शों की कतारें जाम लगानें में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इस समस्या पर सार्थक निराकरण कब होगा अनिश्चित है।

दक्षिण वन विभाग द्वारा सर्पदंश जागरुकता हेतु साँप-सीढ़ी खेल का हजारों बच्चों के बीच वितरण

पन्ना । आज, वर्ल्ड स्नेक डे (16 जुलाई 2025) के अवसर पर दक्षिण पन्ना वन विभाग द्वारा डिजाइन किए गए विशेष साँप-सीढ़ी खेल का वितरण वनमण्डल अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में हजारों विद्यार्थियों को किया गया।

दक्षिण ववनमण्डल पन्ना द्वारा सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोकने और ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक जानकारी प्रसारित करने के उद्देश्य से विशेष रूप से यह साँप-सीढ़ी खेल डिज़ाइन किया गया है। यह खेल बच्चों और युवाओं के लिए मनोरंजक माध्यम के साथ-साथ सर्पदंश से संबंधित छ्ह्ह्य एवं छ्ह्ह%ञ्ह्य की महत्वपूर्ण जानकारी भी सहज रूप में प्रदान करता है। खेल में कोबरा, करैत और रसेल वाइपर जैसे विषैले सर्पों को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाया गया है, जिनके काटने से मध्यप्रदेश में सर्वाधिक जनहानि होती है। साथ ही, गोंड कला मोटिफ़ के माध्यम से इसे स्थानीय सांस्कृतिक पहचान से भी जोड़ा गया है।

आज जिन विद्यालयों में वितरण हुआ, उनमें शासकीय कन्या हाई स्कूल, मोहन्द्रा; पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हरदुआ खम्हारिया; पीएम श्री शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुंवरपुर; शासकीय माध्यमिक शाला, कल्याणपुर; केंद्रीय विद्यालय; मॉडल स्कूल, पवई; कन्या शाला, पवई; माध्यमिक शाला, हथखुरी; शासकीय माध्यमिक शाला, बगरोड; शासकीय कन्या हाई स्कूल, रैपुरा; एवं माध्यमिक शाला, कल्दा शामिल हैं।

विद्यालयों में वन अधिकारियों एवं शिक्षकों के सहयोग से सर्पदंश से बचाव एवं प्राथमिक उपचार पर एक संक्षिप्त शैक्षणिक-सह-मनोरंजक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसे बच्चों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक ग्रहण किया।

इस सफल आयोजन में निम्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा- श्री अभय दुबे (वन परिक्षेत्र अधिकारी, मोहन्द्रा रेंज); नीतेश पटेल (वन परिक्षेत्र अधिकारी, पवई एवं रैपुरा रेंज); परिवेश भदौरिया (वन परिक्षेत्र अधिकारी, कल्दा रेंज); शंकर प्रसाद दहायत, बी.के. खरे (उपवनक्षेत्रपाल); शरद नागर (वनपाल); सतीश द्विवेदी, अशोक बागड़ी, रामदयाल सूत्रकार, प्रेमशंकर सिंह ठाकुर, रामजी गर्ग एवं राजबहादुर सिंह। सभी विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा वन विभाग की इस नवाचारपरक पहल की सराहना की गई। यह अभियान बच्चों में जागरूकता उत्पन्न करने की दिशा में एक रचनात्मक और सराहनीय प्रयास सिद्ध हुआ।

सर्प दिवस पर पवई के विद्यालयों में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

सांप-सीढ़ी जैसे खेल के जरिए विद्यार्थियों को दी गई सर्पदंश से बचाव की जानकारी

पवई। विश्व सर्प दिवस के अवसर पर पवई वन परिक्षेत्र में वन विभाग द्वारा बुधवार को विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को सर्पदंश के प्रति जागरूक करना और उससे बचाव के उपायों की जानकारी देना था।

पवई वन परिक्षेत्र अधिकारी नीतेश पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इन कार्यक्रमों को रोचक और शिक्षाप्रद बनाने के लिए सांप-सीढ़ी जैसे लोकप्रिय खेल को एक अभिनव तरीके से प्रस्तुत किया गया। इस खेल के माध्यम से बच्चों को यह बताया गया कि किस प्रकार सावधानी न बरतने पर सर्पदंश हो सकता है और क्या-क्या प्राथमिक उपचार किए जाने चाहिए। कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय मॉडल स्कूल पवई सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने इस अनूठे जागरूकता अभियान में खेल-खेल में महत्वपूर्ण जानकारियाँ हासिल कीं।

इस अवसर पर वन विभाग की टीम ने यह भी बताया कि सांप प्रकृति के लिए कितने जरूरी हैं और किस तरह से वे पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि सांपों से डरने के बजाय सतर्कता बरतनी चाहिए और किसी सर्पदंश की स्थिति में घबराने की बजाय समय पर उचित उपचार लेना चाहिए।

कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं, वनकर्मियों उपस्थिति रही। समापन पर सभी ने इस प्रयास की सराहना की और ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई।

नरवई प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रों के आवेदन प्रारंभ

पन्ना । किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिले के समस्त कृषकों को नरवाई प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर यंत्रों के आवेदन करने के बारे में सूचित किया गया है। ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर गत 5 जुलाई से इन कृषि यंत्रों के लिए आवेदन प्रारंभ हो चुके हैं। सभी कृषकों से पोर्टल पर आवेदन कर शासन की योजना का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। विभाग के उप संचालक ए.पी. सुमन ने बताया कि आवेदन के साथ कृषकों को स्वयं के बैंक खाते से 4500 रूपए राशि का डिमांड ड्राफ्ट संबंधित जिले के सहायक कृषि यंत्री के नाम से बनवाकर अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा। धरोहर राशि के बिना आवेदन मान्य नहीं होगा।

एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत नवागत तहसीलदार ने किया पौधरोपण

पवई । नवागत तहसीलदार त्रिलोक सिंह ने एक वृक्ष मां के नाम अभियान के अंतर्गत कलेही मंदिर परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल की। इस अवसर पर तहसील कार्यालय के समस्त कर्मचारीगण एवं वॉइस ऑफ मीडिया के पत्रकार गण भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान तहसीलदार त्रिलोक सिंह ने कहा, मां के प्रति हमारी भावनाएं अमूल्य हैं। यदि हम उनके नाम पर एक वृक्ष लगाते हैं, तो यह न केवल उन्हें सम्मान देने का माध्यम बनता है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी अहम योगदान देता है। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण सरंक्षण जैसे पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया। उपस्थित पत्रकारों ने तहसीलदार की इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने वृक्षों की नियमित देखभाल करने और भविष्य में भी इस प्रकार के अभियानों में भाग लेने का संकल्प लिया।

जिला अस्पताल पन्ना में बड़ी लापरवाही : एक्सपायरी डेट की बोतल मरीज को चढ़ा दी, हालत होने लगी खराब

पन्ना । जिला चिकित्सालय पन्ना अनेक कारनामों के चलते सुर्खियों में रहता है इसी प्रकार का मामला सामने आया है जिसमें जिला अस्पताल के प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है पुराना पन्ना निवासी जीशान पिता युसूफ उम्र 11 वर्ष उल्टी दस्त के चलते भर्ती किया गया था जिसको अस्पताल की नर्सो के द्वारा बॉटल लगाई गई थी कुछ समय बाद जीशान को ठंड लगने लगी तथा उसकी हालत खराब होने लगी जिसे देखकर उसके मामा शेख अंजाम ने बच्चों को चढ़ाई गई बोतल की एक्सपायरी डेट देखी तो वह बोटल चार माह पूर्व मार्च 2025 में एक्सपायर हो गई थी उसी को चढ़ा दिया गया था। तत्काल उनके द्वारा नर्स को बताया गया तो उसने उक्त बोतल को बदल दिया दूसरी बोतल लेकर आई तो उसमें भी एक्सपायरी डेट जून 2025 लिखी हुई थी इस प्रकार से जिला चिकित्सालय में मनमानी तथा गैर जिम्मेदार पूर्ण कार्य चल रहा है मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर पी तिवारी से की गई है मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री तिवारी ने जांच के निर्देश दिए हैं आगे देखना है।अस्पताल प्रबंधन के द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

ई-अटेंडेंस के विरोध में हथकुरी संकुल के अतिथि शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

पवई। पवई विकासखंड के अंतर्गत आने वाले हथकुरी हाई स्कूल में मध्यॉतर के समय संकुल स्तर के सभी अतिथि शिक्षक एकजुट होकर ई-अटेंडेंस प्रणाली के विरोध में सामने आए। अतिथि शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष जितेन्द्र गर्ग के नेतृत्व में संकुल प्राचार्य जयकुमार पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से अतिथि शिक्षकों ने मध्याह्न भोजन के दौरान मोबाइल ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया को असुविधाजनक एवं अपमानजनक बताते हुए तत्काल प्रभाव से इसे बंद करने की मांग की। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि यह प्रक्रिया उनके शैक्षणिक कार्यों में बाधा डाल रही है और उन्हें तकनीकी दिक्कतों के कारण मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष जितेन्द्र गर्ग ने बताया कि यह निर्णय शिक्षकों की गरिमा के खिलाफ है, जिससे पूरे प्रदेश के अतिथि शिक्षक आक्रोशित हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गुरुवार को प्रदेशभर के अतिथि शिक्षक कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर रहेंगे और जिला स्तर पर भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संदीप पटेल, शिवकुमार पाण्डेय, जंतुल खान, बीरेंद्र गर्ग, अवधेश पटेल, यज्ञदत्त तंतुवाय, कृष्ण बिहारी सेन, सुभाष सोनी, अजय चौरसिया, द्वारका सेन सहित एक दर्जन से अधिक अतिथि शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस प्रक्रिया को वापस नहीं लिया, तो आगे आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

ई-ऑफिस पर नस्तियों के संचालन का दिया प्रशिक्षण

पन्ना । शासन के निर्देशानुसार समस्त शासकीय विभागों में ई-ऑफिस परियोजना का सफल संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोकसेवकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ई-ऑफिस प्रणाली में जिला मुख्यालय पर स्थित शासकीय विभाग व कार्यालयों के ऑनबोर्ड होने की कार्यवाही पूर्णता की ओर है, जबकि आगामी दिवसों में राजस्व विभाग के अनुविभाग और तहसील स्तर के कार्यालयों में भी इसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके माध्यम से शासकीय कार्य में सहूलियत के साथ आमजनों की समस्याओं और आवेदनों का निराकरण भी समय-सीमा में पारदर्शी तरीके से होगा। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में बुधवार को संबंधित ऑनबोर्ड विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को अब पूर्ण रूप से ई-ऑफिस पर कार्य प्रारंभ करने के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान फाइल मैनेजमेंट सिस्टम के तहत फाइल लिंकिंग व एड करने की प्रक्रिया, पार्ट फाइल तैयार करने सहित डिजिटल सिग्नेचर और रिसीप्ट जनरेशन प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षक धीरज कुमार पाण्डेय द्वारा ई-ऑफिस पर नोटशीट संचालन और येलो एवं ग्रीन नोट इत्यादि की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर उनके प्रश्नों का समाधान भी किया गया। इसके अलावा ई-ऑफिस संचालन संबंधी विभिन्न तकनीकी समस्याएं भी निराकृत की गईं। प्रशिक्षण में नस्तियों के डिजिटाईजेशन और पूर्व से संचालित भौतिक नस्तियों के संबंध में भी विस्तारपूर्वक महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया गया। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी अतुल ने भी ई-ऑफिस पर शासकीय कार्यों के संपादन के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की। ई-दक्ष केन्द्र में गुरूवार को कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारियों का पृथक-पृथक बैच में प्रशिक्षण होगा।

निराश्रित गौवंश को सुरक्षित आश्रय स्थल भेजने की गई कार्रवाई

पन्ना । कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार द्वारा सड़कों पर सुरक्षित आवागमन और निराश्रित पशु एवं गौवंश को सुरक्षित आश्रय स्थल में विस्थापित करने के उद्देश्य से गत दिवस जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश धारा 163 लागू की गई है। इसके साथ ही ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव सहित स्थानीय निकाय के अधिकारी व अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया था। जिला कलेक्टर के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वांछित कार्यवाही की जा रही है, जिसके तहत जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़कों पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं को कर्मचारियों की टीम द्वारा गौशाला भिजवाया गया। मंगलवार की रात्रि को नगर पालिका परिषद पन्ना की टीम ने भी निराश्रित गौवंश को शहर की सड़कों से हटाने की कार्यवाही की। साथ ही अजयगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत फरस्वाहा द्वारा 92 गौवंश को राधा गौशाला कड़रहा भेजा गया। इसके पूर्व भी ग्राम पंचायत देवगांव, प्रतापपुर सहित गुनौर, पवई, शाहनगर और रैपुरा क्षेत्र की विभिन्न गौशालाओं में निराश्रित गौवंश को शिफ्ट किया गया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी गौशाला की आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौशालाओं में पंजी संधारित कर आवश्यक जानकारियों का संधारण भी किया जा रहा है। गौवंश की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टैगिंग कार्य भी करवाया जा रहा है। गौवंश को रेडियम पट्टे भी लगाए गए हैं। जिला प्रशासन की इस कार्यवाही से स्थानीय नागरिक भी खुश हैं। इससे मुख्य मार्गों सहित अन्य सड़कों पर भी वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा मिल रही है। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम के साथ निराश्रित पशु व गौवंश की सुरक्षा भी सुनिश्चित हुई है। यह कार्यवाही आगामी दिवसों में भी निरंतर जारी रहेगी।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामपुर बाघेलान जिला.सतना म.प्र.

क्र0/465/प्रवा / 2025 — रामपुर बाघेलान, दिनांक 14.07.2025

सार्वजनिक उद्घोषणा

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत रामपुर बाघेलान के द्वारा मौजा करही (नगर परिषद वार्ड क्र. 01 करही) तहसील रामपुर बाघेलान की आराजी नं 534 एवं 535 का जुज रकवा क्रमशः 0.162 हे0, 0.198 हे0 कुल रकवा 0.360 हे0 नगर परिषद रामपुर बाघेलान को दुकान निर्माण हेतु भूमि आवंटित किये जाने के संबंध में पत्र प्राप्त हुआ है। उक्त के संबंध में कोई दावा / आपत्ति और सुझाव पेश करना है तो उद्घोषणा जारी होने के तिथि से 07 दिवस के भीतर दावा / आपत्ति और सुझाव अधोहस्ताक्षरी के समक्ष पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद कोई भी दावा /आपत्ति और सुझाव मान्य नही होगी।

अनुविभागीय अधिकारी
रामपुर बाघेलान जिला सतना म.प्र.

कार्यालय : जिला शिक्षा केन्द्र (समग्र शिक्षा अभियान), सतना/मैहर (म.प्र.)

संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के पीछे, धवारी, सतना (म.प्र.)
दूरभाष नं. : 07672-298928, ई-मेल : zsksatna@gmail.com
क्रमांक/जि.शि.के./स्था./2025/1125 — सतना, दिनांक : 16.07.2025

विज्ञापन

जिला सतना/मैहर अन्तर्गत जिला/जनपद शिक्षा केन्द्रों में **उच्च कुशल, कुशल एवं अर्द्धकुशल मेनपॉवर की विविध कार्यों के सम्पादन हेतु अनुभवी मेनपॉवर की आवश्यकता है।** इसके लिए जिला शिक्षा केन्द्र सतना द्वारा शासकीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/स्वायत्तशासी उपक्रम एवं म.प्र. शासन से संबंधित विभाग/वैधानिक अधिकारी द्वारा पंजीकृत, प्रोप्रायटरी, पार्टनरशिप, कम्पनी एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत/लाइसेंस प्राप्त निविदाकार **आउटसोर्स एजेन्सी से द्वि-लिफाफा पद्धति में** प्रस्ताव अग्रदर्शित नियम/शर्तों के तहत **दिनांक 28.07.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे तक** आमंत्रित किये जाते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त प्रस्ताव विचार योग्य नहीं होगा। एजेन्सियों से प्राप्त ऑफर एजेन्सी प्रमुख अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष **दिनांक 28.07.2025 को अपरान्ह 04.00 बजे जिला शिक्षा केन्द्र सतना के** कार्यालय में खोले जायेंगे।

एजेन्सी द्वारा प्रथम सीलबंद लिफाफे में तकनीकी प्रस्ताव तथा द्वितीय सीलबंद लिफाफे में वित्तीय प्रस्ताव प्रस्तुत किया जावेगा। प्रथम लिफाफे में **"तकनीकी प्रस्ताव"** में एवं द्वितीय लिफाफे में **"वित्तीय प्रस्ताव"** स्पष्ट रूप से बड़े अक्षरों में अंकित किया जाये।

विज्ञप्ति की विस्तृत अर्हता, शर्तें एवं अन्य जानकारियाँ कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र से प्राप्त की जा सकती हैं।

जिला परियोजना समन्वयक
म.प्र. माध्यम/121141/2025 — जिला शिक्षा केन्द्र, सतना (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम सतना (म.प्र.)

N.I.T क्र 16 (E.T)/ निर्माण/ न.पा.नि/2025-26 — सतना दिनांक 15.07.2025

//निविदा आमंत्रण सूचना//

नगर पालिक निगम सतना द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा क्र व जारी दिनांक	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	वार्ड क्र	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की समयावधि
1	16/01 15.07.2025	2025_UAD _436918_1	पेवर रोड कार्य आर.एस. कालोनी एव विभिन्न स्थानों में	44	33,95,163/-	50,000/-	5000/-	04 माह
2	16/02 15.07.2025	2025_UAD _436920_1	पेवर रोड कार्य जे.पी. कालोनी में	30	25,52,165/-	50,000/-	5000/-	04 माह
3	16/03 15.07.2025	2025_UAD _436921_1	रोड/ नाली एवं पुलिया मरम्मत विभिन्न स्थानों में (पार्षद निधि)	30	21,16,662/-	42,400/-	5000/-	04 माह

शर्ते :- 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर दिनांक 16.07.2025 समय 15:30 से दिनांक 16.08.2025 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन आनलाइन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम सतना म.प्र.

कार्यालय कलेक्टर, (सामाजिक न्याय) जिला रीवा (म0प्र0)

/ विज्ञापन /

क्रमांक /1487 स्थापना / 2025 / — दिनांक 14/07/2025

दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र रीवा के संचालन हेतु मानदेय के आधार पर विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र निम्नलिखित पदों हेतु निर्धारित प्रारूप में दिनांक 08.08.2025 साय 5.30 तक आमंत्रित किये जाते है पद की योग्यतायें एवं मानदेय नीचे दर्शाये अनुसार है।

क्रं	पद का नाम	योग्यताएं	पदों की संख्या	मानदेय प्रति माह
1	सीनियर फिजियोथेरेपिष्ट	सीनियर फिजियोथेरेपिष्ट 01 अनिवार्य योग्यता बीपीटी, 02 कार्य अनुभव को प्राथमिकता दी जावेगी।	01	20500

नियम एवं शर्ते–

1 उपरोक्त 01 पद एकांकी होने से आरक्षण प्रावधान से मुक्त होगें।
2 सभी पद शासन द्वारा निश्चित मानदेय पर स्वीकृत हुए है। उक्त पद पर चयनित उम्मीदवार का भविष्य में नियमितिकरण किये जाने हेतु कोई भी दावा/बाद स्वीकार एवं मान्य नही होगा ।
3. नियुक्ति पूर्णत मानदेय पर एक वर्ष के लिए रहेगी। किसी भी एक पक्ष द्वारा एक माह के पूर्व नोटिस पर किसी भी समय सेवाए समाप्त की जा सकती है। एक वर्ष के पश्चात सेवाएं संतोषप्रद पाए जाने पर पुनः सेवा में वृद्धि की जा सकेगी ।
4 चयनित उम्मीदवार की नियुक्ति के पूर्व पुलिस विभाग से चरित्र सत्यापन एवं मेडिकल करवाया जावेगा। अनुकूल प्रतिवेदन प्राप्त होने पर ही नियुक्ति आदेश जारी किया जावेगा।
5 उम्मीदवार का चयन मेरिट / काउन्सलिंग / साक्षात्कार जैसी भी स्थिति होगी जिला प्रबन्धक दल (डीएमटी) द्वारा तय की जावेगी। जिसके संबन्ध में कोई बाद–विवाद मान्य नहीं किया जावेगा ।
6 निर्धारित योग्यता की शर्त पूर्ण नहीं करने स्थिति में आवेदन पत्र स्वतः ही निरस्त माना जायेगा। जिसके संबन्ध में पृथक से कोई सूचना नहीं दी जावेगी ।
7. आयु न्यूनतम एवं अधिकतम शासन के नियमानुसार होगी ।
8. आवेदन पात्र पाये जाने पर आवश्यकतानुसार साक्षात्कार / काउन्सलिंग की सूचना उनके आवेदन पत्र में दर्शाये गये वर्तमान पत्र व्यवहार के पते ही दी जायेगी।
9 आवेदक आवेदन पत्र के लिफाफे के उपर आवेदित पदनाम का उल्लेख अवश्य करें ।
10 न्यूनतम एवं अधिकतम आयु की गणना रिक्त पदों के विज्ञप्ति के कलेण्डर वर्ष 01 जनवरी 2025 के सन्दर्भ में की जावेगी
11. विवाद की स्थिति में अतिम निर्णय कलेक्टर जिला रीवा का ही मान्य होगा ।
12. जी आवेदक पूर्व में नियोजित है उन्हें आवेदन पत्र के साथ अपने नियोजक का अनापत्ति प्रमाण पत्र सलग्न करना आवश्यक होगा।
13. आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए गये सभी प्रमाण–पत्रों/अभिलेखों की छायाप्रति स्वयं के द्वारा प्रमाणित होना आवश्यक है
14. उक्त पद पर चयनित प्रतिभागी को जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास परिषद अधिनियम 1992 को भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई)में पंजीबद्ध होना आवश्यक है।
15. अन्तिम तिथि 08.08.2025 सायं 5.30 बजे के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
16. आवेदन पत्र कार्यालय संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण जिला रीवा संभाग रीवा म0प्र0, नवीन कलेक्ट्रट प्रथम तल कमरा न0 20 में पते पर सीधे जमा किये जा सकते है अथवा डाक द्वारा प्रेषित किये जा सकते है। डाक के माध्यम से दिनाक 08.08.2025 के बाद प्राप्त आवेदन पत्र शामिल नहीं किये जायेगें ।
17. उक्त विज्ञापन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी / शर्ते/आवेदन पत्र का प्रारूप जिले की बेवसाईट www-rewa-nic-पद में देखी जा सकती है।

कलेक्टर
जिला रीवा म0प्र0
G- 15722/25

न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड मऊगंज जिला रीवा (म.प्र.) पीठासीन अधिकारी महादेव पटेल

(आदेश 05 नियम 20 व्य.प्र.सं. 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(आर. सी. एस. ए. 252/2023)

नरेश चन्द्र तनय राजाराम ब्रा. व 01 अन्य .... वादीगण

बनाम

शबनम तनय विश्वनाथ प्रसाद ब्रा. एवं 103 अन्य .... प्रतिवादीगण

प्रोसेस आई.डी......2025
पेशी दिनांक– 20.08.2025

प्रेषिती–

01–श्रीमती मीना कुमारी पुत्री विश्वनाथ पत्नी देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, निवासी ग्राम बधैया, पो.ऑ बिछरहटा, थाना शाहपुर, तहसील हनुमना, जिला मऊगंज (म.प्र.) 02– श्रीमती शीला पुत्री अमृतलाल ब्रा. पत्नी रजनीश प्रसाद तिवारी, निवासी ग्राम तिलया, थाना तहसील हनुमना, जिला मऊगंज (म.प्र.) 03– श्रीमती सुषमा पुत्री अमृतलाल ब्रा. पत्नी राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, निवासी ग्राम तिलया, थाना व तहसील हनुमना, जिला मऊगंज (म.प्र.) 04– श्रीमती आयतन पुत्री अमृतलाल ब्रा. पत्नी संतोष कुमार मिश्रा, निवासी ग्राम मिसिरगवों, थाना व तहसील नईगढ़ी, जिला मऊगंज (म.प्र.)05– श्रीमती मितन पुत्री अमृतलाल ब्रा. पत्नी संदीप कुमार त्रिपाठी, निवासी ग्राम ऊधौपुरवा, पो.ऑ. पाडर थाना व तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज (म.प्र.) 06– पल्लव तनय शशिभूषण 07– श्रीमती पल्लवी पुत्री शशिभूषण पत्नी नितिन द्विवेदी, क्र.–06, 07 निवासी ग्राम निपनिया बड़ी पुल के पास रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) 08– श्रीमती विजया पुत्री राजाराम पत्नी सच्चिदानन्द ब्रा., निवासी ग्राम बहरी तहसील सिहावल, जिला सीधी (म.प्र.) 09– श्रीमती कल्पना पुत्री राजाराम पत्नी मुकेश कुमार ब्रा. निवासी ग्राम मंगल भवन के पास धवारी, जिला सतना (म.प्र.) 10– नित्यानन्द तनय रमाशंकर ब्रा. 11– शिवानन्द तनय रमाशंकर ब्रा. 12–– शशिनाथ तनय रमाशंकर ब्रा. 13– देवानन्द तनय रमाशंकर ब्रा. 14– श्रीमती प्रभावती पुत्री रमाशंकर ब्रा. पत्नी श्रीनिवास ब्रा. क्र.–10 ता 14 निवासी वार्ड क्र0–02, मिश्र मण्डल मऊगंज, थाना व तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज (म.प्र.)15– श्रीमती सोमवती पुत्री प्रेमशंकर ब्रा. पत्नी विजय शंकर पाण्डेय, निवासी ग्राम बरयॉकला, थाना व तहसील मऊगंज जिला मऊगंज (म.प्र.)16– मंगलावती पुत्री प्रेमशंकर ब्रा. पत्नी महेन्द्र कुमार मिश्रा, निवासी ग्राम जमुई वार्ड क्र0–09 थाना व तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज (म.प्र.)17– रामकली पुत्री गुरू प्रसाद पत्नी सूर्यकान्त पाण्डेय, निवासी वार्ड क्र.–04 नगर परिषद मऊगंज, थाना व तहसील मऊगंज (म.प्र.)18– रामाश्रय तनय हीरामणि ब्रा. 19– सुरेश तनय अनुसुईया प्रसाद ब्रा. 20– नीलेश तनय अनुसुईया प्रसाद ब्रा. 21– श्रीमती सुषमा पुत्री अनुसुईया प्रसाद ब्रा. 22– श्रीमती साधना पुत्री अनुसुईया प्रसाद ब्रा. पत्नी वशिष्ट शुक्ला 23– श्रीमती उर्मिला पत्नी अनुसुईया प्रसाद पत्नी गणेश प्रसाद ब्रा. 24– धर्मवती पत्नी बृजेन्द्र कुमार ब्रा. 25– रामजी तनय हीरामणि, क्र0–18 से 25 निवासी ग्राम बरयॉकला (मऊगंज), थाना व तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज (म.प्र.) 26– संतोष तनय शिवशंकर ब्रा. 27– विनोद तनय शिवशंकर ब्रा. 28– श्रीमती उमा पाण्डेय पुत्री शिवशंकर पत्नी हरि प्रसाद पाण्डेय 29– श्रीमती रमा पुत्री शिवशंकर पत्नी अरूण शुक्ला 30– श्रीमती शशी पुत्री शिवशंकर पत्नी महेन्द्र तिवारी 31– श्रीमती किरण पुत्री शिवशंकर पत्नी गणेश चतुर्वेदी 32– श्रीमती प्रभा पुत्री शिवशंकर पत्नी अशोक कुमार मिश्रा 33– श्रीमती बिन्दू पुत्री शिवशंकर पत्नी राजकमल तिवारी 34– श्रीमती सिन्धू पुत्री शिवशंकर पत्नी उमेश कुमार दुबे, क्र0–20 से 34 निवासी बोदाबाग, नीम चौराहा, नगर निगम रीवा, जिला रीवा (म.प्र.) 35– श्रीमती सुखरजुआ पुत्र रामछबीले पत्नी रामखेलावन 36– श्रीमती सावित्री देवी पत्नी विनायक प्रसाद ब्रा. 37– अशोक कुमार तनय विनायक प्रसाद ब्रा. 38– बृजेन्द्र तनय विनायक प्रसाद ब्रा. 39– राजेन्द्र तनय विनायक प्रसाद ब्रा. 40– अनिल तनय विनायक प्रसाद ब्रा.

41– श्रीमती आशा पुत्री विनायक प्रसाद ब्रा., पत्नी सुरेन्द्र मिश्रा 42– श्रीमती राजकुमारी पुत्री विनायक प्रसाद ब्रा., पत्नी अनिल पाण्डेय 43– मुस. राजकली पत्नी रामदिनेश ब्रा. 44– अभय तनय रामदिनेश ब्रा. 45– विजय तनय रामदिनेश ब्रा. 46– सुधाकर तनय रामदिनेश ब्रा. 47– श्रीमती दुर्गावती पुत्री रामदिनेश पत्नी दिनेश त्रिपाठी 48– श्रीमती कमला पुत्री रामदिनेश पत्नी राजकुमार मिश्रा 49– अरूण तनय रामलखन ब्रा.50– राकेश तनय रामलखन ब्रा. 51– श्रीमती सरोज पुत्री रामलखन पत्नी प्रभूदयाल ब्रा. 52– श्रीमती तारा पुत्री रामलखन पत्नी श्यामाचरण शुक्ला 53– श्रीमती कुमुद पुत्री रामलखन पत्नी रामइच्छा ब्रा. 54– प्रभात तनय रामबालक ब्रा. 55– प्रवीण तनय रामबालक ब्रा. 56– राजीव तनय रामबालक ब्रा. 57– रवीन्द्र तनय रामबालक ब्रा. 58– श्रीमती अर्चना पुत्री रामबालक, पत्नी अखिलेश कुमार ब्रा., क्र0–36 से 58 निवासी वार्ड क0–02. मिश्र मण्डल मऊगंज, थाना व तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज (म.प्र.)।

यह कि प्रार्थी नरेशचन्द्र एवं सुरेशचन्द्र ने आपके विरूद्ध दावा स्वत्व घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा एवं वैकल्पिक अधिपत्य के लिये वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में सम्बंधित सभी सारवान कथनो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज को लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जानी वाली सूची मे प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बतायी गई अवधि में इस न्यायालय मे उपस्थित नहीं होगें तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 09.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया है। कृपया ध्यान दे यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय में अवकाश रहेगा अथवा पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहेगें तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

न्यायाधीश महादेव पटेल
द्वितीय व्यवहार
न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
RN- 82710 — मऊगंज जिला रीवा (म.प्र.)

छतरपुर में अनशन पर बैठे पुजारी का बिगड़ा स्वास्थ्य, अस्पताल में कराया गया भर्ती

आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को मंदिर की जिम्मेदारी दिए जाने का कर रहे थे विरोध

जागरण, छतरपुर । पिछले करीब दो सप्ताह से जिला मुख्यालय पर जनपद पंचायत कार्यालय के सामने तंबू गाड़कर मौनव्रत और अनशन कर रहे ग्राम बारी के रामलला सरकार मंदिर के पुजारी का मंगलवार को अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया। उन्हें तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम बारी के रामलला सरकार मंदिर के पुजारी साधुदास उर्फ वीरेंद्र कुमार पिछले दो सप्ताह से अनशन पर बैठे हुए हैं। उनके सेवादार सेवकदास ने बताया कि छतरपुर एसडीएम और नायब तहसीलदार ने मंदिर को दबंगों के हवाले कर दिया है जिससे मंदिर की पवित्रता और व्यवस्था प्रभावित हुई है। पुजारी साधुदास द्वारा लगातार भोजन न किए जाने के चलते पिछले दो दिन से उनकी हालत बिगड़ती जा रही थी। मंगलवार को वे अचानक बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। सेवादार ने बताया कि पुजारी जी की मांगों में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से मंदिर की जिम्मेदारी छीनकर पुन- उन्हें दिए जाने, 19 अप्रैल 2025 की स्थिति में मंदिर में उनकी पुनर्स्थापना किए जाने, उनके खिलाफ दर्ज किए गए कथित फर्जी मुकदमों को वापिस लिए जाने और एसडीएम अखिल राठौर तथा नायब तहसीलदार इंदू सिंह को निलंबित किया जाना शामिल है।

इनका कहना

मंदिर के कथित पुजारी के गुरूजी द्वारा सिविल कोर्ट में किए गए को दावे को खारिज किया जा चुका है। मैंने जो भी कार्रवाई की है वह सिविल कोर्ट के आदेश पर की है। अपनी अनुचित मांगों को लेकर पुजारी द्वारा अनशन किया जा रहा था, आज उनका स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छतरपुर एसडीएम
अखिल राठौर

अधिकतम दरों पर शराब विक्रय करने पर 12 प्रकरण पंजीबद्ध

छतरपुर । छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में एवं सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर.वैद्य के नेतृत्व में छतरपुर जिले में स्थित कंपोजिट मदिरा दुकानों पर लगातार अभियान चलाकर वृत्त प्रभारी अधिकारियों द्वारा 1 अप्रैल 2025 से 30 जून 2025 तक अधिकतम या न्यूनतम विक्रय मूल्य संबंधी निरीक्षण एवं टेस्ट पर्चेस की कार्यवाही की गई है। निरीक्षण के दौरान कुल 12 अधिकतम विक्रय मूल्य एवं न्यूनतम विक्रय मूल्य के प्रकरण पंजीबद्ध कर लाइसेंसी के विरुद्ध नियमानुसार विधिवत कार्यवाही की गई।

जिसमें कुल 7 प्रकरणों का निराकरण हो गया है, जिसमें कमशः एकल मदिरा समूह बड़ामलहरा में 113056 रुपए, एकल मदिरा समूह लवकुशनगर में 67948 रुपए, एकल मदिरा समूह बिजावर में 39655 रुपए, एकल मदिरा समूह खजुराहो में 40648 रुपए, एकल मदिरा समूह नौगांव में 80348 रुपए एवं एकल मदिरा समूह छतरपुर क्र.01 में 38540 रुपए इस प्रकार कुल राशि रू. 3 लाख 80 हजार 195 रुपए का जुर्माना लगाए जाकर वसूल किये गए तथा शेष 05 प्रकरण प्रक्रियाधीन है। सहायक आबकारी आयुक्त छतरपुर द्वारा बताया गया कि इस अभियान की लगातार कार्यवाही जारी रहेगी।

पुलिस ने इन्वेस्टमेंट स्कैम का किया पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

इंस्टाग्राम के जरिए की जा रही थी धोखाधड़ी, नगदी और मोबाइल बरामद

जागरण, छतरपुर । सिविल लाइन थाना पुलिस ने इंस्टाग्राम पर प्रॉफिट मैनिया नामक आईडी के जरिए इन्वेस्टमेंट प्लान में धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। प्रकरण में एक आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसके साथियों की तलाश जारी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि एक आवेदिका, जो सिंचाई कॉलोनी में किराए के मकान में रहती है, ने इंस्टाग्राम की प्रॉफिट मैनिया आईडी द्वारा अच्छा रिटर्न देने का लालच देकर पैसे की ठगी की शिकायत की थी। इस आधार पर सिविल लाइन थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने खाते की ट्रांजैक्शन रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराध सिद्ध किया। पुलिस टीम ने राजस्थान सहित अन्य राज्यों में आरोपी की तलाश की और जयपुर में दबिश दी। आखिरकार, साक्ष्यों और सूचना के आधार पर आरोपी विजय कांवडिया पुत्र दामोदर कांवडिया निवासी ग्राम मनसा रामपुरा निवारू जिला जयपुर राजस्थान को छतरपुर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने अपराध स्वीकार किया और गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी दी। उसके पास से 30,000 रुपये नगद और इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन बरामद हुआ।

परकुलेशन टैंक फूटने पर कार्यपालन यंत्री आरईएस सहित तीन उपयंत्रियों को नोटिस जारी

जागरण, डिंडोरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में जनपद पंचायत डिंडौरी के सभाकक्ष में मनरेगा योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली।बैठक में मनरेगा योजना के अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों जैसे तालाब निर्माण, नाली निर्माण, सड़कों का मरम्मत कार्य, खेत-तालाब, वृक्षारोपण जल गंगा संवर्धन अभियान, चेक डेम, परकुलेशन टैंक, वर्मीकम्पोस्ट टैंक एवं अन्य श्रम आधारित गतिविधियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कार्यों की प्रगति, मजदूरी भुगतान की स्थिति, मस्टर रोल की अद्यतन प्रविष्टि, फोटो अपलोडिंग और जॉब कार्डधारियों को रोजगार की उपलब्धता पर चर्चा हुई।जल गंगा संवर्धन और परकुलेशन टैंक की स्थितियों का जायजा लिया। जिसमें पता चला कि परकुलेशन टैंक ग्राम पंचायत मुढिया खुर्द, परकुलेशन टैंक उदरी माल, नवीन तालाब भरवई का बारिश के दौरान फूट जाने पर कलेक्टर ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को जिले के समस्त निर्माण कार्यों का निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया था। इसलिए कार्यपालन यंत्री आरईएस को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही साथ संदीप शुक्ला सब इंजीनियर, फिरोज खान, धर्मेन्द्र यादव को भी लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान कई ग्राम पंचायतों में निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति में धीमी प्रगति एवं अपूर्ण कार्यों की स्थिति पर अधिकारियों ने चिंता जताई। जनपद सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता एवं समयसीमा में पूर्ण किए जाएं तथा मजदूरी भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी न हो। अपूर्ण कार्यों की सूची तैयार कर प्राथमिकता से पूर्ण कराने को कहा गया।बैठक में जनपद सीईओ डिंडौरी, परियोजना अधिकारी मनरेगा श्री प्रदीप शुक्ला, समस्त इंजीनियर, सहायक यंत्री एवं निर्माण से संबंधित सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरियाली महोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु पुलिस अधीक्षक ने सिविल लाइन पुलिस आवासीय परिसर में लगाए पेड़

छतरपुर । हरियाली महोत्सव के अंतर्गत छतरपुर जिले के समस्त थाना, चौकी, पुलिस कार्यालय, पुलिस लाइन एवं पुलिस आवासीय परिसरों में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक छतरपुर श्री अगम जैन के नेतृत्व में कार्यक्रम की शुरुआत सिविल लाइन पुलिस आवासीय परिसर से की गई। वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पौधों की देखभाल हेतु आवश्यक खाद, जल एवं अन्य आवश्यकताओं की जानकारी दी गई। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों से भावनात्मक रूप से वृक्षों से जुड़ने तथा उनके संरक्षण हेतु जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिले के सभी थानों एवं चौकियों में फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ परिसर की हरियाली भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री विदिता, रक्षित निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अरविंद सिंह दांगी, थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक श्री वाल्मीकि चौबे सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शौचालय में लगे कैमरों की शिकायत पर कार्रवाई

कमिश्नर ने सी.एम. राइज स्कूल बक्स्वाहा के प्राचार्य राजेन्द्र ताम्रकार को किया निलंबित

जागरण, छतरपुर । शौचालय में लगे कैमरों की शिकायत पर संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने सी.एम. राइज स्कूल बक्स्वाहा के प्राचार्य राजेन्द्र ताम्रकार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। छतरपुर जिले के शासकीय सांदीपनी सी.एम. राइज स्कूल बक्स्वाहा के शौचालयों में लगे सीसीटीवी कैमरों की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया। कलेक्टर छतरपुर द्वारा तहसीलदार बक्स्वाहा को मौके पर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के अनुसार स्कूल के भूतल और प्रथम तल के बालक शौचालयों में एक-एक सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ पाया गया। भूतल के कैमरे की वायरिंग हाल ही में तोड़ी गई प्रतीत हुई जबकि प्रथम तल के कैमरे की वायरिंग अभी भी मौजूद है। कैमरे डीवीआर से कनेक्टेड हैं या नहीं, इसकी पुष्टि तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। प्राचार्य कक्ष में लगी एलसीडी स्क्रीन पर 16 कैमरों की फीड दिखाई जा रही थी, परंतु शौचालयों के कैमरों का दृश्य वहां प्रदर्शित नहीं था। प्राचार्य श्री राजेन्द्र कुमार ताम्रकार ने स्वीकार किया कि उन्होंने छात्रों को डराने और शौचालय में तोड़फोड़ रोकने के लिए ये कैमरे लगवाए। कलेक्टर छतरपुर से प्राप्त प्रस्ताव के अवलोकन एवं परिशीलन उपरांत श्री राजेन्द्र कुमार ताम्रकार प्राचार्य शा0 संदीपनी सी.एम. राईज स्कूल बक्स्वाहा जिला छत्तरपुर प्रथम दृष्ट्या दोषी प्रतीत हो रहे है। श्री ताम्रकार द्वारा किया गया उक्त कृत्य अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में स्वेच्छाचारिता व अनुशासनहीनता का द्योतक होकर म0प्र0 सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम का उल्लघंन है। अतएव श्री राजेन्द्र कुमार ताम्रकार को म0प्र0 सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 09 अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत मंडला पुलिस द्वारा व्यापक जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जागरण, मंडला । मंडला पुलिस द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी विशेष अभियान के तहत जिले में 15 दिवसीय वृहद जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों द्वारा शैक्षणिक संस्थानों, साप्ताहिक बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली बच्चों, शिक्षकों, युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है तथा नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। थाना नैनपुर द्वारा शासकीय उत्कृष्ट हाईस्कूल जामगांव में 300 से अधिक बच्चों एवं 25 शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। थाना टिकरिया द्वारा कूड़ामैली स्कूल में बच्चों को नशा मुक्ति हेतु प्रेरित किया गया। चौकी अंजनिया अंतर्गत ग्राम माधोपुर के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एएसआई राजेश सराठे एवं ऋतु मरावी द्वारा नशा मुक्ति विषय पर जानकारी दी गई और शपथ ग्रहण कराया गया। थाना महाराजपुर द्वारा नवीन बालक मिडिल स्कूल एवं हाई स्कूल (दादा धनीराम वार्ड) में थाना प्रभारी डॉ. जय सिंह यादव सहित पुलिस टीम द्वारा बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। थाना मोहगांव द्वारा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। सभी स्थानों पर उपस्थित जनसमूह को नशा न करने, नशा मुक्त समाज की दिशा में कार्य करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

नपा द्वारा नमस्ते योजनांतर्गत सफाई मित्रों को पीपीई किट का हुआ वितरण

छतरपुर । छतरपुर नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया एवं सीएमओ माधुरी शर्मा के निर्देशन में बुधवार को कचरा प्रसंस्करण केंद्र पर नगरपालिका की स्वच्छता टीम ने नमस्ते योजनांतर्गत सफाई मित्रों को पीपीई किट का वितरण किया गया। जिसमें सफाई मित्रों को केप, जूते, ग्लव्स, मास्क, जैकेट एवं ड्रेस जैसी सभी आवश्यक सुरक्षात्मक सामग्री प्रदान की गई। साथ ही कार्य करते समय अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल्स के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिससे वे सुरक्षित ढंग से अपना कार्य कर सकें।

युवा संगम नाम से 23 जुलाई को रोजगार मेले का आयोजन

छतरपुर । कलेक्टर पार्थ जैसवाल निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय आई. टी.आई एवं जिला उद्योग विभाग के द्वारा 23 जुलाई 2025 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय बापू डिग्री कॉलेज नौगांव जिला छतरपुर के परिसर में 1 दिवसीय युवा संगम (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिशिप मेला) का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिये 18 वर्ष से 35 वर्ष आयु के युवक-युवतियां भाग ले सकते है। इस मेले में 8 वीं से स्नातक तक की योग्यता वाले बेरोजगार युवक युवतियों की भर्ती के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों से मिले कलेक्टर

बच्चों से किया आत्मीय संवाद

जागरण, मंडला । कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने बड़ी खैरी स्थित जस्टिस तन्खा मेमोरियल स्कूल का विजिट किया। वहाँ पर अध्ययन कर रहे विशेष विद्यार्थियों से रूबरू होकर उन्होंने आत्मीय चर्चा की। बच्चों से उनकी शिक्षा तथा अन्य गतिविधियों की जानकारी लेते हुए स्कूल प्रबंधन को आवश्यक सुझाव दिये। साथ ही उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को निर्देशित किया कि दिव्यांग विशेष विद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को पात्रता अनुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करायें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों को बैग वितरित किये। बैग पाकर विद्यार्थी बहुत अधिक प्रसन्न हुए। स्कूल भ्रमण के दौरान ही कलेक्टर श्री मिश्रा ने विद्यालय प्रांगण में आम का एक पौधा भी रोपित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव समाजसेवी श्री संजय तिवारी सामाजिक न्याय विभाग से श्री रोहित बड़कुल और श्री पीयूष पांडे, रोटरी क्लब के सदस्यगण सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे।

पोल्ट्री फार्म से 1 लाख रूपए से अधिक की अवैध शराब जब्त

जागरण, मंडला । कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी श्री रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मण्डला जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ग्राम पंचायत हिरदेनगर से लफरा रोड स्थित पोल्ट्री फार्म की विधिवत तलाशी लेने पर कमरे से 13 पेटी व्हिस्की, 24 नग हंटर बियर, 1 पेटी (12) नग मैंकडोवेल्स रम बोतल, 1 पेटी (12) नग ओल्ड मोंक रम, एक पेटी 50 नग ओल्ड मोंक रम कुल 18 पेटी विदेशी मदिरा की जप्त की गई। जप्त मदिरा की कुल मात्रा 159.00 बल्क लीटर है। जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 1 लाख 10 हजार 900 रूपए है। आरोपी रोहित चौरसिया के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत धारा 34(2) का प्रकरण पंजीबद्ध किया जिसकी विवेचना जारी है।

जनप्रतिनिधि द्वारा अधिकारी से अभद्रता के विरोध में राज्य प्रशासनिक सेवा संघ एवं कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जागरण, डिंडोरी । जिले में गंभीर घटनाक्रम के तहत राज्य प्रशासनिक सेवा संघ एवं कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रूपेश परस्ते द्वारा डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक के साथ की गई अभद्रता, धमकी और अमर्यादित व्यवहार पर कड़ा विरोध दर्ज किया है। आज दिनांक 16.07.2025 को करीब दोपहर 12 बजे डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक जिला डिंडौरी के कलेक्टर कार्यालय में स्थापित कक्ष में श्री रूद्रेश परस्ते जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा अपने साथियों के साथ आकर टेबल में हाथ पटककर डराने, धमकाने एवं अपमानित करने का मामला प्रकाश में आया है। प्राइस घटना से हम सभी बहुत आहत हैं एवं स्वतंत्रपूर्वक नियमानुकूल शासकीय कार्य संपादित करने में भय व असुरक्षा महसूस कर रहे हैं। श्री वासनिक जैसे सौम्य सभ्य एवं मर्यादा में रहकर सभी छोटे बडे अधिकारी से बात करने वाले के साथ जब तक ताकतवर जनप्रतिनिधि इस प्रकार की घटना कर सकते हैं तो वे ऐसा किसी भी अधिकारी कर्मचारी जो पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से बिना दबाव में आए अपने शासकीय कार्य संपादित करते हैं, के साथ भी ऐसा दुरूव्यवहार कर सकते हैं। इसके पूर्व भी जिले में जनप्रतिनिधियों द्वारा अधिकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना सामने आई है। हम समस्त अधिकारी कर्मचारीगण जिन्हें जनता से जुडे कार्यों नियम निर्वहन के अनुरूप त्वरित रूप से संपादित करते हैं। उक्त घटना से हम सभी अत्याधिक आहत और भयभीत हैं ऐसी घटना की पुर्नरावृत्ति न हो, इस बावत यह आवश्यक है कि इस घटना के लिए उत्तरादायी और दोषी व्यक्ति/ जनप्रतिनिधियों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाए। इस कृत्य पर कलेक्ट्रेट कार्यालय समस्त कर्मचारी अधिकारियों ने, राज्य प्रशासनिक सेवा संघ एवं कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के द्वारा ज्ञापन के माध्यम से दोषी व्यक्तियों जनप्रतिनिधियों पर कडी कार्यवाही किए जाने का कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या को विनम्र अनुरोध के साथ ज्ञापन सौंपा। साथ ही साथ डिप्टी कलेक्टर श्री वैधनाथ वासनिक के साथ घटित घटना की शिकायत लिखित आवेदन के साथ सामूहिक रूप से कक्ष में जबरन घुसकर टेबल में हाथ पटककर वाद-विवाद, धमकी, अपमानित करने एवं शासकीय कार्यों में बाधा डालने के विरूद्ध संबंधित दोषियों पर प्राथमिक एफआईआर दर्ज करने थाना कोतवाली डिंडौरी में आवेदन प्रस्तुत किया।

नशा मुक्ति अभियान के तहत एक साथ कई स्थानों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

डिंडोरी । डिण्डौरी पुलिस द्वारा नशा से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना एवं उन्हें इससे दूर रहने हेतु प्रेरित करना था। मुख्य कार्यक्रम शासकीय कन्या परिसर रैयपुरा में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 500 छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने नशे के प्रकार, उसके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित सभी छात्राओं और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एसडीओपी डिण ?डौरी श्री सतीष द्विवेदी, प्रभारी रक्षित निरीक्षक श्री कुंवर सिंह ओलाडी, उनि उपेन्द्र पटेल सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, एनजीओ दिव्य ज्योति संस्था के पदाधिकारीगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे, जिन्होंने नशा उन्मूलन में समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में, थाना शहपुरा के अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक शाला कोहनी देवरी में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 100 छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। यहां भी पुलिस अधिकारियों द्वारा नशे से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया और सभी को शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही, शासकीय कन्या हाई स्कूल विक्रमपुर में भी नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ, जहां छात्राओं को नशे से बचने और समाज में जागरूकता फैलाने की प्रेरणा दी गई। डिण्डौरी पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत जिले में लगातार ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से रोका जा सके और उन्हें एक स्वस्थ, सुरक्षित व सकारात्मक जीवन जीने हेतु प्रेरित किया जा सके।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डिंडौरी का किया औचक निरीक्षण

जागरण, डिंडोरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बुधवार को विकासखंड डिंडौरी के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक, आवासीय तथा स्वच्छता व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने बालिका छात्रावास निरीक्षण के दौरान 240 छात्राओं दर्ज हैं जिसमें से 232 छात्राओं की उपस्थिति पाई गई। छात्रावास अधीक्षक अमीना खान, स्टॉफ नर्स ओसमी पटेल जो कि समय समय पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करती रहतीं हैं। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने छात्रावास रसोई कक्ष, भोजन कक्ष, खाना बनाने वाले कर्मचारियों से भोजन बनाने के संबंध में चर्चा की। और उन्हें साफ-सफाई के साथ अच्छा खाना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। और रसोई भंडार कक्ष में रखे दाल, चावल, अन्य खाद्य सामग्री का अवलोकन किया और तहसीलदार शाहपुर को चावल की गुणवत्ता जांच करने के लिए सेंपल लेने का निर्देश दिया।कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने एकलव्य विद्यालय के प्रार्चाय एवं समस्त शिक्षक स्टाफ से विषयवार जानकारी लेते हुए विस्तित चर्चा की, और बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा देने के निर्देश दिए और उन्होंने प्राचार्य से वर्ष मे प्राप्त बजट से बच्चों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की और आय-व्यय की जानकारी लेते हुए केशबुक, स्टॉक पंजी,वितरण पंजी, खाद्य पंजी, अनुमोदन पंजी, बिल बाउचर को देखकर अवलोकन किया और सही जानकारी प्रस्तुत न करना, बिना अनुमोदन के भुगतान करना, एस.एम.सी. बैठक का आयोजन न करना और लापरवाही करने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। और शैक्षणिक गतिविधियों, मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने एवं सार्थक एप पर छात्र-छात्राओं की उपस्थित दर्ज कराने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने विद्यालय का भौतिक स्वरूप देखा, छात्रावासों, पाठशालाओं, प्रयोगशालाओं तथा छात्रावास में बेड एवं बिस्तर व्यवस्था आदि की स्थिति जांची। साथ ही, परिसर में साफ-सफाई, पेयजल उपलब्धता एवं स्वच्छता मानकों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान श्रीमती मारव्या ने विद्यार्थियों से वार्तालाप कर उनके पाठ्यक्रम, आवासीय सुविधाओं एवं करियर योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने पूछा कि क्या पुस्तकालय में पर्याप्त पुस्तकें तथा अध्ययन सामग्री उपलब्ध है और क्या छात्र-छात्राएँ समय पर भोजन एवं पेयजल ग्रहण कर रहे हैं। विद्यालय स्टाफ से रूबरू होते हुए कलेक्टर ने शिक्षकों को कहा कि नियमित रूप से कक्षाओं का निरीक्षण हो एवं बच्चों के मानसिक विकास के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियाँ सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने कहा कि आवासीय छात्र-छात्राओं के लिए समयबद्ध भोजन वितरण तथा समय-समय पर मेडिकल चेकअप कराई जाए।कलेक्टर ने विद्यालय प्राचार्य को निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही की जाए और शिक्षा विभाग को आवश्यक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार श्री शशांक शेण्डे, सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी श्री प्रमोद झा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी, डीपीसी श्री रावेन्द्र मिश्रा, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अफजल इमाम उल्ला खान, आयुष अधिकारी डॉ. संतोष परस्ते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक है नकली नोटों का कारोबार

भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे

> चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में नकली नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है।

लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

भारत-बांग्लादेश के कटु हो चुके संबंधों में आम से आएगी मिठास?

मैंगो डिप्लोमेसी

विनोद पाठक

> भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा कटुता के बीच, बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत को 1000 किलो 'हरीबंगा' आम भेजे हैं। यह मैंगो डिप्लोमेसी की पुरानी परंपरा का हिस्सा है। सवाल यह है कि क्या ये आम दोनों देशों के रिश्तों में जमा कड़वाहट को मिठास में बदल पाएंगे?

आम के आम, गुठलियों के दाम... जैसी कुछ प्रचलित कहावतें भारत के जनमानस में खासी प्रचलित हैं। भारत या कहें दक्षिण एशिया में आम केवल एक फल नहीं है, बल्कि कूटनीति (डिप्लोमेसी) का एक बड़ा साधन भी है। भारत हो, पाकिस्तान हो या फिर बांग्लादेश, यहां आम डिप्लोमेसी का बड़ा महत्व है। अपने देश की प्रसिद्ध आमों की किस्मों को प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति दूसरे देश के समक्ष नेताओं को भेजकर मित्रता का संदेश देते हैं। कुछ ऐसा ही काम अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने किया है। मो. यूनुस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के प्रमुख राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को हरीबंगा आम, जो बांग्लादेश की प्रसिद्ध किस्म है, के हजार किलो आम भेजे हैं। इन दिनों दोनों देशों के बीच संबंधों में कटुता चल रही है। क्या मो. यूनुस के आम इस कटुता में मिठास में बदलने का काम करेंगे? भारत में आम को फलों का राजा कहते हैं। दुनिया का 45 प्रतिशत आम भारत में पैदा होता है। हमारे यहां आम की दर्जनों किस्में होती हैं। आम की कुछ प्रजातियां पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी पाई जाती हैं, जिनमें बांग्लादेश का हरीबंगा आम प्रमुख है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब मो. यूनुस ने भारत के साथ आम डिप्लोमेसी की हो। वो केंद्र सरकार के अलावा त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को आम भेज चुके हैं।

इधर, वर्ष 2023 में अपने निर्वासन से पहले बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरीभंगा आम भेजे थे। माना जाता है कि उन्होंने यह कदम उस समय तीस्ता नदी जल बंटवारे पर रुकी हुई बातचीत के दौरान मित्रता के भाव से उठाया था। वर्ष 2008 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह को आम भेजे थे, ताकि दोनों देशों के बीच दो पक्षीय संवाद को फिर से प्रारंभ किया जा सके। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आम भेजकर मैत्रीपूर्ण संकेत दिया था। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय से भारत के पत्रकारों और नेताओं को अक्सर आम भेंट स्वरुप भेजे जाते रहे हैं। पाकिस्तान से 'अनवर रटोल' किस्म के आम अवश्य भेजे जाते हैं। रटोल उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले का एक कस्बा है। उसी के नाम पर यह किस्म है। इस किस्म की आम की पौध को बंटवारे के समय कुछ लोग पाकिस्तान ले गए थे।

भारत और आम से होती कूटनीति : भारत की ओर से भी आम डिप्लोमेसी अपनाई जाती रही है। पश्चिमी देशों में आम एक प्रचलित फल है। 1950 के दशक में भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने के लिए राजनयिक स्तर पर आम की पेटियां अमेरिकी नेताओं को भेंट स्वरूप दी जाती थीं। ऐसा कहा जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू अमेरिकी नेताओं को आम भेजते थे। हालांकि, इस बात के कोई आधिकारिक दस्तावेज या पुष्टि नहीं है। वर्ष 1986 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने फिलीपींस की पूर्व राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो को अपनी सरकारी यात्रा के दौरान आम उपहार स्वरूप दिए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के समय पाकिस्तान के नेताओं को सिंधरी और चौसा किस्म के आम भेजे गए थे। वर्ष 2021 में जब कोरोना काल चल रहा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, श्रीलंका और मालदीव को दशहरी, लंगड़ा, चौसा जैसी किस्मों के आम भेजे थे। आम भेजने के पीछे उनका संदेश यही था कि भले ही सीमाएं बंद हों, लेकिन दिलों की दूरी नहीं होनी चाहिए। अब देखना यह है कि मो. यूनुस के आम क्या भारत-बांग्लादेश के बीच कड़वाहट को मिठास में बदलने का काम करेंगे, क्योंकि भारत की ओर से बांग्लादेश को लेकर सख्ती बरती जा रही है। व्यापार समेत कई पाबंदियां लगाई गई हैं। भारतीय क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा पिछले दिनों रद्द कर दिया गया था। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर भारत सरकार काफी सख्त है। दूसरी ओर, बांग्लादेश पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने को लेकर नाराजगी जाहिर करता रहता है। प्रधानमंत्री मोदी और यूनुस की पिछली मुलाकात अप्रैल में बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी, जो बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद उनकी पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। प्रधानमंत्री मोदी ने उस मुलाकात के दौरान एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया था। आज की तारीख में वही बांग्लादेश, भारत के दुश्मनों के साथ हाथ मिलाए बैठा है. शेख हसीना की सरकार के समय भारत-बांग्लादेश के बीच काफी अच्छे रिश्ते थे, लेकिन वहां हुए विद्रोह और हसीना के भागकर भारत आने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गई। हालांकि बांग्लादेश फिर से इसे पटरी पर लाने के लिए वही मैंगो डिप्लोमेसी अपना रहा है, जो शेख हसीना अपनाया करती थी। इसके पीछे वजह सिर्फ आम की मिठास है या इसमें लिपटा हुआ कोई कड़वा मैसेज? अब मुद्दा ये है कि बांग्लादेशी प्रमुख आम खिलाकर भारतीय सरकार से क्या चाहते हैं?

वाकई तोहफा है या सौदेबाजी? : मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार की कमान संभालने से लेकर अब तक कभी भारत सरकार को लेकर नरमी से पेश नहीं आए हैं। हालांकि उन्हें भारत के दुश्मन देशों के साथ करीबी बढ़ाते हुए कई बार देखा गया है। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार की सबसे बड़ी तकलीफ ये है कि भारत ने वहां की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दे रखी है, जबकि बांग्लादेश में उन पर संगीन अपराधों के मुकदमे चल रहे हैं। बांग्लादेश भारत से कई बार ये मांग कर चुका है कि वो शेख हसीना का प्रत्यर्पण कर दे लेकिन भारत ने इससे इनकार कर दिया है। ऐसे में बांग्लादेश का ये मिठास भरा तोहफा कहीं इस बात की तैयारी तो नहीं है कि वो 1000 किलो आम के बदले शेख हसीना का प्रत्यर्पण चाहता है। इसीलिए वो भारत से अपने रिश्ते धीरे-धीरे सुधार रहा है। दिलचस्प बात ये है कि शेख हसीना भी अपने शासन के दौरान बांग्लादेश से भारतीय पीएम, बंगाल और त्रिपुरा के सीएम के लिए हरिभंगा आम की खेप भिजवाती रही हैं. इसके अलावा वो पीएम मोदी को बांग्लादेशी कुर्ते भी भेंट करती थीं। हालांकि उनके तोहफों और मोहम्मद यूनुस के तोहफे में जमीन आसमान का फर्क है। वे दोनों देशों के रिश्ते मजबूत करना चाहती थीं लेकिन यूनुस की इस डिप्लोमेसी में साजिश की बू आ रही है।

क्या वाकई रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश? : शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़े एक साल हो चुका है। इसके बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जिस तरह का अत्याचार हुआ, वो दुनिया ने देखा है। मोहम्मद यूनुस के कमान संभालने के बाद भी इसमें कोई सुधार नहीं दिखा। इसके अलावा वो हर तरफ से भारत को घेरने की कोशिश में लगा रहा। दिलचस्प ये भी है कि भारत से पहले ही यूनुस आम की एक खेप चीन भेज चुके हैं. अब देखना ये है कि भारत इसका जवाब किस तरह देता है। फिलहाल मोहम्मद यूनुस सरकार द्वारा भारत में आम भेजने को सकारात्मक नजरिए से देखा जा रहा है। कूटनीतिक अशांति के बीच, बांग्लादेश की मैंगो डिप्लोमेसी को भारत के साथ संबंधों को मधुर बनाने की ढाका की पहल के रूप में देखा जा रहा है। यह आम दोनों के रिश्तों में मिठास घोलेगा या नहीं, यह आने वाले दिनों में दिख जाएगा। अभी तो बस आम खाओ, गुठलियां मत गिनो...।

ड्रोन तकनीक से स्वास्थ्य उपचार में जगी नई उम्मीदें

ड्रोन प्रौद्योगिकी

दीपिका अरोड़ा

> हाल ही में ड्रोन की गतिशीलता के दृष्टिगत किया गया पायलट अध्ययन स्वास्थ्य उपचार की दिशा में आशा की एक नई किरण लेकर आया है। आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त-घटकों का समय रहते उपलब्ध होना किसी उपचाराधीन व्यक्ति के लिए संजीवनी बन सकता है।

कार्यक्षेत्र के आधार पर अपेक्ष्य अनूठी क्षमताओं तथा विशेषताओं को संज्ञान में रखते हुए विशिष्ट अनुप्रयोगों तथा उद्योगों के लिए तैयार 'ड्रोन' अपनी बहु-उपयोगिता के चलते विविध क्षेत्रों में ख़ासी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन तकनीक को उद्योग जगत में सर्वाधिक मान्यता इसकी विविधता के कारण मिली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार नेटवर्क तथा कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण ड्रोन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि, शुरुआती दौर में इसका उपयोग सीमा नियंत्रण, टोही मिशन तथा लक्ष्य ट्रैकिंग आदि के मद्देनज़र बहुधा सैन्य क्षेत्र तक ही सीमित रहा किंतु जैसे ही अन्य क्षेत्रों को इसके व्यापक अनुप्रयोगों के बारे ज्ञात हुआ तो उन्होंने अविलंब ड्रोन तकनीक अपनाना आरम्भ कर दिया। हाल ही में ड्रोन की गतिशीलता के दृष्टिगत किया गया पायलट अध्ययन स्वास्थ्य उपचार की दिशा में आशा की एक नई किरण लेकर आया है। आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त-घटकों का समय रहते उपलब्ध होना किसी उपचाराधीन व्यक्ति के लिए संजीवनी बन सकता है। भारतवर्ष जैसे बड़े देश की विविध क्षेत्रीय भौगोलिक विभिन्नता का जायज़ा लें तो सड़क मार्ग द्वारा समयानुकूल आपूर्ति होने में शंकाएं बनी रहती हैं। उखड़ती सांसों के लिए प्रतिक्षण के महत्व को भांपते हुए वैज्ञानिकों ने दिल्ली तथा एनसीआर के तीन संस्थानों; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने साथ मिलकर एक अध्ययन किया, जिसमें ड्रोन तकनीक का प्रयोग चुनौती के प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर सामने आया। विशेषज्ञों के तहत, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए इस अध्ययन के दौरान ड्रोन ने लगभग 36 किलोमीटर की दूरी मात्र आठ मिनट में तय कर ली, जबकि पारंपरिक वैन को यही दूरी तय करने में 55 मिनट का समय लगा। अध्ययन में कुल 60 ब्लड बैग्स का उपयोग किया गया; जिसमें पूर्ण रक्त, पैक्ड रेड ब्लड सेल्स, फ्रेश फ्रोज़न प्लाज्मा तथा प्लेटलेट्स शामिल थे। ड्रोन व वैन दोनों द्वारा भेजे गए इन नमूनों की बाद में उनके जैव-रासायनिक मानकों की तुलना करने पर परिणाम सकारात्मक ही रहे। अध्ययन की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु नमूनों की गुणवत्ता जांचने के लिए 'डबल ब्लाइंड' पद्धति अपनाई गई। वैज्ञानिकों की मानें तो भविष्य में यह तकनीक वैक्सीन, इमरजेंसी ड्रग्स तथा सर्जिकल उपकरणों की आपूर्ति में भी उपयोगी हो सकती है। इससे ग्रामीण व दूरगामी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरल हो जाएगा। आईसीएमआर तथा साझेदार संस्थाओं की यह पहल, निस्संदेह, आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव लाएगी। सैन्य निगरानी व हमलों में प्रयुक्त किए जाने वाले रिमोट कंट्रोल अथवा स्वायत्त प्रणालियों द्वारा निर्देशित ड्रोन अब मानव रहित विमान (यूएवी) के तौर पर आधुनिक युद्ध पद्धति में पसंदीदा हथियार बनकर उभर रहे हैं। वहीं कृषि, मीडिया, फिल्म निर्माण उद्योग जैसे अन्य अनेक क्षेत्रों में भी इनका वर्चस्व बराबर बढ़ा है। कृषि क्षेत्र में ड्रोन का महत्व देखें तो महज़ 15 मिनट में ये लगभग 2.5 एकड़ भूमि पर कीटनाशकों का छिड़काव करने का सामर्थ्य रखते हैं। इनका उपयोग जहां कृषि गतिविधियों जैसे फ़सल निगरानी, भूमि मानचित्रण, कीट पहचान, कीटनाशक छिड़काव तथा सटीक सिंचाई आदि के लिए किया जाता है, वहीं इसके माध्यम से किसान अपने मवेशियों पर भी निरंतर नज़र बनाए रख सकते हैं। थर्मल सेंसर तकनीक खोये जानवर खोजने से लेकर उन्हें लगी चोट या बीमारी का पता लगाने में मददग़ार बनती है। कृषि बीमा क्षेत्र तक कुशल व भरोसेमंद आंकड़ों के लिए एग्री ड्रोन पर विश्वास जताते हैं। भारतवर्ष में ड्रोन स्टार्टअप का आविष्कार, ड्रोन-प्लांटिंग सिस्टम जहां लागत लगभग 85 प्रतिशत तक घटा देता है, वहीं स्थिरता व दक्षता अपेक्षाकृत बढ़ा देता है। पर्यावरण निगरानी गतिविधियों जैसे- वन्यजीव ट्रैकिंग, वन मानचित्रण, प्रदूषण आकलन तथा जलवायु अनुसंधान में भी ड्रोन का उपयोग तेज़ी से बढ़ा है। बाढ़, भूकंप, जंगल की आग आदि सहित आपदा प्रबंधन परिदृश्यों में भी ड्रोन लाइव फीड प्रदान करने, पीड़ितों का पता लगाने तथा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाने तथा बुनियादी ढांचे की निगरानी करने वाले ड्रोन मैनुअल जोखिम घटाने में भी सहायक बनते हैं। मीडिया तथा फिल्म निर्माण में गतिशील लाइव इवेंट कवरेज तथा सिनेमाई हवाई दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु ड्रोन व्यापक रूप से प्रयुक्त किए जाते हैं। अनेक कंपनियां अपने गोदाम से ग्राहकों के दरवाज़े तक सीधी पहुंच बनाने के उद्देश्य से डिलीवरी ड्रोन विकसित कर रही हैं। निश्चय ही, प्रत्येक क्षेत्र में नित्य नई क्रांति ला रहे ड्रोन हमारे काम करने के तरीके बदलकर असंभव को संभव बना रहे हैं।

प्रसंगवश

उन्माद, उत्पात का पर्याय नहीं हो सकती आस्था

राष्ट्रकवि रहे रामधारी सिंह दिनकर ने आपातकाल के बाद विपक्ष की लामबंदी देखी थी। नई सत्ता स्पष्ट थी, लिहाजा उन्होंने कविता लिखी थी- 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।' हालांकि आज वैसे आसार बिल्कुल भी नहीं हैं, लेकिन 'शिव-भक्त' होने की आड़ में कांवड़ियों ने कई जगह ऐसे हुड़दंग मचाए हैं मानो वे कह रहे हों-'सड़क खाली करो कि कांवड़िए आते हैं।' आस्था को उन्माद और हिंसा में परिणत होते हम देख रहे हैं। दिल्ली-हरिद्वार मार्ग पर करीब 70,000 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, लेकिन वे असहाय लगते हैं, क्योंकि परोक्ष आदेश हैं कि कांवड़ियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। वे हिंदूवादी राजनीति के प्रतीक हैं। वर्दीवालों की मौजूदगी में ही कांवड़ियों ने एक ढाबे में इतनी तोड़-फोड़ की कि वह धराशायी हो गया। ढाबे के कर्मचारी ने गलती से दाल में प्याज का तड़का लगा दिया था। सिर्फ इसी आधार पर कांवड़ियों की एक जमात ने लाठी-डंडों की बरसात कर दी और एक भारतीय के आजीविका कमाने के मौलिक अधिकार को चित कर दिया। इसी तरह एक कार गलती से कांवड़िए को छू-सा गई होगी कि कांवड़ियों ने लाठी-डंडे बरसाने शुरू कर दिए। कार में महिला और बच्चे भी बैठे थे। वह अचानक इस हमले से सहम गए और डर के मारे रोने-चीखने लगे। आततायी का रूप धारण करना कौनसी आध्यात्मिकता है? कार क्षतिग्रस्त कर दी गई। इसी तरह एक बाइक का कचूमर निकाल दिया। कांवड़ियों ने पुलिस प्रशासन के वाहन को भी नहीं बख्शा। हम ये एक दिन की चुनींदा घटनाओं का ही जिक्र कर रहे हैं। कांवड़ियों की 'तांडवी हिंसा' पर एक इतिहास लिखा जा सकता है। यह महादेव की कैसी उपासना है? यदि महादेव ने 'रुद्र अवतार' धारण किया था, तो उसमें ब्रह्मांड का विराट उद्देश्य निहित था। कांवड़ियों की रौद्र हिंसा के उद्देश्य क्या हैं? आस्था कभी भी उन्माद, उत्पात का पर्याय नहीं हो सकती। कमोबेश भक्तों ने शिव-रूप से कुछ सीखा होता! बहरहाल कांवड़ियों की सुविधा और सेवा पर सरकारों ने हजारों करोड़ रुपए खर्च किए हैं। हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्प-

> 'शिव-भक्त' होने की आड़ में कांवड़ियों ने कई जगह हुड़दंग मचाई। कांवड़ियों की रौद्र हिंसा के उद्देश्य क्या हैं? आस्था कभी भी उन्माद, उत्पात का पर्याय नहीं हो सकती। कांवड़ियों का रौद्र रूप भी 'गुंडई' में तबदील नहीं होना चाहिए।

वर्षा की जाती है मानो आकाश से त्रिदेव और अन्य देवतागण अपने आशीर्वाद के तौर पर फूल बरसा रहे हों! यह सब इसलिए किया जाता है, क्योंकि श्रद्धालु कांवड़ियों में भी 'भोले बाबा' की छाया महसूस करते हैं। कांवड़ खंडित और अशुद्ध नहीं होना चाहिए। यह भी अखंड, अगाध आस्था है कि गंगा-जल अपवित्र न होने पाए, क्योंकि उससे महादेव का जलाभिषेक किया जाना है। कांवड़-यात्रा मार्ग पर मांसाहार की सभी दुकानें, रेहड़ी-पटरी आदि बंद करा दिए गए हैं। करीब एक माह तक यह धंधा बंद रहेगा। किसी ने सोचा है कि वे परिवार क्या खाएंगे, कैसे गुजर-बसर करेंगे? क्या सरकारें उन्हें मुआवजे मुहैया कराती हैं? दिलचस्प यह है कि परदे के पीछे शराब की दुकानें खुली हैं, क्योंकि उनसे सरकार को 'मोटा राजस्व' मिलता है। आस्था के मद्देनजर यह गंभीर विरोधाभास है। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि भारत में करीब 84 फीसदी हिंदू 'मांसाहारी' हैं। बहरहाल कांवड़ियों की कठिन तपस्या, और आस्था खंडित नहीं होनी चाहिए, लेकिन कांवड़ियों का रौद्र रूप भी 'गुंडई' में तबदील नहीं होना चाहिए। सपा अध्यक्ष एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तो सरकार में आने पर 'कांवड़-कॉरीडोर' बनवाने की बात कही है। सड़कों पर कांवड़ियों का ही आधिपत्य नहीं है। देश में जो करदाता हैं, वे सड़कों के लिए भी टैक्स देते हैं। उनके भी कुछ हक हैं। भक्ति के नाम पर अगर किसी का उत्पीड़न किया जाए, तो यह भक्ति नहीं कहलाती।

॥गीता॥

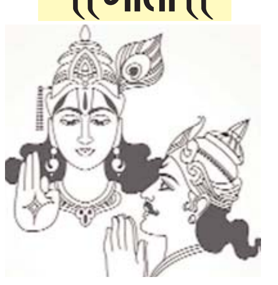

श्लोक

अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम्।
पर्याप्तं त्विदमेतेषां बलं भीमाभिरक्षितम्॥

भावार्थ

हिंदी अनुवाद- भीष्म पितामह द्वारा रक्षित हमारी वह सेना सब प्रकार से अजेय है और भीम द्वारा रक्षित इन लोगों की यह सेना जीतने में सुगम है।

जीवन दर्शन

मनुष्य हो जाता है अपने अहंकार का शिकार

महाभारत का एक प्रसंग है जिसके अनुसार भीम को अभिमान हो आया था कि उनसे बड़ा शक्तिशाली कोई नहीं। उनके स्वभाव में अभिमान स्पष्ट झलकने लगा था। तो ऐसे में हनुमान जी ने स्वयं उनकी परीक्षा ली तथा उनके अहंकार को खंडित किया। इस घटना से विनय और श्रद्धा के महत्व को दर्शाया गया तथा शक्तिशाली को विनम्र रहने की शिक्षा दी गयी है।

बारह वर्षों के दौरान, पांडवों को जिस लज्जा का सामना करना पड़ा; उसकी वजह से भीम बहुत गुस्सैल भी हो गया था। जब कोई घमंडी इंसान गुस्सैल भी हो जाता है तो वह मूर्ख हो जाता है। वह दूसरों के साथ-साथ अपने लिए भी संकट बनता है। एक बार वन से गुजरते हुए उसने एक वानर को रास्ते में पूंछ फैलाए पड़ा देखा और उसने अपमानित महसूस किया। उसने सोचा ये बन्दर अपनी पूँछ मेरे रास्ते में क्यों रख कर बैठा है। उसने कहा, 'हे वानर! तुम अपनी पूंछ हटा लो, मुझे जाना है।' क्योंकि दूसरों के अंग लांघ कर आगे नहीं जाते। इसे अशुभ माना जाता है। बंदर ने कहा कि मैं इतना बूढ़ा हूँ कि अपनी पूंछ भी नहीं हिला सकता, तुम ही इसे क्यों नहीं हटा देते। भीम ने कहा ठीक है। भीम ने हाथ नीचे किया और पूँछ को हटाना चाहा पर वह तो टस से मस नहीं हुई। उसने अपने दोनों हाथों का जोर लगा दिया पर फिर भी पूंछ नहीं हिली। भीम को विश्वास नहीं हुआ। भीम को अपने बल पर बहुत घमंड था और उसे लगता था कि वह धरती का सबसे शक्तिशाली प्राणी है और आज एक बंदर की पूंछ नहीं हिला पा रहा था। वह इस अपमान को सह नहीं सका। उसने अपनी ओर से बहुत कोशिश की पर उसे उठा नहीं पाया। फिर वह अपने घुटनों के बल बैठ कर बोला, 'आप कौन हैं? अगर मैं इस पूंछ को नहीं हटा सका तो आप केवल वानर नहीं हैं। आप कौन हैं?' तब वानर ने अपना परिचय दिया कि वे रामायण काल के हनुमान थे। हनुमान ने कहा, 'भले ही तुम्हारे पास कितना भी बल क्यों न हो, अगर तुम्हारे पास श्रद्धा और विनय नहीं है तो तुम्हारा पतन अवश्य होगा।' **- सद्‌गुरु**

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में हुई मंत्री समूह की बैठक में शामिल हुए तोमर

विसं भोपाल। केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा विद्युत वितरण कम्पनियों की वित्तीय स्थिरता से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिये मंत्री समूह की बैठक मंगलवार को नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता विद्युत एवं आवास तथा शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने की। बैठक में तोमर ने मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के हित में लिये जा रहे निर्णयों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में ऊर्जा विभाग द्वारा किये जा रहे नवाचारों से भी अवगत कराया। बैठक में विद्युत वितरण कम्पनियों की वित्तीय स्थिरता, पारदर्शिता एवं संचालन क्षमता को सुदृढ़ बनाने पर गहन चर्चा हुई। केन्द्रीय विद्युत राज्य मंत्री नाइक ने कहा कि हमारा संकल्प है कि ऊर्जा व्यवस्था को और मजबूत, पारदर्शी और जन-हितैषी बनायें, जिससे सभी को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

अंतरिक्ष की नई विजयगाथा: हेमंत

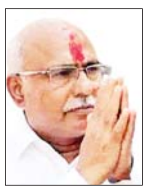

विसं भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने नासा के एक्सिओम मिशन-4 पर गए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन से सकुशल लौटने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने नया इतिहास रचा है यह हर भारतवासी के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। शुभांशु शुक्ला की यह अद्वितीय उपलब्धि भारत ही नहीं बल्कि विश्व के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'नया भारत' तेजी से 'अंतरिक्ष महाशक्ति' बनने की दिशा में अग्रसर है। हमारा भारत अब विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में नित नए प्रतिमान गढ़ रहा है।

एक जिला-एक उत्पाद योजना में प्रदेश को मिला रजत

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश को एक जिला एक उत्पाद पुरस्कार 2024 में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश श्रेणी में रजत पुरस्कार प्राप्त किया। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार राज्य में एक जिला एक उत्पाद योजना के प्रभावशाली क्रियान्वयन, स्थानीय उत्पादों के ब्रांड निर्माण, रोजगार सृजन, और ग्रामीण व शहरी उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उद्योग विभाग, वाणिज्य एवं निवेश प्रोत्साहन नीति विभाग की उप सचिव, श्रीमती रूही खान ने प्राप्त किया।

सामाजिक भागीदारी से नशा मुक्ति संभव : मंत्री कुशवाहा

विसं भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने मध्यप्रदेश में 30 जुलाई तक चलाये जा रहे नशे से दूरी है जरूरी" अभियान में प्रदेशवासियों से अपील की है कि नशा एक सामाजिक बुराई है। नशामुक्त समाज का निर्माण सामाजिक भागीदारी से ही संभव होगा। कुशवाहा ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करता है।

आयोग में एक माह की इंटर्नशिप हुई सम्पन्न

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में मंगलवार को विधि संकाय के विद्यार्थियों के लिये एक माह की इंटर्नशिप मंगलवार को सम्पन्न हुई। मानव अधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव कुमार टंडन ने कहा कि सभी विद्यार्थियों ने पूर्ण लगन से प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की मैं कामना करता हूँ। टंडन ने कहा कि प्रतिवर्ष विधि विभाग के विद्यार्थियों का दो सत्रों में इंटर्नशिप कार्यक्रम कराया जाता है। शोध अधिकारी संजय कुमार विश्वकर्मा ने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कराया।

गृह विभाग की जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं अफसर, अगस्त में खाली होगा पद

कुछ वरिष्ठ अधिकारी गृह के साथ दूसरे विभागों का भी चाहते हैं अतिरिक्त प्रभार

विशेष संवाददाता, भोपाल। वैसे तो सूबे का गृह महकमा सबसे वजनदार माना जा रहा है, जहां पदस्थ अफसरों से लेकर उनके मातहत भी हाई प्रोफाइल माने जाते है, लेकिन अब इस विभाग में पदस्थ होने से अधिकारी किनारा कर रहे है। यही वजह है कि अगले माह रिक्त होने वाले अपर मुख्य सचिव गृह के लिए सरकार अधिकारी को चिन्हित नहीं कर पा रही है। दरअसल गृह महकमा सीधे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वंय संभाल रहे है। ऐसे में उनकी सीधी नजर विभाग के अफसरों पर रहती है। कहा जाता है कि सीएम ऐसे अधिकारियों को इस पद पर बैठाना चाहते है, जो उनके इशारों को समझ कर दायित्वों का निर्वाहन करें और परिणाम दिलाए। ऐसे में यहां पदस्थ होने वाले अधिकारी फाइलों को ही इधर से उधर करने में उलझे रहते हैं और उसका ज्यादा वक्त बैठकों में जाता है। सबसे अहम बात यह भी है कि इस विभाग में पदस्थ होने वाले अधिकारियों को दूसरे विभागों का अतिरिक्त प्रभार भी नहीं मिल पाता। जिसकी वजह से अब अधिकारी इस विभाग की जिम्मेदारी लेने से बच रहे है। गौरतलब है कि मौजूदा अपर मुख्य सचिव गृह जेएन कंसोटिया अगले माह अगस्त में सेवानिवृत्त हो रहे है। ऐसे में किसे एसीएस होम बनाया जाए, इसकी तलाश भी शुरु हो गई है। सीएम ने मुख्य सचिव अनुराग जैन को अपनी प्राथमिकताए बता दी है,उसी के अनुसार अगले अधिकारी की तलाश की जा रही है।

अगले 4 माह में सेवानिवृत्त होंगे 8 आईएएस

मुख्य सचिव अनुराग जैन और एसीएस होम जेएन कंसोटिया सहित आठ आईएएस अधिकारी जुलाई से लेकर अक्टूबर माह तक सेवानिवृत्त होंगे। इनमें इसी माह यानि कि 31 जुलाई तक अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार कौल,उज्जैन संभागायुक्त संजय गुप्ता, और सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल के.डी. त्रिपाठी सेवानिवृत्त हो जाएंगे। अगस्त में सीएस जैन और एसीएस कंसोटिया सेवानिवृत्त होंगे, तो प्रतिनियुक्ति में दिल्ली में पदस्थ भावना वालिंबे और अक्टूबर माह में उपसचिव लोकनिर्माण विभाग नियाज अहमद खान अपनी सेवाओं को पूरा करेंगे।

लौट सकते है कुछ अफसर प्रतिनियुक्ति से

प्रशासनिक गलियारे से जुड़े सूत्रों की माने तो केन्द्र सरकार में डेंपुटेंशन पर पदस्थ कुछ आईएएस अधिकारी मध्यप्रदेश लौट सकते है। इसके लिए सरकार कुछ अधिकारियों की सूची तैयार करा रही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि मुख्य सचिव को यदि एक्सटेंशन नहीं दिया जाता, तो उससे पहले ही कई अधिकारियों को दिल्ली से वापस बुलाया जा सकता है। हालांकि एक्सटेंशन को लेकर अगस्त में ही निर्णय होने की संभावना है। इसके बाद ही तय होगा कि मध्यप्रदेश का अगला मुख्य सचिव की कुर्सी पर कोई नया अधिकारी को बैठाया जाता है या फिर मौजूदा अधिकारी ही इस कुर्सी पर बैठे रहेंगे।

वर्तमान में 43 आईएएस है प्रतिनियुक्ति पर

एमपी कैडर के 43 भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ है। जबकि आईएएस मनीष सिंह स्टडी लीव पर हैं। इनमें अलका उपाध्याय, मनोज गोविल, पंकज अग्रवाल, अशीष श्रीवास्तव, वीएल कांताराव, नीलम शमी राव, दीप्ति गौड़ मुखर्जी, विवेक अग्रवाल, हरि रंजन राव, पल्लवी जैन गोविल, नितेश कुमार व्यास, फैज अहमद किदवई, कैरालीन खोंगवार देशमुख, आकाश त्रिपाठी, निकुंज श्रीवास्तव, पवन कुमार शर्मा, अजीत कुमार, ज्ञानेश्वर बी. पाटिल, राहुल जैन, जीवी रश्मि, स्वाति मीणा नायक, शशांक मिश्रा, छवि भारद्वाज, जीपी आईरीन सिंथिया, विकास नरवाल, विशेष गढ़पाले, वी किरण गोपाल, नंद कुमारम, एस. विश्वनाथन, भावना वालिंबे, तरुण पिथोड़े, प्रियंका दास, तेजस्वी एस नायक, गणेश शंकर मिश्रा, शनमुग प्रिया मिश्रा, विजय कुमार जे., अनुग्रह पी, विजय दत्ता, पंकज जैन, चंद्र मोहन ठाकुर, प्रवीण सिंह, बक्की कार्तिकेयन और हर्ष दीक्षित का नाम शामिल है।

छुट्टी लिए बिना गायब पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, लटके निर्माण कार्य

अब पीएस की अनुमति के बिना नहीं मिलेगी छुट्टी

जागरण संवाददाता, भोपाल। पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता और प्रमुख अभियंता सहित अन्य अधिकारी अब शासकीय अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। दरअसल विभिन्न निर्माण कार्यों में हो रही लेटलतीफी और शासन को समय सीमा में चाही गई जानकारी न मिलने के चलते यह आदेश जारी किए गए हैं। सोमवार को पीडब्ल्यूडी के उपसचिव नियाज अहमद खान द्वारा जारी आदेश के तहत अब पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारी अवकाश पर जाने के पूर्व अनिवार्य रूप से शासकीय अनुमति लेंगे। जारी आदेश के तहत प्रमुख अभियंता व मुख्य अभियंता सहित इस स्तर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी प्रमुख सचिव की अनुमति के बाद ही मुख्यालय छोड़ेंगे। वहीं अधीक्षण यंत्री व कार्यपालन यंत्री स्तर के अधिकारी प्रमुख अभियंता की अनुमति के बाद ही अवकाश पर जा सकेंगे। यदि वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बगैर कोई भी अधिकारी अवकाश पर जाता है, तो शासन द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

इस कारण बनाए गए नियम

कई बार अधिकारी बिना अनुमति के अपने कार्यक्षेत्र से बाहर चले जाते हैं, जिसके चलते सड़क व सेतु निर्माण सहित अन्य कार्य प्रभावित हो जाते हैं। कई बार शासन को समय सीमा में जानकारियां भी नहीं मिल पाती हैं। ऐसी स्थिति में कई बार मंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को समाप्त करने के लिए शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है। ताकि विपरीत समय में अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

सड़कों की रिपोर्ट समय पर नहीं मिलने पर लिए एक्शन

हाल ही में पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने भोपाल सहित अन्य जिलों में खराब हुई सड़कों की स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी। साथ ही पूरे प्रदेश में चल रहे सेतु निर्माण के संबंध में भी जानकारी चाही गई थी। जिसके बाद पता चला कि भोपाल सहित कुछ अन्य जगहों पर वरिष्ठ अधिकारी छुट्टी पर थे, जिसके चलते मंत्री तक रिपोर्ट देरी से पहुंची और इस मामले में शासन को परेशानी का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अधिकारियों के अवकाश पर सख्त नियम बनाने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि पीडब्ल्यूडी के कई वरिष्ठ अधिकारी बिना बताए ही लंबे अवकाश पर चले जाते हैं, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

मप्र कांग्रेस जिलाध्यक्षों को लेकर दिल्ली में छानबीन शुरु

पर्यवेक्षकों से वन-टू-वन शुरु, अगस्त में होगी घोषणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस को अपने नए जिलाध्यक्ष अगले माह अगस्त में मिल जाएंगे। इसके लिए दिल्ली में प्रक्रिया शुरु हो गई है। संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को प्रदेश के कई पर्यवेक्षकों से वन टू वन चर्चा की। जानकारों की माने तो पर्यवेक्षकों द्वारा सौपी गई सूची में से दो-दो कार्यकर्ताओं को इंटरव्यू के लिए दिल्ली बुलाया जाएगा।

गौरतलब है कि अखिल भारतीय कांग्रेस ने गुजरात के बाद मध्यप्रदेश में संगठन सृजन अभियान चलाया था। इसके लिए केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों में भेजा गया था। जानकारों की माने तो अभियान के तहत दूसरे दौर का सर्वे पूरा कर केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने एआईसीसी को अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस पर संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को पर्यवेक्षकों से वन टू वन चर्चा कर उनसे जिलों का फीडबैक लिया और उनके द्वारा सौंपी गई सूची में शामिल सभी 5 नामों के बारे में जानकारी ली है। कहा जा रहा है कि एआईसीसी इन सूची को आकंलन कर दो-दो नामों का चयन करेगी, जिन्हें दिल्ली में सक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। इससे पहले राष्ट्रीय संगठन थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन भी कराया जाएगा। जिसमें यह पता किया जाएगा कि पर्यवेक्षकों द्वारा दी गई रिपोर्ट कितना सही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अभियान के तहत सर्वे के आधार पर कांग्रेस के प्रति समर्पित, सक्रिय और ऊर्जावान नेताओं को जिला व शहर अध्यक्ष की कमान सौंपी जाएगी। इसे जल्द पूरा करने की कवायद की जा रही है। बताया गया है कि अभियान के तहत जिस तरह से गुजरात में जून में 40 जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है,उसी तरह अगस्त माह में मध्यप्रदेश के सभी 60 संगठनात्मक जिलों में अध्यक्षों की नियुक्ति का काम पूरा कर दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले ने बताया कि जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया जारी है। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट का आकंलन किया जा रहा है। प्रत्येक जिले से दो-दो कार्यकर्ताओं के नामों की सूची तैयार होगी,जो पर्यवेक्षकों की पांच नामों वाली सूची से लिए जाएंगे। इन्ही दो कार्यकर्ताओं को जिलों की कमान सौंपने के लिए सक्षात्कार के लिए दिल्ली बुलाया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया पूरी होते ही अगस्त माह में जिलाध्यक्षों के नामों का एलान कर दिया जाएगा।

जीतू -अरुण सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने मंगलवार को बैगलुरु में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल हुए। पटवारी को बैंगलुरु में जोरदार स्वागत किया गया।

मप्र पुलिस का 'नशे से दूरी, है जरूरी' अभियान शुरू

16 दिनों तक चलेगा मादक पदार्थों के खिलाफ जनजागरण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस ने मंगलवार से नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया है। 'नशे से दूरी, है जरूरी' नाम का यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश और डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा पोस्टर के विमोचन के साथ शुरू किया गया। यह 16 दिवसीय अभियान 30 जुलाई तक चलेगा। मंगलवार को अभियान की शुरुआत के अवसर पर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि ड्रग्स का नाम सुनते ही दुर्बल शरीर, नशीली आंखें, धुएं का गुबार और अंधकार दिखाई देने लगता है। उन्होंने जोर दिया कि इन्हीं मादक पदार्थों की लत ने कई युवाओं को खोखला कर परिवारों को बर्बाद किया है। ऐसे में पुलिस के साथ सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि किशोर बच्चों और युवाओं को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराएं। इस मौके पर स्पेशल डीजी सीआईडी पवन श्रीवास्तव, एडीजी नारकोटिक्स केपी वेंकटेश्वर राव, आईजी एंटी नक्सल डॉ. आशीष और डीआईजी विनीत कपूर भी मौजूद थे।

विभिन्न विभाग, एनजीओ,धर्माचार्य करेंगे मदद

इस अभियान में उच्च शिक्षा, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगरीय विकास एवं आवास, स्कूल शिक्षा समेत अन्य विभागों के अलावा एनजीओ, धार्मिक संस्थाएं और धर्माचार्य भी शामिल होंगे। अभियान के तहत प्रदेश के कोने-कोने में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता के लिए स्थानीय रेडियो और एफएम चैनलों के जरिए संदेश प्रसारित किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रमुख स्थानों पर बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स और डिजिटल स्क्रीन के जरिए प्रचार किया जाएगा। नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद और ग्राम पंचायतों के सफाई वाहनों पर लगे पीए सिस्टम से भी नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी। नशे के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर भी संदेश प्रसारित किए जाएंगे। अभियान में सेलिब्रिटीज को भी जोड़ा जाएगा।

स्कूलों-कॉलेजों और छात्रावासों पर ध्यान

अभियान के दौरान प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों के साथ छात्रावासों पर खास ध्यान रहेगा। इस में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था, अखिल भारतीय गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, हार्टफुलनेस जैसे सामाजिक व धार्मिक संगठन भी शामिल होंगे। कला पथक दल नुक्कड़ नाटकों, गीत और संगीत के जरिए जनजागरूकता फैलाएंगे। डीजीपी मकवाणा के अनुसार, कुछ माह पहले पुलिस ने सेफ क्लिक अभियान के जरिए लोगों में साइबर जागरूकता के लिए इसी तरह का अभियान चलाया था, जिससे डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के मामलों में तेजी से कमी आई थी। इसी तर्ज पर इस अभियान को शुरू किया गया है। एडीजी नारकोटिक्स केपी वेंकटेश्वर राव के अनुसार, स्कूल और कॉलेज स्टूडेंट्स के अलावा ग्राम और नगर सुरक्षा समिति, एनसीसी, स्काउट गाइड और जनप्रतिनिधियों को भी इस अभियान से जोड़ते हुए 16 दिनों का शेड्यूल बनाया गया है।

नशा सामाजिक बुराई: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नशामुक्ति अभियान को लेकर वीडियों संदेश जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। जो युवाओं, परिवार और समाज की जड़ों को खोखला बना रही है। नशे की जद में आकर कई परिवार उजड़ जाते हैं। नशा नाश की जड़ है, जो न केवल स्वास्थ्य को खत्म करता है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करता है। डॉ. यादव ने कहा कि यह अत्यंत दुःखद है कि युवाओं के बीच नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा देश का भविष्य हैं, उन्हें इस दलदल से बचाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह संकल्पित है। नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाने का उद्देश्य न केवल नशे को रोकना है बल्कि समाज में नई चेतना जागृत करना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नशामुक्ति अभियान को लेकर वीडियों संदेश जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। जो युवाओं, परिवार और समाज की जड़ों को खोखला बना रही है। नशे की जद में आकर कई परिवार उजड़ जाते हैं। नशा नाश की जड़ है, जो न केवल स्वास्थ्य को खत्म करता है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करता है। डॉ. यादव ने कहा कि यह अत्यंत दुःखद है कि युवाओं के बीच नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा देश का भविष्य हैं, उन्हें इस दलदल से बचाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह संकल्पित है।

आरजीपीवी यूआईटी में एबीवीपी का प्रदर्शन, चार घंटे तक गूंजा विरोध

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) यूआईटी परिसर में चार घंटे लंबा विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन महिला अतिथि फैकल्टी के साथ छेड़छाड़, संकाय सदस्यों की अनुशासनहीनता और परिसर में हथियार लहराने जैसी गंभीर घटनाओं के खिलाफ था। एबीवीपी ने इन घटनाओं को विश्वविद्यालय की गरिमा पर सीधा हमला बताया। विरोध प्रदर्शन के बाद, विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मनीष अहिरवार और उदय चौरसिया से स्पष्टीकरण मांगा। यूआईटी प्रशासन द्वारा गांधी नगर पुलिस स्टेशन को भेजे गए एक पत्र में, इस बात की पुष्टि की गई है कि डॉ अहिरवार ने परिसर में पिस्तौल लहराई थी, जो अनुशासनहीनता की गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं, उदय चौरसिया पर एक साथ दो डिग्रियां हासिल करने का आरोप है, जिस पर अब जांच शुरू हो गई है।

दिग्विजय ने जारी किया वीडियो पूछा दोषियों पर कब होगी कार्रवाई

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को एक वीडियो जारी किया है,जिसमें पुलिस द्वारा छात्रों के साथ मारपीट की जा रही है। उन्होंने वीडियो जारी कर सवाल पूछा कि राजपूत समाज के बच्चों के साथ हुए बर्बर लाठीचार्ज के दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्यवाही कब होगी। हरदा में पिछले दिनों करणी सेना के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की लाठीचार्ज से जुड़ा वीडियों पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह द्वारा जारी किया गया है। वीडियो में दिखाया गया है कि पुलिस की लाठीचार्ज से बचने के लिए किस तरह लोग राजपूत छात्रावास की छत पर चढे और पुलिस से छिपते दिख रहे है।

विधायक शाह से हुई झूमा-झटकी

हरदा में राजपूत समाज के प्रदर्शन और पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस विधायक अभिजीत शाह से पुलिस के साथ उस समय झूमा-झटकी हो गई,जब शाह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ हरदा कलेक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे थे, उन्हें गेट पर ही पुलिस ने रोक दिया. इसी दौरान एक पुलिसकर्मी ने उनका हाथ पकड़ने की कोशिश की, जिससे झूमाझटकी जैसी स्थिति बन गई. विधायक शाह ने आरोप लगाया कि यह प्रोटोकॉल का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि डीजीपी के निर्देश के मुताबिक, विधायकों, मंत्रियों और सांसदों को पुलिस सम्मान देगी और सैल्यूट करेगी, लेकिन यहां उनके साथ दुव्यर्वहार हुआ। उन्होंने साफ तौर पर सवाल उठाया कि क्या अब लोकतांत्रिक प्रतिनिधियों को भी ज्ञापन देने का अधिकार नहीं रहा। एमपी पुलिस का यह कैसा व्यवहार है।

बच्चों को संस्कार देने की जिम्मेदारी माता-पिता की: उमा

विसं भोपाल। पूर्व सीएम उमा भारती ने कहा है कि हमारे समाज में माता-पिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि क्या सही है और क्या गलत। उन्होंने कहा कि कानून तो बनाए जा सकते हैं, लेकिन यदि परिवार अपने दायित्व का निर्वहन नहीं करेगा, तो ऐसे मामलों पर नियंत्रण पाना मुश्किल होगा। पूर्व सीएम ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सिर्फ कानूनी उपायों से लव जिहाद की समस्या का समाधान नहीं होगा, इसके लिए परिवारों को अपने बच्चों को उचित संस्कार देना होगा। हालांकि इसके लिए बनाए गए कानून को सख्ती से लागू करने के लिए जरुरत है । उन्होंने करणी सेना प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्यवाही पर कहा कि करणी देवी शांति की देवी थीं, वह सभी को आशीर्वाद देने वाली थीं। संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा राजनीति में 75 वर्ष की उम्र में सन्यास की टिप्पणी पर कुछ भी बोलने से इंकार करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि हम संघ प्रमुख की किसी भी टिप्पणी पर कोई कमेंट नहीं करते।

यात्रा | तीन दिन की दुबई यात्रा के बाद स्पेन पहुंचे सीएम डॉ. यादव, 4 दिन निवेशकों से करेंगे संवाद

भारत मार्ट' वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार : सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव मंगलवार को अपनी दुबई की तीन दिवसीय यात्रा पूरी कर स्पेन पहुंचे। इससे पहले सीएम ने दुबई में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं के लेकर चर्चा की। इस मौके पर सीएम ने कहा कि भारत मार्ट वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार है।

सीएम ने दुबई में डीपी वर्ल्ड और जेबेल अली फ्री ज़ोन (जाएफजा) के वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर भारत मार्ट परियोजना और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। डॉ. यादव ने कहा कि यह आधुनिक व्यापार केंद्र भारतीय उत्पादों, विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कृषि और हस्तशिल्प जैसे उत्पादों की मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों तक सीधी पहुँच उपलब्ध कराएगा। भारत मार्ट 2026 में परिचालन में आएगा और 'लोकल से ग्लोबल' की नीति को नई दिशा देगा। सीएम ने कहा कि बैठक में विशेष रूप से मध्यप्रदेश में डीपी वर्ल्ड द्वारा प्रस्तावित रेल टर्मिनल और उज्जैन-नागदा रूट को भारत मार्ट तक निर्बाध माल आपूर्ति का एक निर्णायक माध्यम बताया गया। यह लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी भारत से दुबई तक तेज़, किफायती और सुगम माल परिवहन सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य के निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा। डॉ. यादव ने कहा, हमारी सरकार इस यात्रा को केवल व्यापार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के आर्थिक भविष्य की नींव मान रही है। भारत मार्ट के ज़रिये हमारा प्रदेश वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मज़बूत कड़ी बनेगा।सीएम ने बताया कि डीपी वर्ल्ड ने मध्यप्रदेश में इनलैंड कंटेनर डिपो , मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (कृषि-लॉजिस्टिक्स हब और ड्राय पोर्ट के विकास में गहरी रुचि दिखाई है। यह राज्य की लॉजिस्टिक्स और निर्यात नीति के अनुरूप है, और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से दीर्घकालिक अधोसंरचना विकास को मजबूती देने वाला कदम है।

क्या है भारत मार्ट

भारत मार्ट, जेबेल अली फ्री ज़ोन (जाएफजा) दुबई में लगभग 2.7 मिलियन वर्ग फुट में विकसित किया जा रहा एक बहुआयामी अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा फरवरी 2024 में संयुक्त रूप से रखी गई थी। यह केंद्र डीपी वर्ल्ड द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसमें 1500 से अधिक शोरूम, अत्याधुनिक गोदाम और कार्यालय सुविधाएं शामिल होंगी।

संक्षिप्त समाचार

बस में तोड़फोड़ करने वाले कांवड़ियों पर मुकदमा

मेरठ, जेएनएन। मेरठ में सदर बाजार थाना क्षेत्र के बेगमपुल स्थित कैंटोनमेंट अस्पताल के पास एक स्कूल बस और कांवड़ियों के बीच विवाद हो गया था। दीवान पब्लिक स्कूल की बस से एक कांवड़िया को टक्कर लग गई थी। इससे नाराज होकर कांवड़ियों ने बस में तोड़फोड़ कर दी थी। पुलिस ने इस संबंध में कांवड़ियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना में गाजियाबाद के फरीद नगर के पांच कांवड़िये घायल हुए। घायलों की पहचान बॉबी पुत्र सुरेंदर, अभिषेक पुत्र कमल, संदीप पुत्र कैलाश, राहुल पुत्र अशोक और सोनू पुत्र राहुल के रूप में हुई है। सभी घायलों को कैंटोनमेंट अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एडीजी भानु भास्कर के निर्देश पर आबूलेन चौकी के दारोगा गौरव कुमार की शिकायत पर अज्ञात कांवड़ियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस घटना के वीडियो फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर रही है। घटना के समय स्कूल बस में कोई बच्चा नहीं था। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। घटनास्थल पर कांवड़ियों की अन्य टोलियां नहीं होने से बड़ा विवाद होने से बच गया।

संसद के मानसून सत्र में पार्टी की रणनीति तय करने के लिए कांग्रेस ने बुलाई वरिष्ठ नेताओं की बैठक

कांग्रेस ने बनाई वोटर लिस्ट से ऑपरेशन सिंदूर तक सरकार को घेरने की रणनीति

नई दिल्ली, जेएनएन। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस सत्र को लेकर विपक्षी इंडिया ब्लॉक की अगुवाई कर रही कांग्रेस अभी से ही एक्टिव हो गई है। संसद सत्र के दौरान पार्टी की रणनीति क्या हो? यह तय करने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वरिष्ठ नेताओं की बैठक बुलाई है। यह बैठक आज यानी 15 जुलाई को 10 जनपथ स्थित सोनिया गांधी के आवास पर होगी। इस बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी ही करेंगी। सोनिया गांधी की अध्यक्षता में होने जा रही इस बैठक में आगामी सत्र को लेकर कांग्रेस अपनी रणनीति को अंतिम रूप देगी। इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ही दोनों सदनों में पार्टी के उपनेता, चीफ व्हिप और व्हिप शामिल होंगे। संसद के आगामी सत्र में बिहार में चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण और सत्यापन के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर सरकार को घेरने के लिए विपक्ष तैयार है।कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा संसद में उठा सकती है। कांग्रेस भी उन राजनीतिक दलों में शामिल हैं, जिन्होंने चुनाव आयोग की इस कवायद को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और पार्टी के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु

सिंघवी इस मामले में पैरवी कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम के ऐलान के बाद कांग्रेस ने इस पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की थी।

कांग्रेस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों का मुद्दा भी संसद में उठा सकती है। विपक्षी इंडिया ब्लॉक की पार्टियां जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले को लेकर भी चर्चा की मांग करती रही हैं। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान अमेरिकी टैरिफ का मुद्दा भी उठ सकता है। गौरतलब है कि 21 जुलाई से शुरू हो रहा संसद का मॉनसून सत्र 21 अगस्त तक चलना है। इस दौरान स्वतंत्रता दिवस के लिए 13 और 14 अगस्त को संसद के दोनों सदनों में अवकाश रहेगा।

जयराम रमेश ने की ट्रंप की आलोचना

प्रधानमंत्री की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर तीखा हमला बोला, जिसमें उन्होंने 65 दिनों में 22 बार भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लिया है। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस मुद्दे पर चुप्पी को लेकर लगातार आलोचना की है, इसे भारत की कूटनीतिक स्थिति और स्वायत्तता पर सवाल उठाने वाला बताया। ट्रंप ने सोमवार को नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ बैठक में दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन के सैन्य संघर्ष को व्यापारिक दबाव के जरिए रोका, जिससे एक संभावित परमाणु युद्ध टल गया। उन्होंने कहा, हमने युद्धों को सुलझाने में बहुत सफलता पाई है। भारत और पाकिस्तान के बीच हालात इतने खराब थे कि एक हफ्ते में परमाणु युद्ध हो सकता था। हमने व्यापार का इस्तेमाल किया। मैंने कहा, जब तक आप इसे सुलझाते नहीं, हम व्यापार की बात नहीं करेंगे। ट्रंप ने 10 मई 2025 से शुरू होकर विभिन्न मौकों पर यह दावा 22 बार दोहराया, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक सौदों को प्रोत्साहन और दबाव के रूप में इस्तेमाल करने की बात कही।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की 72 वर्षीय पत्नी पहले थी लड़का

पेरिस, जेएनएन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों पिछले कुछ महीनों से लगातार वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस जोड़े के बीच में उम्र का अंतर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता है। कुछ महीने पहले प्लेन से उनका एक थप्पड़ मारने वाला वीडियो वायरल हो गया था, जिस को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी टिप्पणी की थी। अब 72 वर्षीय ब्रिजिट मैक्रों ने दो महिलाओं के ऊपर फ्रांस की सर्वोच्च अदालत में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। यह दोनों महिलाएं लगातार इस बात का दावा करती रही हैं कि ब्रिजिट पहले एक लड़का हुआ करती थी, बाद में वह एक लड़की बनीं। ब्रिजिट मैक्रों ने इन दोनों महिलाओं के खिलाफ पहले निचली अदालत में मुकदमा किया था, जिसके बाद उन्हें सजा भी सुनाई गई थी। लेकिन पेरिस की अदालत ने उन दोनों के खिलाफ सुनाई गई सजा को माफ कर दिया था। इसके बाद मैक्रों ने सर्वोच्च अदालत में अपील की है। दरअसल, अमंडाइन रॉय और नताशा रे नामक दोनों महिलाओं ने एक यूट्यूब पर पोस्ट किए गए वीडियो में दावा किया था कि ब्रिजिट मैक्रों असलियत में जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स नामक एक पुरुष थे। बाद में उन्होंने लिंग परिवर्तन करवाकर ब्रिजिट के रूप में अपनी नई जिंदगी शुरू की और फिर इमैनुएल मैक्रों से शादी कर ली। इसके अलावा इस वीडियो में उन्होंने ब्रिजिट को लेकर और भी दावे किए थे। आपको बता दें राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी के बारे में गलत जानकारी कई वर्षों से फैल रही हैं। इतना ही 47 साल के मैक्रों और 72 साल की ब्रिजिट के बीच में उम्र का अंतर भी अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचता है।

कार्टूनिस्ट हेमंत को कोर्ट से राहत भी, चेतावनी भी

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर कथित आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर साझा करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को गिरफ्तारी से संरक्षण दिया है। हालांकि अदालत ने चेतावनी भी दी कि यदि उन्होंने भविष्य में ऐसे पोस्ट साझा किए, तो राज्य सरकार कानून के तहत कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगी न्यायमूर्ति धूलिया और अरविंद कुमार की पीठ ने कहा, लोग अब किसी को भी कुछ भी कह देते हैं। यह मामला मई में मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित लसूड़िया थाने में आरएसएस कार्यकर्ता और वकील विनय जोशी की शिकायत पर दर्ज हुआ था। आरोप है कि मालवीय ने हिंदू धार्मिक भावनाओं को आहत करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की मंशा से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की। मालवीय की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने कहा कि यह कार्टून 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान बनाया गया था। उन्होंने दलील दी, यह भले ही खराब स्वाद का हो, लेकिन अपराध नहीं है। सिर्फ असहमति या कटाक्ष कानून का उल्लंघन नहीं होता। उन्होंने विवादित पोस्ट हटाने की सहमति दी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल गिरफ्तारी पर रोक लगाई है, लेकिन सोशल मीडिया की आजादी की आड़ में अभद्रता पर सख्त रुख अपनाया है।

लखनऊ में वकीलों ने ली राहुल के साथ सेल्फी, सोशल मीडिया पर वायरल।

राहुल गांधी ने लखनऊ कोर्ट में किया सरेंडर, मिली जमानत

लखनऊ, जेएनएन। लखनऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने भारतीय सैनिकों के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी मामले में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जमानत दे दी है। कोर्ट ने 20 हजार के मुचलके पर जमानत दी है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिए गए बयान को लेकर दर्ज इस मामले में पहले पांच सुनवाइयों में हाजिर नहीं हुए थे। मंगलवार को उन्होंने एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होकर सरेंडर किया और जमानत याचिका दाखिल की। राहुल के वकील प्रांशु अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मामला सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश आलोक वर्मा ने उन्हें हिरासत में लिया और उनकी जमानत याचिका स्वीकार करने के बाद उन्हें रिहा कर दिया।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी कामयाबी, 310 किमी लंबा विशेष पुल भी तैयार

बीकेसी से शिलफाटा के बीच समुद्र के नीचे 21 किमी लंबी सुरंग का पहला खंड बनकर तैयार

मुंबई, जेएनएन। भारत की पहली बुलेट ट्रेन को लेकर काम तेजी से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की पहली 21 किलोमीटर लंबी सुरंग बनकर तैयार हो गई है। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह सुरंग बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स को घनसोली होते हुए ठाणे के शिलफाटा से जोड़ती है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी इस सुरंग की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के अंतर्गत हाल ही में 310 किलोमीटर लंबे विशेष पुल वायडक्ट यानी इलेवेटेड ब्रिज का निर्माण कार्य भी पूरा किया गया है। ट्रैक बिछाने, ओवरहेड बिजली के तारों, स्टेशनों और पुलों को बनाने का काम तेजी से चल रहा है। खासकर महाराष्ट्र में संबंधित निर्माण कार्य में खासी तेजी आई है। इसके अलावा ट्रेन ऑपरेशन और कंट्रोल सिस्टम की खरीद का काम भी चल रहा है।

रोलिंग स्टॉक : इस रूट के लिए जापान में तेज गति वाली रेलवे लाइनों के नेटवर्क शिंकानसेन में अभी ई5 ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसकी अगली पीढ़ी की अपग्रेडेड न्यू जेनरेशन ट्रेन ई10 हैं। भारत और जापान के बीच अहम साझेदारी के तहत जापान की सरकार ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में ई10 शिंकानसेन ट्रेन चलाने पर रजामंदी जताई है। खास बात यह है कि ई10 ट्रेनें भारत और जापान में एक साथ चलनी शुरू होंगी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में जापानी तकनीक का इस्तेमाल

प्रोजेक्ट के तहत कुल 508 किलोमीटर लंबे गलियारे को जापानी शिंकानसेन तकनीक से तैयार किया जा रहा है। यह स्पीड, सिक्योरिटी और विश्वसनीयता के नए स्टैंडर्ड स्थापित करेगा। साथ ही यह दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ रणनीतिक और तकनीकी सहयोग को भी दिखाता है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में जापानी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। बुलेट ट्रेन के पूरे रूट पर काम तेजी से चल रहा है। इसमें 310 किलोमीटर लंबे विशिष्ट पुल वायडक्ट बनाया जा चुका है। 15 रिवर ब्रिज भी बनकर तैयार हो चुके हैं जबकि 4 ब्रिज का काम अपने अंतिम चरण में है।

सीएम योगी की बायोपिक रिलीज पर संकट

लखनऊ, जेएनएन। फिल्म 'अजय, द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' के मेकर्स सेंसर बोर्ड के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। मेकर्स ने फिल्म को रिलीज करने की मंजूरी देने में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की ओर से देरी का आरोप लगाया है। मेकर्स सीबीएफसी की ओर से 'मनमाने' और 'अस्पष्ट' विलंब के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस गोखले की बेंच ने सीबीएफसी को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। सीबीएफसी की तरफ से वकील नियुक्त करने के लिए समय मांगा गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस निष्क्रियता को गंभीरता से लेते हुए सीबीएफसी को दो दिन के भीतर वकील के जरिए उपस्थित होने का नोटिस दिया है। साथ ही ये भी कहा कि कानून द्वारा जो निर्धारित समय है, उस समय के भीतर सेंसर सर्टिफिकेट जारी करना जरूरी है। वे अपने इस दायित्व से पीछे नहीं हट सकते। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी। याचिकाकर्ता सम्राट सिनेमैटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने फिल्म, इसके टीजर, ट्रेलर और प्रमोशनल सॉन्ग के लिए सर्टिफिकेशन एप्लीकेशन पर कार्रवाई करने में सीबीएफसी द्वारा की गई मनमानी और निष्क्रियता को चुनौती दी है। उनका दावा है कि सारे जरूरी डॉक्यूमेंट्स निर्धारित समय पर सीबीएफसी को सबमिट किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला है कि सीबीएफसी ने यूपी सीएम ऑफिस से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लाने की एक %निराधार% मांग रखी है। फिल्म को 1 अगस्त 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके बावजूद, सीबीएफसी ने कथित तौर पर न तो आवेदनों पर कार्रवाई की और न ही उचित जवाब दिया, जिससे रिलीज पर खतरा मंडरा रहा है।

एनसीडब्ल्यू के समक्ष पेश हुए समय रैना

नई दिल्ली, जेएनएन। यूट्यूबर समय रैना दिल्ली में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए जिसने कुछ महीने पहले उन्हें उनके शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में कथित तौर पर आपत्तिजनक और लैंगिकवादी सामग्री प्रसारित करने के मामले में तलब किया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रैना उन पांच सोशल मीडिया 'इंफ्लुएंसर' में शामिल थे, जिनके खिलाफ दिव्यांगों का उपहास करने के लिए कार्रवाई की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। आरोपों के जवाब में रैना ने एनसीडब्ल्यू के अधिकारियों को अपना बयान सौंपा।

वड़ोदरा पुल हादसा: रेस्क्यू वाहन निकाले बिना प्रशासन ने वाहन रोकने बना दी दीवार

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात के वडोदरा में पुल टूटने की गंभीर घटना के बाद अजीबोगरीब वाकया सामने आया है। हादसे में 20 लोगों मौत हुई है जब 1 लापता व्यक्ति की महीसागर नदी में खोजबीन जारी है। आधिकारिक तौर पर अभी सर्च ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। इस रविवार की रात को एक वीडियो सामने आया है। जिसमें प्रशासन ने पुल पर वाहनों को जाने से रोकने के लिए सीमेंट की पक्की दीवार बना दी, लेकिन दीवार बनाते वक्त पर कोई खाली जगह नहीं छोड़ी गई।

सवाल यह था कि रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे वाहन कैसे बाहर निकलेंगे? यह वीडियो वायरल होने के बाद जब स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे। अब इस पूरे मामले पर वडोदरा जिला प्रशासन की तरफ से काफी बचाव में हस्यास्पद बयान दिया गया है। वडोदरा जिला प्रशासन का कहना है कि मुजपुर-गंभीर पुल पर किसी भी अनजान वाहन के प्रवेश को रोकने के लिए एक दीवार बनाई गई है। वाहन गलती से पुल का इस्तेमाल न कर पाएं, इसके लिए एक अस्थायी दीवार बनाई गई है क्योंकि ये वाहन जीपीएस पर चल रहे हैं।

पुणे पोर्श हादसा : हादसे के समय नाबालिग था आरोपी

वयस्क की तरह चलेगा मुकदमा किशोर न्याय बोर्ड का फैसला

पुणे, जेएनएन। महाराष्ट्र के पुणे में हुए पोर्श कार हादसे के मामले में किशोर न्याय बोर्ड ने एक अहम फैसला सुनाया है। बोर्ड ने पुणे पुलिस की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें 17 साल के आरोपी लड़के को वयस्क मानकर मुकदमा चलाने की बात कही गई थी। इस फैसले का मतलब है कि आरोपी पर किशोर न्याय प्रणाली के तहत ही मुकदमा चलेगा। यह हाई-प्रोफाइल मामला मई 2024 में सामने आया था। 19 मई की सुबह एक तेज रफ्तार पोर्श कार ने दो आईटी पेशेवरों, अनीश अवधिया और अश्विनी कोस्टा को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई थी। आरोप है कि कार नाबालिग लड़का चला रहा था और उसने शराब पी रखी थी। हादसे के बाद सबूतों से छेड़छाड़ करने की भी कोशिश की गई थी, ताकि लड़के को बचाया जा सके। पुणे पुलिस ने पिछले साल यह कहते हुए आरोपी पर एक वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का अनुरोध किया था कि उसने जघन्य कृत्य किया है। उस पर न केवल दो लोगों की हत्या बल्कि

सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के भी आरोप हैं। बचाव पक्ष के वकील के अनुसार, मंगलवार को किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने की पुलिस की याचिका खारिज कर दी। पिछले साल 19 मई को हुई दुर्घटना के कुछ घंटों बाद ही आरोपी किशोर को जमानत मिल गई थी।

आरोपी किशोर को सड़क सुरक्षा पर 300 शब्दों का निबंध लिखने के लिए कहने सहित जमानत की शर्तों में नरमी को लेकर देश में एक विवाद खड़ा हो गया था। इसके तीन दिन बाद आरोपी को पुणे शहर के एक सुधार गृह में भेज दिया गया था। बंबई उच्च न्यायालय ने 25 जून 2024 को आरोपी को तुरंत रिहा करने का निर्देश देते हुए कहा था कि किशोर न्याय बोर्ड की ओर से उसे सुधार गृह भेजने के आदेश अवैध थे।

पांढुर्णा पुलिस ने हरियाणा के एटीएम कटर गैंग को पकड़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश के पांढुर्णा जिले की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को हरियाणा के पांच सदस्यीय डकैत गिरोह को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह देशभर में घूमकर एटीएम मशीनों को काटकर उसमें रखे रुपए लेकर फरार हो जाता था। पुलिस के मुताबिक ये गिरोह पांढुर्णा में किसी बड़ी वारदात की तैयारी में था लेकिन पुलिस को इसकी सूचना मिल गई। पुलिस के मुताबिक गिरोह के पांचों सदस्य हरियाणा राच्य के नूंह जिले के निवासी हैं और देश भर में खई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। इनके खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी के लिए एमपी पुलिस अन्य राच्यों से भी संपर्क कर रही है। पांढुर्णा जिले के लोधीखेड़ा पुलिस थाने को सूचना मिली कि रायसोनी कॉलेज साईखेड़ा के आगे सुनसान इलाके में एक ब्रजा कार में सवार लोग किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने सुंदर सिंह कनेश ने तत्काल एसडीओपी बृजेश भार्गव और टीआ एबी मर्सकोले की टीम को मौके पर रवाना किया। पुलिस टीम यहां पहुंची इस बिना नंबर वाली ब्रेजा कार में सवार पांच लोग मिले। कार की तलाशी लेने पर उसमें रखा एक देसी कट्टा, कारतूस, चाकू-छुरी, गैस कटर मशीन, रस्सी और ताला तोड़ने के औजार भी मिले।

महाकाल सवारी में जेबकतरों की मौज, मोबाइल, चेन और पर्स ले उड़े

जागरण, उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में सावन-भादो मास में सोमवार को निकली महाकाल की सवारी के दौरान श्रद्धालुओं के गले से सोने की चेन, जेब से मोबाइल व पर्स चोरी होने की कई वारदातें हुई। इन मामलों को लेकर 50 से ज्यादा लोगों ने महाकाल व खाराकुआं थाने में शिकायत की है। हालांकि, एक भी मामले में पुलिस किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए तीन लाख से ज्यादा श्रद्धालु सोमवार को उज्जैन पहुंचे थे। भीड़ का फायदा चोरों ने जमकर उठाया। लाइन में लगे कई दर्शनार्थियों के मोबाइल व पर्स चोरी हुए हैं। श्री महाकालेश्वर की सवारी में डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने बाबा की पालकी के दर्शन किए। इस दौरान चोरों ने 50 से ज्यादा लोगों के पर्स, मोबाइल चोरी होने की शिकायत की है। पांच लोगों ने उनके गले से सोने की चेन चोरी होने की शिकायत की है। सवारी के बाद लोग महाकाल और खाराकुआं थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने लोगों के आवेदन लेकर उन्हें रवाना कर दिया।

चलाया था जांच अभियान : सवारी के दौरान चेन स्नैचिंग, मोबाइल चोरी, पर्स चोरी की वारदातों को रोकने के लिए पुलिस ने विशेष जांच अभियान चलाया था। पुलिस ने शंकरपुर में पारी डेरा, छुमछुम बाबा डेरा, माल गोदाम मार्ग स्थित डेरा, नगर निगम परिसर तथा कार्तिक मेले मैदान में स्थित डेरों पर जांच के बाद 23 संदिग्धों को हिरासत में लिया था।

सरकारी स्कूल में छात्रा के तिलक लगाने पर बवाल

जागरण, ढीमरखेड़ा। कटनी जिले के सरकारी स्कूल में छात्रा के तिलक लगाकर आने पर बवाल हो गया। प्राचार्य ने उसे टीसी देने की धमकी दे डाली। प्राचार्य ने कहा कि यह आश्रम नहीं है जो तिलक चंदन लगाकर आती हो। ग्रामीणों और परिजन के साथ पहुंची छात्रा ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की है। मामला ग्राम मुरवारी शासकीय आरके गौतम हायर सेकंडरी स्कूल का है, जहां प्राचार्य रतन भलावे ने कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा किरण बख्शी के तिलक लगाकर स्कूल आने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ये मंदिर या आश्रम नहीं हैं जहां तुम चंदन का टीका लगाकर आओ। उन्होंने बच्ची का टीका मिटवाकर कहा कि कल अपने पैरेंट्स को लेकर आना, टीसी ले जाना और किसी आश्रम में एडमिशन करा लेना। स्कूल से एक बच्ची निकल जाएगी तो हमारा कुछ बिगड़ नहीं जाएगा।

कॉलेज जा रही छात्रा पर टूटे आवारा कुत्ते, किया जख्मी

जागरण, इंदौर। शहर में आवारा कुत्तों के हमले की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खासकर बच्चे, महिलाएं एवं बूजुर्ग इनका शिकार बन रहे हैं। ताजा मामला श्रीनगर एक्सटेंशन में सामने आया है, जहां तीन दिन पहले सुबह कॉलेज जा रही छात्रा पर एक साथ चार कुत्तों ने हमला कर दिया। हालांकि छात्रा ने पहले

तो हिम्मत दिखाते हुए संघर्ष किया और उन्हें भगा दिया, लेकिन कुछ ही सेकंड बाद कुत्तों का झुंड दोबारा आ गया। इस बीच उसकी सहेली ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक कुत्तों ने छात्रा को गिराकर उसके पैर को नोंच डाला और गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। दरअसल घटना शनिवार सुबह 6.30 बजे की है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार छात्रा कॉलेज जा रही थी, तभी एक साथ चार कुत्ते उसकी ओर लपके। वह संभलती, उससे पहले ही वे उस पर टूट पड़े और उसे गिरा दिया। इस दौरान छात्रा ने संघर्ष किया, लेकिन कुत्तों ने उसके पैरों में काट लिया। आपाधापी के बीच कुत्ते बार-बार भागते और फिर उस पर लपकते रहे। इस दौरान स्कूटी से आगे जा रही उसकी सहेली रुकी, गाड़ी खड़ी की और छात्रा के पास पहुंचकर कुत्तों को भगाया। घायल छात्रा काफी घबरा गई थी और चक्कर आने पर वहीं बैठ गई। इस दौरान छात्रा को रहवासी दंपती विशाल और शैफाली अग्रवाल अपने घर ले गए और उसके पैरों के जख्मों को साफ किया। उन्होंने बताया कि छात्रा सुबह एग्जाम देने जा रही थी, तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। काटने से छात्रा का एक पैर में गहरा जख्म हो गया है। इसके बाद वह अपनी सहेली के साथ इलाज के लिए रवाना हो गई।

उच्च शिक्षा | अमेरिका और इंग्लैंड से छात्रों का हुआ मोहभंग, अब यूरोप की तरफ कर रहे हैं रुख

ब्रिटेन जाने से कतरा रहे हैं भारतीय छात्र

नई दिल्ली, जेएनएन। उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में गिरावट आ रही है। गुरुवार को जारी हुए आंकड़ों के अनुसार, बीते साल के मुकाबले इस साल भारत से उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की संख्या में अच्छी खासी गिरावट आई है। ब्रिटेन के गृह विभाग के तहत आने वाले नेशनल स्टैटिस्टिक्स के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2023 तक उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन आने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 21 हजार की कमी आई है। यह 2022 की तुलना में कुल अप्रवासन में 10 प्रतिशत की गिरावट है।

ब्रिटेन जाने वालों में भारतीय सबसे ज्यादा

भारतीय छात्रों की संख्या में कमी, तब आई है, जब ब्रिटेन की सरकार ने वीजा आवेदकों के परिजनों, पत्नी और बच्चों को लाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऋषि सुनक सरकार ग्रेजुएट रूट वीजा पर भी रोक लगाने पर विचार कर रही है, जिसका विश्वविद्यालयों द्वारा भी विरोध किया जा रहा है। ग्रेजुएट रूट वीजा योजना के तहत मार्च 2024 तक 64,372 भारतीय छात्रों को वीजा मिला, जो कि इस योजना के तहत मिले कुल वीजा की संख्या का आधा है। साल 2023 में दिसंबर तक ब्रिटेन जाने वाले भारतीयों की कुल संख्या ढाई लाख थी, भारत के बाद नाइजीरिया (1,41,000), चीनी (90,000), पाकिस्तानी (83,000), जिंबाब्वे (36,000) के नागरिकों का नंबर आता है। साल 2023 में ब्रिटेन में कुल 10 लाख अप्रवासी पहुंचे थे, जिनमें से 5,32,000 वापस लौट गए थे।

ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के लिए भारतीय छात्र अहम

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक अपने चुनाव अभियान में अप्रवासन पर लगाम को मुख्य मुद्दा बना रहे हैं। ऐसे में भारतीय छात्रों की संख्या में कमी ब्रिटेन के लिए चिंताजनक बात है। खासकर उन विश्वविद्यालयों के लिए यह ज्यादा चिंताजनक है, जो विदेशी छात्रों से मिलने वाली फीस पर निर्भर करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2024 तक भारतीय छात्रों को 1,16,455 छात्र वीजा जारी किए गए थे, जो कि कुल छात्र वीजा का 26 प्रतिशत है। पिछले साल के मुकाबले ये 21,717 कम हैं। ब्रिटेन जाने वाले अधिकतर छात्र मास्टर डिग्री की पढ़ाई करने जाते हैं।

जान जोखिम में डालकर विद्यालय जाने को मजबूर विद्यार्थी

सड़क टूटने से स्कूल पहुंचना बना खतरे से भरा सफर

पवई । एक ओर जहां बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और पढ़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया जैसे नारों से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात होती है, वहीं दूसरी ओर ज़मीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नज़र आती है। पन्ना जिले की पवई जनपद से मात्र चार किलोमीटर दूर ग्राम करही का शासकीय हाई स्कूल इसका जीता-जागता उदाहरण है, जहां सैकड़ों छात्र-छात्राएं जान जोखिम में डालकर रोज़ स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं।विद्यालय भवन के एक ओर तेज बहाव वाली मुख्य नहर बह रही है, तो दूसरी ओर पानी से लबालब भरा तालाब है। इन दोनों जल स्रोतों के बीच की कच्ची सड़क अत्यधिक वर्षा के चलते क्षतिग्रस्त हो चुकी है। नतीजतन, नहर का पानी तालाब में मिलते हुए उसी रास्ते से बह रहा है जिससे विद्यार्थियों को रोज़ स्कूल जाना होता है। पानी का बहाव इतना तेज़ है कि ज़रा सी चूक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

शिक्षक बने संरक्षक

इस संकट में विद्यालय के शिक्षक खुद बच्चों को हाथ पकड़कर नाले के उस पार ले जाते हैं। कीचड़, फिसलन और चारों ओर फैले पानी के कारण विद्यालय परिसर तक पहुंचना ही एक संघर्ष बन गया है। बच्चों के कपड़े गंदे हो जाते हैं, और पानी में विषैले जीव-जंतुओं का खतरा हमेशा बना रहता है।

बच्चों में शिक्षा का जुनून, लेकिन डर भी

बच्चों का कहना है कि उन्हें विद्यालय आने में डर लगता है। कई बार अभिभावक उन्हें मना भी करते हैं, लेकिन पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए वे खतरा उठाकर स्कूल पहुंचते हैं। बच्चों ने यह भी कहा कि उन्हें शिक्षकों से भरपूर सहयोग और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिलती है।

प्रशासन तक पहुंची आवाज़, समाधान अधर में

विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर पवई के अनुविभागीय अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी को आवेदन देकर सूचित किया है, पर अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। ग्राम सरपंच का कहना है कि शासन द्वारा कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलने के कारण मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका। बताया गया कि बीते वर्ष नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी थी, तब अस्थायी रूप से बोरी का बांध बनाकर समस्या का हल निकाला गया था। लेकिन इस वर्ष लगातार बारिश और तेज़ बहाव के कारण वह बांध भी टूट गया, जिससे कमर तक पानी भर गया है और बच्चों व शिक्षकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अंत में सवाल यही — ऐसे में कैसे पढ़ेगा इंडिया?

जब शिक्षा के मंदिर तक पहुंचना ही बच्चों के लिए खतरे से खाली नहीं है, तब यह सोचने का विषय है कि 'कैसे पढ़ेगा इंडिया और कैसे बढ़ेगा इंडिया' ? अब यह देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या का समाधान निकालता है।

सीएम राइज स्कूल कागजों में, व्यवस्था पुरानी

पलेरा। सर्वसुविधायुक्त का ढिंढोरा पीटकर शुरू किए गए सीएम राइज स्कूलों की जमीनी हकीकत कुछ और है। कागजों में केवल नाम बदले हैं और भवन की रंगाई-पुताई हो गई, बाकी हालात पुराने ही हैं। पर्याप्त फर्नीचर न होने से क्षमता से अधिक विद्यार्थी ठसाठस बैठने को विवश हैं और बिजली आपूर्ति में व्यवधान पर पंखे भी नहीं चलते। इसके अलावा सीएम राइज सांदीपनि हायर सेकेंडरी स्कूल पलेरा में क्षमता से अधिक छात्रों के एडमिशन का सिलसिला जारी बना हुआ है। बताया गया है कि राजनैतिक दबाव के चलते एडमिशन की प्रक्रिया निरंतर जारी बनी हुई है। शिक्षा विभाग के अधिकारी इस पूरे मामले को लेकर खामोश बने हुए हैं।

सुविधाओं के दावे हुए फेल

सीएम राइज स्कूलों में विद्यार्थियों को लाने-लेजाने के लिए वाहन, निजी स्कूलों की तर्ज पर नर्सरी, केजी कक्षाएं, दक्ष शिक्षकों सहित अन्य स्टाफ, स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल लर्निंग, प्रयोगशालाएं एवं पुस्तकालय, व्यावसायिक शिक्षा की सुविधा के दावे किए गए थे। हिंदी-अंग्रेजी दोनों माध्यम में पढ़ाई, स्वीमिंग पूल, बैंकिंग काउंटर, डिजिटल स्टूडियो, कैफेटेरिया, जिम, थिंकिंग एरिया की सुविधा के भी दावे थे। स्टॉफ के लिए आवास और विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल सुविधा भी रहेगी।

किसान क्रेडिट कार्ड के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप

पलेरा में फर्जी नो ड्यूस घोटाला

टीकमगढ़। पलेरा क्षेत्र में एक बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है, जिसमें राम प्रकाश दीक्षित उर्फ रामजी पर पलेरा नगर की विभिन्न बैंकों के साथ मिलकर फर्जी नोड्यूस प्रमाण पत्र जारी करने और किसानों के नाम पर अवैध रूप से किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने का गंभीर आरोप लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राम प्रकाश दीक्षित ने पिछले कई वर्षों से भारतीय स्टेट बैंक, सहकारी बैंक और अन्य बैंकों में किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के नाम पर ठेका लिया हुआ था। इस दौरान उन्होंने अपने निजी कंप्यूटर से बैंकों के फर्जी नो ड्यूस बनाकर अनेक किसानों के दस्तावेजों के जरिए क्रेडिट कार्ड स्वीकृत कराए। इसके बदले किसानों से मोटी रकम भी वसूली गई। इन फर्जी क्रेडिट कार्डों के माध्यम से क्षेत्र के अनेक किसान बैंकों के डिफॉल्टर हो गए हैं, जिससे बैंकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। बताया जा रहा है कि यह गिरोह पिछले 20 वर्षों से इस अवैध कार्य में संलिप्त है और क्षेत्र में करोड़ों रुपये का घोटाला कर चुका है। राम प्रकाश दीक्षित के खिलाफ पूर्व में भी पलेरा थाने में अपराध क्रमांक 03882 दिनांक 23.11.2022 को मामला दर्ज हो चुका है, लेकिन राजनैतिक हस्तक्षेप के चलते उस समय गंभीर कार्रवाई नहीं हो सकी थी। इस मामले में पुष्पेन्द्र दीक्षित निवासी ग्राम छिदारी ने टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय को ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने अपील की है कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए, जिससे पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सके। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर प्रकरण में क्या कदम उठाता है और क्या पीड़ित किसानों को न्याय मिल पाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी को शासकीय स्कूल भवन में मिली कमियों को तत्काल सुधार के दिए निर्देश

व्यवहार न्यायाधीश द्वारा गत दिवस आयोजित विधिक साक्षरता शिविर के दौरान मामले पर लिया गया था संज्ञान

पन्ना। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजाराम भारतीय के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा गत 2 जुलाई को शासकीय प्राथमिक शाला खजुरी कुड़ार एवं 11 जुलाई को शासकीय माध्यमिक शाला तारा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड एवं प्राधिकरण के सचिव राजकुमार गौड़ ने विद्यालय में उपस्थित छात्रों को अपने माता-पिता एवं गुरूजनों का सम्मान करने और नैतिक मूल्यों का पालन कर उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही बाल विवाह, शिक्षा का अधिकार, बाल मजदूरी, पॉक्सो अधिनियम, साइबर अपराध के विषय में भी संक्षिप्त जानकारी प्रदान की थी। इसके अलावा विद्यार्थियों को मौलिक अधिकार, कर्त्तव्य, लोक अदालत एवं मीडिएशन के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान कर उनके महत्व के बारे में अवगत कराया गया।

शिविर के दौरान पाया गया कि खजुरी कुड़ार के प्राथमिक शाला भवन की छत से पानी का रिसाव हो रहा है। कक्षाओं में पंखे की व्यवस्था न होने से विद्यार्थियों को असुविधा होती है। व्यवहार न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के सचिव द्वारा समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को शाला भवन में मरम्मत कार्य कराने के लिए पत्र भेजा गया। इसी तरह माध्यमिक शाला तारा के विद्यार्थियों ने शिविर के दौरान अवगत कराया था कि बालकों के लिए यहां पृथक से टायलेट व्यवस्था नहीं है। न्यायाधीश द्वारा इस संबंध में संस्था प्रमुख से जानकारी प्राप्त करने पर अवगत कराया गया कि शौचालय निर्माण के लिए कई बार पत्राचार के बावजूद कार्यवाही नहीं हुई है। इस समस्या का भी संज्ञान लेकर अविलंब टायलेट निर्माण के लिए डीईओ को पत्र भेजा गया। इसके अलावा गत 14 जुलाई को आयोजित बैठक में भी जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि को आवश्यक कार्य के लिए निर्देश दिए गए।

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता की फर्जी नियुक्ति की शिकायत, उच्चस्तरीय जांच की मांग

टीकमगढ़। जिले के उपस्वास्थ्य केंद्र टीला, तहसील खरगापुर में पदस्थ बहुदेशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता ज्ञान प्रकाश दीक्षित की नियुक्ति को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्राम छिदारी निवासी पुष्पेन्द्र दीक्षित द्वारा जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि ज्ञान प्रकाश दीक्षित ने फर्जी तरीके से होशंगाबाद जिले के रोजगार कार्यालय में स्वयं को पंजीकृत कराया और गलत जानकारी के आधार पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता पद हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, दीक्षित ने अपने गृह जिले टीकमगढ़ के बजाय होशंगाबाद जिले में आवेदन कर वरिष्ठता सूची में हेराफेरी करते हुए अपना नाम शामिल कराया और बाद में अधिकारियों को गुमराह कर एम.पी.डब्ल्यू. (पुरुष) पद पर नियुक्ति प्राप्त की। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि इसी प्रकार की कई फर्जी नियुक्तियां टीकमगढ़ जिले में पूर्व में भी सामने आ चुकी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुष्पेन्द्र दीक्षित ने इस नियुक्ति को फर्जी और अनियमित बताते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संदर्भ में जिला प्रशासन द्वारा अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला जिला स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जन शिक्षा केंद्र पाली में छात्रों को वितरित की गई साइकिल

पलेरा। विकासखंड पलेरा के अंतर्गत आने वाली जन शिक्षा केंद्र पाली में आज छात्रों को साइकिल वितरित की गई। विगत हो की 3 किलोमीटर से अधिक दूरी होने पर मध्य प्रदेश शासन के द्वारा छात्राओं को अध्ययन कार्य को सुगम बनाने के लिए साइकिलिंग प्रदान की जाती हैं। इसी उपलक्ष्य में आज जन शिक्षा केंद्र पाली के प्राचार्य सुनील विश्वकर्मा ने ब सरपंच ठाकुरदास राजपूत तथा शिक्षकों में राजेश अहिरवार, बृजेश पटेरिया, मुकेश विश्वकर्मा, प्रमोद अहिरवार के द्वारा छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया साइकिल वितरित होने पर छात्र छात्राओं के चेहरे पर एक मुस्कान साफ नजर आई तथा प्राचार्य ने कहा कि साइकिल वितरण से कक्षा की छात्र संख्याओं में वृद्धि दर्ज होगी।

लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा दिव्यांग; पानी की निकासी न होने से घर मे भरा घुटनों तक पानी

पन्ना । ज़िले के बृजपुर में लोक निर्माण विभाग (क्क्ष्ठ) द्वारा बनाई गई एक सड़क अब ग्रामवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। सड़क निर्माण के दौरान बारिश के पानी की निकासी की उचित प्रबंध न होने से थोड़ी सी बारिश में भी गलियों और घरों में पानी भर जाता है। इस समस्या का सबसे बुरा खामियाजा विकलांग रोहित कोरी और उनका परिवार भुगत रहा है, जिनके घर में घुटनों तक पानी भर गया है। बतादें की आज दिन बुधवार दिनांक 16 जुलाई को पीड़ित ने बताया कि पानी निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी रोहित कोरी के घर में घुस गया है, जिससे उनकी गृहस्थी का सारा सामान भीग गया है। एक विकलांग व्यक्ति होने के नाते, घुटनों तक भरे पानी में उन्हें आने-जाने और रोजमर्रा के काम करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनका जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और परिवार को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार क्क्ष्ठ अधिकारियों से इस समस्या की शिकायत की है, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं। हर बारिश में उन्हें इसी तरह की परेशानी से जूझना पड़ता है। अब स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोगों के घरों में पानी घुस रहा है और मूलभूत सुविधाएं भी बाधित हो रही हैं। ग्रामवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने और सड़क के किनारे उचित जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि रोहित कोरी जैसे लोगों को और अधिक मुश्किलों का सामना न करना पड़े। यदि जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

समग्र ई-केवाईसी में लापरवाही पर 2 पंचायत सचिव निलंबित

पन्ना । कलेक्टर पन्ना द्वारा समग्र ई-केवाईसी की निरंतर समीक्षा की जा रही है। इस क्रम में जनपद पंचायत पन्ना की न्यून प्रगति की ग्राम पंचायतों की समीक्षा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमराव सिंह मरावी द्वारा गत 15 जुलाई को की गई, जिसमें जनपद की सबसे खराब प्रगति की ग्राम पंचायत सिरस्वाहा के सचिव कमलेन्द्र सिंह तथा सकरिया के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जनपद पंचायत कार्यालय मुख्यालय नियत किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत सिरस्वाहा के ग्राम रोजगार सहायक मनोज कुमार पाल एवं ग्राम पंचायत सकरिया के ग्राम रोजगार सहायक लोकेन्द्र सिंह के विरूद्ध विस्तृत जांच संस्थित कर 50 प्रतिशत मानदेय भुगतान किये जाने संबंधी आदेश जारी किये गये हैं। इसके अतिरिक्त खराब प्रगति की ग्राम पंचायत बराछ, धरमपुर, मनौर, झरकुआ, बड़गड़ीखुर्द, गौरा, तिलगुवां, मनकी, सिलधरा, मुटवांकलां, बृजपुर, लक्ष्मीपुर, इटवांखास, दिया, लुहरहाई, मकरीकुठार, रमखिरिया तथा बख्तरी के सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने संबंधी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलेहा में डॉक्टर की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों ने दिया संयुक्त ज्ञापन

पन्ना । युवा नागवंशी संगठन अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा युवा मोर्चा, लोधी क्रांति सेना व क्षेत्र वासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर स्वास्थ्य केन्द्र में की डॉक्टर पदस्थापना की मांग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलेहा में अनियमितता व डॉ चौधरी की मनमानी तानाशाही के चलते जनता की आवाज व विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा पन्ना कलेक्टर द्वारा डॉ चौधरी को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया था तब से एक माह गुजर जाने के बाद भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सलेहा डॉक्टर विहीन है जिस कारण लोग इलाज के लिए अन्यत्र भटक रहे है वही प्राईवेट क्लीनिक चला रहे लोगो से मनमानी फीस लेकर भी उचित उपचार नही प्रदान किया जा रहा है। विषम परिस्थिति में लोगों कको सही इलाज नहीं मिल पा रहा है जिसको दृष्टिगत रखते हुए सलेहा परिक्षेत्र के सामाजिक संगठनों ने क्षेत्रीय जनता की मांग पर कलेक्टर पन्ना को दिनांक 16.7.2025 को ज्ञापन पत्र सौप कर प्राथमिक स्वास्थ्य सलेहा में तुरंन्त योग्य अच्छे डॉक्टर की पदस्थापना की मांग की ज्ञापन में युवा नागवंशी संगठन, अखिल भारतीय ब्राह्मण संगठन युवा मोर्चा जिला पन्ना लोधी क्रांति के द्वारा पत्र में लेख किया गया है कि सलेहा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में बारिश के कारण मरीजो के उपचार हेतु डॉक्टर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

खाद्य कारोबारकर्ताओं पर 8 लाख 25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित

अपर कलेक्टर न्यायालय का निर्णय

एक माह में जुर्माना राशि जमा न करने पर होगी वसूली एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

पन्ना । अपर कलेक्टर न्यायालय पन्ना द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के उल्लंघन पर प्रस्तुत प्रकरणों में सुनवाई कर जिले के 34 खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरूद्ध 8 लाख 25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार राय ने जानकारी दी कि इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना में इन्द्रजीत गुप्ता को अवैध रूप से मिलावटी घी का निर्माण करते पाए जाने पर एक लाख 50 हजार रूपए तथा मोहन्द्रा में अवैध रूप से केक विक्रय पर राज साहू, दीपक साहू हटा जिला दमोह पर 25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित करने की कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त अमानक स्तर की खाद्य सामग्री विक्रय पर नमूनों की जांच उपरांत रोहित चौरसिया दादा दूध डेयरी पवई, अमन चौरसिया अमन एजेंसी मोहन्द्रा, नंदकिशोर साहू आनवी किराना मोहन्द्रा, केशरी प्रसाद यादव दूध विक्रेता खजुरी कुड़ार, सनद यादव दूध विक्रेता दहलान चौकी, अभिषेक द्विवेदी कानपुर स्वीट्स पन्ना, सुरेश यादव दूध विक्रेता बनहरीकला अजयगढ़, रोहित खटीक दीक्षा दूध डेयरी पवई, राजेश पटेल दूध डेयरी अजयगढ़, सौरभ गुप्ता जटाशंकर चौपाटी अमानगंज, जीतेन्द्र पटेल मिठाई विक्रेता पवई, लक्ष्मी यादव प्रधान डेयरी पिपरवाह अमानगंज, सत्यम केशरवानी, सत्यनारायण केशरवानी, कन्हैया स्वीट्स किशोर जी मंदिर के पास पन्ना, बब्लू यादव आकाश डेयरी माधवगंज अजयगढ़, प्रमोद सिंह यादव दूध विक्रेता देवेन्द्रनगर, शिवशरण गर्ग, मामा भांजा रेस्टोरेंट गुनौर, मनोज रैकवार कड़ा लस्सी भण्डार पन्ना, शैतान सिंह ओम बीकानेर मिष्ठान भण्डार अमानगंज, खकेन्द्र कठायत नेपाली मोमोज पन्ना, अरविन्द यादव दूध विक्रेता सकरिया, राहुल जैन, जैन होटल अस्पताल चौराहा पन्ना तथा सुरेश कुमार गुप्ता बृजवासी स्वीट्स बस स्टैंड पन्ना पर 25-25 हजार रूपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। इसी तरह राजेश तिवारी दूध विक्रेता अमानगंज, अरूण द्विवेदी चाय विक्रेता इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना, गर्जन सिंह दूध विक्रेता गुनौर, राकेश कुमार जैन, रक्कू टी स्टॉल देवेन्द्रनगर, पवन अग्रवाल, जीतेन्द्र अग्रवाल, मां शारदा चाय नास्ता दुकान गुनौर, रामनारायण सिंह यादव दूध विक्रेता अम्हा तिगैला अजयगढ़, पुष्पराज पाटकर राज मेडिकल स्टोर अस्पताल चौराहा पन्ना, अब्दुल नईम दूध विक्रेता बनौली अजयगढ़, चंद्रिका प्रसाद सेठिया, सेठिया रेस्टोरेंट शाहनगर और ज्ञानेन्द्र विश्वकर्मा ज्ञानेन्द्र किराना इंद्रपुरी कॉलोनी पन्ना पर 10-10 हजार रूपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी ने बताया कि संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं को एक माह के भीतर वरिष्ठ न्यायालय में अपील न करने की स्थिति में निर्धारित जुर्माना राशि न्यायालय में जमा करने के संबंध में सूचित किया गया है अन्यथा वसूली कार्रवाई कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित प्रतिष्ठान और व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

जु-जित्सु मार्शल आर्ट योद्धा आज होंगे भोपाल के लिए रवाना

11 वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे दम, पन्ना जिले से 17 खिलाड़ी लेंगे भाग

पन्ना । जिले के जु-जित्सु मार्शल आर्ट खिलाड़ी आज 17 जुलाई 2025 को भोपाल के लिए रवाना होंगे, जहां वे 18 से 20 जुलाई तक आयोजित 11वीं राज्य स्तरीय जु-जित्सु प्रतियोगिता 2025 में भाग लेकर पन्ना जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में फिटनेस ट्रेनिंग एकेडमी पन्ना मार्शल आर्ट क्लासेस और जिला जु-जित्सु संघ पन्ना के चयनित खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। फिटनेस ट्रेनिंग एकेडमी के संचालक इरफान खान ने जानकारी देते हुए बताया कि 4-5 जुलाई 2025 को चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल, पन्ना में आयोजित 7वीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को इस 11 वीं राज्य स्तरीय जु-जित्सु प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है। चयनित खिलाड़ियों की सूची वर्ग अनुसार सब जूनियर वर्ग में समर्थ कुशवाहा (20 किग्रा), विराज शर्मा (22 किग्रा), श्रावणी बिरला (22 किग्रा), अन्वेशा दुबे (22 किग्रा), सत्या अहिरवार (28 किग्रा), आयुष शर्मा (28 किग्रा), नव्या साहू (45 किग्रा), आध्या खरे (44 किग्रा), आराध्या साहू (40 किग्रा), जूनियर वर्ग में रामप्रकाश विश्वकर्मा (40 किग्रा), आद्या गुप्ता (44 किग्रा), मनीष विश्वकर्मा (45 किग्रा), अदिति गुप्ता (63 किग्रा), सीनियर वर्ग में पीयूष विश्वकर्मा (56 किग्रा), दीपशिखा डागौर (63 किग्रा) टीम के साथ टीम मैनेजर इरफान खान एवं कोच हर्षिता विश्वकर्मा भी रहेंगे, जो खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देंगे। ये दोनों प्रशिक्षक स्वयं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं और इस प्रतियोगिता में बतौर खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। जिला जु-जित्सु संघ पन्ना के अध्यक्ष लॉरेंस एट्रेस ने विश्वास जताया कि इस बार पन्ना की टीम दमदार प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर शानदार खेल दिखाया और अब राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट परिणाम देंगे। शुभकामनाएं देने वालों में प्रमुख से विजेन्द्र खरसोदिया (अध्यक्ष, म.प्र. जु-जित्सु संघ), रोहणी कलम (सचिव, म.प्र. जु-जित्सु संघ), नईम खान (संचालक, चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल), पहलवान सिंह (संरक्षक, फिटनेस ट्रेनिंग एकेडमी), महेंद्र विश्वकर्मा (अध्यक्ष, जिला वुशू संघ), कृष्ण श्रीवास्तव (अध्यक्ष, शोतोकाई कराते संघ), मनोज कैशरवानी समाजसेवी, सैफ उल्ला (संचालक, पन्ना हेल्थ क्लब) महेंद्र कुशवाहा, राजकुमार शर्मा, राहुल बिरला, राजा बाबू अहिरवार, कृष्ण कुमार शर्मा, राहुल साहू, योगेश खरे, मुकेश साहू, जगमोहन विश्वकर्मा, दिलीप गुप्ता, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, बृजलाल डागौर सहित कई अभिभावकों और खेलप्रेमियों ने टीम को शुभकामनाएं दीं। पन्ना जिले की जु-जित्सु मार्शल आर्ट टीम इस राज्य स्तरीय मंच पर न सिर्फ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी बल्कि जिले का गौरव भी बढ़ाएगी। सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं।

चितरंगी मे नशा भ्रष्टाचार और बदहाली के विरुद्ध

भगवती मानव कल्याण संगठन ने सीएम के नाम सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन

15 दिन में कार्रवाई नहीं तो होगा बड़ा आंदोलन

जागरण, सिंगरौली

चितरंगी तहसील में व्याप्त नशाखोरी भ्रष्टाचार और विकासहीनता के खिलाफ अब जनता की आवाज बुलंद हो चुकी है। भगवती मानव कल्याण संगठन और भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के नेतृत्व में वर्षों से समाज को भय.भूख.भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं ने अब चितरंगी की समस्याओं पर निर्णायक मोर्चा खोल दिया है। इसी क्रम में आज चितरंगी मे मध्यप्रदेश को नशा मुक्त और समस्यामुक्त बनाने की दिशा में जागरूकता लाने हेतु भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओ द्वारा नशा मुक्ति जनजागरण सद्भावना रैली का आयोजन कर चितरंगी तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। रैली चितरंगी तहसील परिसर से प्रारंभ होकर अस्पताल चौराहा होते हुए यादव मोड़ तक और पुनः एसडीएम कार्यालय पहुंचकर रैली संपन्न हुई। रैली के समापन के बाद मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत 11 सूत्रीय ज्ञापन चितरंगी एसडीएम को सौंपा गया है जिसमें क्षेत्र की गंभीर समस्याओं का उल्लेख किया गया है और समाधान की मांग की गई है ज्ञापन में कहा गया है कि चितरंगी तहसील क्षेत्र में नशाखोरी का साम्राज्य फैल चुका है। महुए से बनी कच्ची शराब का अवैध कारोबार करीब 1000 से अधिक स्थानों

पर खुलेआम चल रहा है। वहीं लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानें भी नियमों को ताक पर रखकर गांव.गांव की किराना दुकानों और गुमटियों तक शराब पहुंचा रही हैं। स्थिति इतनी विकट है कि आज शायद ही कोई गांव बचा हो जहां अवैध गांजा और शराब का धंधा न होए और यह सब प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा है। ज्ञापन में यह भी आरोप है कि मनरेगा में जेसीबी से कार्य करवाकर मजदूरों का हक मारा जा रहा है और फर्जी भुगतान हो रहा है। इसके अलावा चितरंगी के शासकीय कार्यालयों में आम जनता का काम बिना पैसे दिए नहीं होताए जिससे लोग बार.बार चक्कर काटने को मजबूर हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का जिक्र करते हुए बताया गया कि चितरंगी अस्पताल में ऑपरेशन की सुविधा नहीं है जिससे जच्चा.बच्चा की जान पर बन आती है। साथ ही कई उप स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर विहीन हैं। ऐसे में एक ट्रॉमा सेंटर स्तर का अस्पताल बनाना अति आवश्यक है। संगठन ने मांग की है कि अंडे व मांस की दुकानें मंदिरों व स्कूलों के सामने से हटाई जाएं तथा उनमें पर्दा लगाना अनिवार्य किया जाए। बैलहवा नदी पर अब भी लोग बांस की पुल से जान जोखिम में डाल पार कर रहे हैं जिस पर पक्के पुल का निर्माण निहायत जरूरी है चितरंगी क्षेत्र के पंचायतों में गायों को अस्थायी बाड़ों में बंद कर दिया जाता है जहां चारा और पानी की कमी से उनकी मृत्यु तक हो रही है। ज्ञापन में दोषियों पर कार्यवाही की मांग के साथ एक बृहद गौशाला व गौ अभ्यारण की स्थापना की मांग की गई है। शासकीय विद्यालयों की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। कई विद्यालयों में शौचालय बदहाल हैं और शिक्षक विद्यालय समय में अनुपस्थित रहते हैं जिससे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। इन मामलों की जांच कर विद्यालयों की गुणवत्ता सुधारने की मांग की गई है। अंत में संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 15 दिवस के भीतर समस्याओं के समाधान हेतु कोई ठोस कदम या लिखित आश्वासन नहीं दिया जाताए तो संगठन बृहद आंदोलन के लिए बाध्य होंगा। चितरंगी की जनता अब जाग चुकी है। आवाज बुलंद हो चुकी है। अब प्रशासनिक निष्क्रियता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष की घड़ी आ गई है। उक्त कार्यक्रम में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता भगवती मानव कल्याण संगठन के जिला प्रभारी प्रेम सागर गुप्ता संगठन जिला अध्यक्ष शिवाकांत अग्रहरी महिला अध्यक्ष रंजना गुप्ता युवा मोर्चा उपाध्यक्ष रामबली पाल तह.अध्यक्ष पिंटू जायसवाल ब्लॉक अध्यक्ष रामजतन बारी रामभजन बारी राम पुलिस पाल रामकृपाल जायसवाल अखिलेश शाह के साथ पार्टी के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल फिसलने पर सिर पर लगी चोट से हुई मौत

जागरण, बैढ़न। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी परसोना वितरण केंद्र में कार्यरत 35 युवा स्थाई कर्मचारी दो महीने ही हुए थे की खुटार निवासी हरि नरेश रजक शासकीय कार्य के दौरान लाइन बंद को चालू करने दीहवा टोला खुटार जा रहे थे की मोटरसाइकिल बरसात में गड्ढे में गिर जाने से सिर में चोट लगने से सिंगरौली अस्पताल लाया गया था तथा सिंर में गंभीर चोट के कारण टामा सेंटर बैढ़न से जबलपुर रेफर किया गया था एम्बुलेंस सीधी पहुंचते ही कर्मचारी की मृत्यु हो गई कथित कर्मचारी झुमुक लाल रजक का पुत्र था झूमुख लाल रजक की भी अचानक मृत्यु हार्ट अटैक से 5 वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान हो गई थी जिसकी अनुकंपा नियुक्ति हरि नरेश को मिली थी 4 साल हरि नरेश आउटसोर्स कर्मचारी रहा अभी 14 /5 /25 को स्थाई श्रमिक के रूप में नियमित हुआ था जो कूल एक माह 28 दिन रेगुलर कर्मचारियों के रूप में कार्य किया और वह आज हमारे बीच नहीं है ज्ञात हो की हरि नरेश रजक एक अच्छा कुशल तकनीकी कर्मचारियों के रूप में कार्य कर रहा था जो लगभग तीन चार पंचायत में बिजली एवं चालू करने तथा पल में चढ़कर विद्युत सुधार का कार्य करता था मोटरसाइकिल से गड्ढे में गिरने से गंभीर चोट लगी तथा कर्मचारी उपचार के दौरान अंतिम सांस लिया कर्मचारी के मृत्यु पर कार्यपालन अभियंता ओमप्रकाश द्विवेदी ग्रामीण एवं शहर कार्यपालन अभियंता हेमंत चौधरी एविपिन द्विवेदी एसहायक अभियंता संदीप विश्वकर्मा तथा कार्यपालन अभियंता दिनकर दुबे एवं सहायक अभियंता टी के मोदी व कनिष्ठ अभियंता राजीव चौरसिया परसोंना राजमिलपन कनिष्ठ अभियंता रितेश सिंह दाह संस्कार के समय खुटार में मौजूद रहे और गहरा दुख व्यक्त किया कर्मचारी नेता नरेंद्र मिश्रा ने कर्मचारियों को बचाने के लिए कई प्रयास किया लेकिन प्रयास असफल रहा ग्राम खुटार से गैविनाथ रजक रामनरेश रजक शिव नरेश रजक तथा संतोष रजक एडवोकेट त्रिलोकी प्रसाद द्विवेदी कई लोगों ने कर्मचारियों को बचाने का प्रयास किया लेकिन नहीं बच पाया मृतक हरि नरेश रजक के दो पुत्र हैं बड़ी पुत्री प्राची 12 वर्ष की है तथा बेटा अनुराग रजक 8 वर्ष का है कर्मचारी के अंतिम संस्कार में जिले के दर्जन अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे तथा सभी ने ईश्वर से प्रार्थना किया है कि मृतक परिवार के बच्चों एवं परिवार को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दें और दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आदिवासी कांग्रेस सिंगरौली ने राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

जागरण, चितरंगी। भारतीय राष्ट्रीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश के प्रदेश महासचिव तिलकराज सिंह वी उइके के विशेष उपस्थिति में आदिवासी कांग्रेस सिंगरौली जिले के अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह के अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को जिला ब्लॉक पंचायत पोलिंग बूथ स्तर पर प्रभावी रूप से मजबूत कांग्रेस पार्टी का निर्माण एवं निर्देशन पर अगस्त में आदिवासी कांग्रेस द्वारा प्रशिक्षण शिविर पर एवं लंबित वन अधिकार सामुदायिक वन पट्टे के विषय पर चर्चा आदिवासियों के संस्कृति पर्व विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने बाबत राज्यपाल के नाम कलेक्टर सिंगरौली को ज्ञापन सौंपा इस अवसर पर सुष्मिता सिंह राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिले का अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह उपाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस सिंगरौली रमेश पनिका उपाध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस सिंगरौली ललन सिंह ब्लॉक अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस चितरंगी रूप शाह बैगा ब्लॉक अध्यक्ष देवसर मनीष कुमार बियार ब्लॉक अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस खुटार इंद्रभान सिंह महासचिव आदिवासी कांग्रेस चंद्र प्रताप सिंह महासचिव आदिवासी कांग्रेस लोलर सिंह महासचिव आदिवासी कांग्रेस राजकुमार सिंह सचिव आदिवासी कांग्रेस वीरेंद्र कुमार सिंह मरकाम महासचिव आदिवासी कांग्रेस दयाराम पनिका तेज नारायण वैस की उपस्थित रही।

प्रांतीय स्तर पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कार्यवाही करने चेतावनी

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा सिंगरौली ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर सिंगरौली को सौंपा ज्ञापन

जागरण, बैढ़न। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश जिला शाखा सिंगरौली ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर सिंगरौली को ज्ञापन सौपा सिंगरौली मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार दुबे एवं रीवा संभाग के संभागीय संयोजक आर त्रिपाठी के दिशा निर्देश द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरे मध्य प्रदेश में आज पेंशनर की गंभीर समस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली को जिले के कलेक्टर के माध्यम से मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के विभाजन पश्चात पेंशनर परिवार पेंशनर्स के दायित्व के भुगतान के संबंध में तथा मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 की छठी अनुसूची समाप्त करने के संबंध में 3 सूत्रीय मांग पत्र वरिष्ठ नागरिक पेंशन संगठन के प्रदेश सचिव नरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में जिला के अध्यक्ष राजेश्वरी पांडे एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिचकन राम तिवारी राम नरेश शर्मा तथा संयुक्त अधिकारी कर्मचारी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजय सिंह चौहान तथा भारत पेंशनर्स के जिला अध्यक्ष जे एस द्विवेदी तथा कई अन्य साथियों के साथ सिंगरौली के कलेक्टर चंद शेखर शुक्ला को मांग पत्र सौपा जहां कलेक्टर ने उदारता पूर्वक माग पत्र को मुख्यमंत्री प्रदेश शासन एवं प्रधानमंत्री भारत सरकार को इस ज्ञापन को अग्रेषित करने का आश्वासन दिया उक्त ज्ञापन के समय डिप्टी कलेक्टर संजीव कुमार पांडे के उपस्थित विशेष रूप से रही जिनके द्वारा माग पत्र के ज्ञापन में पार्वती दी गई ज्ञापन में कहा गया है कि यदि समय से वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन के मांग पत्र और विचार नहीं किया गया तो प्रांतीय स्तर पर अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कार्यवाही करने हेतु सभी वरिष्ठ नागरिक पेंशनर बाध्य होंगे यह जानकारी संगठन के प्रदेश सचिव नरेंद्र प्रसाद मिश्र द्वारा दी गई।

लायंस क्लब ऑफ बैंढ़न सिटी द्वारा किया गया पौधरोपण

जागरण, बैढ़न। लायंस क्लब ऑफ बैंढ़न सिटी द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारी सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया। वृक्षारोपण के दौरान फलदार और छायादार वृक्षों का रोपण किया गया। लायंस क्लब नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनी ने कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं और हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। सचिव विनम्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने भी लोगों को पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पेड़ की देखरेख करने का संकल्प लिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली को संरक्षित रखने की अपील की।

वृक्षारोपण में इनकी रही मौजूदगी : लायंस क्लब ऑफ बैंढ़न सिटी द्वारा किए गए वृक्षारोपण में एसडी सिंह सजन अग्रवाल डॉ डीके मिश्रा कामतानाथ केसरवानी संजय ताम्रकार इम्तियाज अहमद मोहन जायसवाल सुमित बंटी पाण्डेय सुरेन्द्र कुमार गुप्ता विनम्र सिंह वीरेन्द्र कुमार गुप्ता की सहभागिता रही।

प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शाह ने रामगोपाल पाल पार्षद का किया स्वागत सम्मान

जागरण बैढ़न। जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर आंदोलन कारी पार्षद रामगोपाल पाल के जमानत पश्चात प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शाह के द्वारा पार्षद राम गोपाल पाल को माला पहनकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत सम्मान किया गया पार्षद रामगोपाल पाल ने कहा कि दमनकारी नीतियों का विरोध होता रहेगा जनहित मुद्दों को हम और हमारी टीम उठाते रहेंगे चाहे इसके लिए हमें अपनी प्राण की आहुति क्यों न देनी पड़े। इसी कड़ी में प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शाह ने कहा कि जनता के हित के लिए आवाज उठाने पर भाजपा सरकार के द्वारा फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं जो कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी यदि इसी क्रम में जिला प्रशासन कार्य करेगी तो निश्चित रूप से अति शीघ्र बड़ा जन आंदोलन होगा। उक्त अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश कोऑर्डिनेटर लखनलाल शाह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक शाह संगठन मंत्री अधिवक्ता उसैद हसन सिद्दीकी पार्षद खुर्शीद आलम चंद्रशेखर जायसवाल गुलशेर अहमद दिवाकर सोनी शरीफ सेन अन्य लोग उपस्थित रहे।

सरस्वती विन्ध्यनगर में छात्र संसद का सम्पन्न हुआ शपथ ग्रहण समारोह

जागरण, विन्ध्यनगर। सरस्वती शिशु मन्दिर उ.मा. विद्यालय विन्ध्यनगर में आज छात्र संसद का गठन पश्चात शपथ ग्रहण समारोह किया गया। प्रार्थना सभा में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में छात्र सांसद को शपथ गहण कराया गया। व्याख्याता प्रभाशंकर गुप्त द्वारा छात्र सांसदों का विभाग एवं दायित्व विभाजन किया गया। प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम गुप्ता द्वारा उपस्थित अतिथियों का तिलक वंदन से स्वागत किया गया। विद्यालय प्रबन्धकारिणी समिति के सह.व्यवस्थापिका श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव ने छात्र सांसदों को शपथ दिलायी। प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे ने छात्र संसद को सम्बोधित करते हुये अपेक्षा की कि छात्र सांसद अपने कार्य को निष्ठा से करते हुये विद्यालय की प्रगति में अपना योगदान देंगे। कल्याण मंत्र के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

संतोष जायसवाल बनें जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी

जागरण, सरई। जायसवाल समाज के संतोष जायसवालए अध्यक्ष जायसवाल सेवा मंच ऊर्जांचल सोनभद्र सिंगरौली को अखिल भारतीय कलार कलाल कलवार जायसवाल महासभा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य का प्रभारी भी मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति समाज की एकता संगठनात्मक शक्ति और सक्रिय भागीदारी को बल देने के उद्देश्य से की गई है। संतोष जायसवाल लंबे समय से समाज के उत्थान संगठन विस्तार और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनके समर्पण और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना समाज के लिए प्रेरणास्पद है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव ध्रुवचंद जायसवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव जायसवाल एवं महिला अध्यक्ष रूपा जायसवाल सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। संतोष जायसवाल को दो महत्वपूर्ण दायित्वों से सुशोभित किए जाने से न केवल सिंगरौली क्षेत्र बल्कि पूरे समाज में उत्साह और गौरव की लहर दौड़ गई है। समाजजनों ने इसे संगठन की सुदृढ़ता का प्रतीक मानते हुए हर्ष व्यक्त किया है। यह नियुक्ति निश्चित ही समाज के नव निर्माण और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली उपस्थिति की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध होगी।

सूखे कुएं मे छिपा रखी थी शराब, आबकारी विभाग ने किया जब्त

जागरण, रीवा। आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त मऊगंज क्षेत्र में कई स्थान पर एक साथ दबिश देते हुए भारी मात्रा में महुआ लाहन और कच्ची शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सूखे हुए के अंदर से कच्ची शराब के डिब्बे जब्त किए हैं वहीं घर के अंदर बनाई जा रही शराब के कारखाने को भी नष्ट किया है। आबकारी टीम ने ग्राम भलुहा में रामगोपाल जायसवाल के मकान से 220 किलो महुआ लाहन और 6 लीटर हाथ भट्टी की शराब, कुसमा जायसवाल से 160 किलो लाहन और 4 लीटर शराब जब्त की गई। जबकि ग्राम नौआ में सोनू देवी केवट से 220 किलो लाहन और 5 लीटर शराब, ग्राम लेहुआ में विमलेश साकेत से 160 किलो लाहन, ग्राम सोनवर्षा में संतोष कुमार जायसवाल से 23 पाव शराब, ग्राम कोरिगवां में दो अलग-अलग स्थानों से 360 किलो लाहन और 14 लीटर शराब जब्त की गई है। इसी तरह ग्राम सेनुआ में पूनम प्रजापति, नईगढ़ी में अजय कोल, सबिता जायसवाल से 640 किलो लाहन और 15 लीटर शराब बरामद हुई। इस पूरी कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग की टीम द्वारा 1220 किलो ग्राम लावारिस महुआ लाहन एवं 40 लीटर शराब भी पकड़ी है।

सीआईएसएफने बर्मिंघम यूएसए में आयोजित

फायर गेम्स 25 में 64 पदक जीतकर देश को किया गौरवान्वित

सीआईएसफ यूनिट एनसीएल के इकाई प्रभारी खिल्लारे एसपी कमांडेंट द्वारा सीआईएसएफके सभी पदक विजेताओं को सफलता के लिए दी बधाई

जागरण, सिंगरौली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ ने बर्मिंघम यूएसए में आयोजित वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स 2025 में कुल 64 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। यह प्रभावशाली प्रदर्शन भारत को कुल 560 पदकों के साथ समग्र पदक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचाने में मददगार साबित हुआ। विभिन्न राज्यों के सीआईएसएफ एथलीटों की उपलब्धियों में हरियाणा की गुरजीत सिंह जींद हरियाणा हाई जंप में स्वर्ण हथौड़ा फेंक में रजत डिकैथलॉन में कांस्य ट्रिपल जंप में कांस्य और पोल वॉल्ट में कांस्य एलएएसआई रीना हिसार हरियाणा10 किमी क्रॉस कंट्री में स्वर्ण 5000 मीटर में स्वर्ण 10,000 मीटर में स्वर्ण हाफ मैराथन में स्वर्ण और हाफ मैराथन टीम इवेंट में स्वर्ण 1500 मीटर में रजत अपने नाम किया है। हरियाणा के पहलवान सनी कुमार अजय डागर हरीश मोहित और अभिमन्यु ने अपनी श्रेणी में सभी स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान. की उमा चौधरी जोधपुर राजस्थानभाला फेंक में स्वर्ण अपने नाम किया है। त्रिपुरा की मधुमिता देब खोवई त्रिपुरा 4 गुणे 100 मीटर रिले में स्वर्ण 100 मीटर में रजत 400 मीटर में रजत और 200 मीटर में कांस्य पदक जीते। उत्तर प्रदेश की मुकुल अमरोहा यूपी हथौड़ा फेंक में स्वर्ण डिस्कस थ्रो में रजत शॉटपुट थ्रो में रजत और भाला फेंक में रजत पदक जीते। बबीता प्रयागराज यूपी पोल वॉल्ट में स्वर्ण हेप्टाथलॉन में रजत हाई जंप में कांस्य और 4 गुणे 100 मीटर में कांस्य। किमी सोनम अमरोहा यूपी 4 गुणे 100 मीटर मिक्स्ड रिले में स्वर्ण 4 गुणे 100 मीटर रिले में स्वर्ण लॉन्ग जंप में रजत हाई जंप में रजत ट्रिपल जंप में रजत और पोल वॉल्ट में रजत 100 मीटर हर्डल्स में कांस्य। बिहार के विजया कुमारी पूर्वी चंपारण बिहार100 मीटर में स्वर्ण 200 मीटर में रजत 400 मीटर हर्डल्स में रजत और 400 मीटर में कांस्य। केरल. के एचसी अमरिदेश यू पालक्कड़ केरल 100 मीटर फ्री स्टाइल में स्वर्ण 4 गुणे 50 फ्री स्टाइल रिले में स्वर्ण 4 गुणे 50 मेडली रिले मेन में स्वर्ण 4गुणे 50 मिक्स्ड मेडली रिले में स्वर्ण 50 फ्री स्टाइल में रजत 4गुणे 50 मिक्स्ड फ्री स्टाइल रिले में रजत और 200 फ्री स्टाइल में कांस्य। सीआईएसफ यूनिट एनसीएल सिंगरौली के इकाई प्रभारी खिल्लारे एस पी कमांडेंट के द्वारा सीआईएसएफके सभी पदक विजेताओं को उनके इस शानदार सफलता के लिए बधाई दिया साथ ही अन्य बल सदस्यों को भी इस तरह के खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया।

लॉर्ड्स में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड पर जुर्माना डब्ल्यूटीसी अंक भी कटे, तीसरे स्थान पर खिसका

निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके, प्लेयर्स पर 10 प्रतिशत जुर्माना

जेएनएन, लंदन

इंग्लैंड की टीम बुधवार को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गई, क्योंकि लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण उसके दो अंक काट दिए गए। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम पर टेस्ट के बाद मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रन से जीता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया, क्योंकि उसकी टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे। भारत अभी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। आईसीसी ने कहा, खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की न्यूनतम ओवर गति से जुड़ी धारा 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इसमें कहा गया है, इसके अलावा आईसीसी डब्ल्यूटीसी की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम होने पर टीम का प्रत्येक

ओवर के लिए एक अंक काट दिया गया है। इस तरह से इंग्लैंड के डब्ल्यूटीसी के कुल अंकों में से दो अंक काट दिए गए हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी।

श्रीलंका को फायदा, भारत चौथे नंबर पर

डब्ल्यूटीसी में इंग्लैंड के से 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इस कारण उसका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 प्रतिशत से घटकर 61.11 प्रतिशत हो गया। श्रीलंका को इसका फायदा मिला, जिसका प्रतिशत 66.67 है और वह इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया अब तक अपने तीनों मैच जीतकर 100 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारत का प्रतिशत 33.33 है।

रूट फिर बने दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज, यशस्वी, पंत व गिल खिसके

दुबई, जेएनएन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने एक सप्ताह के अंदर फिर से आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है, जबकि भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा बुधवार को जारी नवीनतम सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट में रूट ने 104 और 40 रन बनाए थे। इस शानदार प्रदर्शन से वह अपने करियर में आठवीं बार दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने। रूट अभी 34 साल के हैं और वह दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाड़ी ने 37 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। रूट ने अपना शीर्ष स्थान हमवतन हैरी ब्रूक से खो दिया था, जो अब केन विलियमसन से पीछे तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल और उपकप्तान रिषभ पंत एक-एक पायदान नीचे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। कप्तान शुभमन गिल भी तीन पायदान गिरकर नौवें स्थान पर आ गए हैं। जडेजा पांच पायदान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर आ गए हैं। केएल राहुल भी पांच पायदान ऊपर चढ़कर जडेजा से एक पायदान पीछे 35वें स्थान पर हैं।

गेंदबाजीः बुमराह शीर्ष पर, ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा पर 50 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने छह स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से वह अपने चार हमवतन गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और मिशेल स्टार्क के साथ शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर गेंदबाजों की सूची में 58वें से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पंत-नायर का आउट होना टर्निंग प्वाइंट रहा : शास्त्री

लंदन, जेएनएन। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि पहली पारी में रिषभ पंत के आउट होने और दूसरी पारी में करुण नायर के विकेट से लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के लिए जीत का रास्ता खुला। शास्त्री ने 'द आईसीसी रिव्यू' में कहा, इस टेस्ट मैच में मेरे लिए पहला टर्निंग प्वाइंट पंत का आउट होना (पहली पारी में) था। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पंत को रनआउट करने के लिए अद्भुत सूझबूझ का परिचय दिया। अगर यह विकेट नहीं गिरता तो भारत अच्छी स्थिति में पहुंच जाता। करुण और केएल राहुल ने चौथे दिन दूसरी पारी में भारत का स्कोर एक विकेट पर 41 रन तक पहुंचाया था, लेकिन तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स की गेंद पर करुण ने कोई शॉट नहीं खेला और पगबाधा आउट करार दे दिए गए। इससे भारतीय

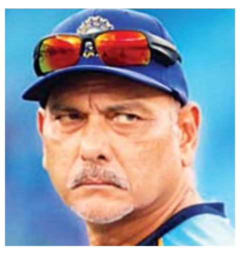

आपरी लड़खड़ा गई और इंग्लैंड को वापसी करने का मौका मिल गया। शास्त्री ने कहा, नायर की एकाग्रता को लेकर यह बहुत बड़ी चूक थी। उन्होंने एक सीधी गेंद को छोड़ दिया और इंग्लैंड के लिए रास्ता खोल दिया। मैच का वह महत्वपूर्ण दौर था और मुझे लगता है कि इससे मैच की स्थिति बदल गई। पूर्व भारतीय कप्तान ने यह भी कहा कि भारतीय शीर्ष क्रम को दूसरी पारी में थोड़ी अधिक समझदारी दिखानी चाहिए थी। शास्त्री ने कहा कि क्योंकि हमने देखा कि जब सिराज ने बल्लेबाजी की, जब बुमराह ने बल्लेबाजी की, जब जडेजा ने बल्लेबाजी की, एक बार जब गेंद 40 ओवर पुरानी हो गई, तो उन्होंने शायद ही कोई गलती की। उन्होंने कहा, उनका डिफेंस काफी मजबूत था और पांचवें दिन लंच के समय लग रहा था कि मैच अगले 10 मिनट में समाप्त हो जाएगा। ऐसे में 82 या 83 रन के अंतर को 22 रन पर लाना बड़ी उपलब्धि थी। इससे पता चलता है कि यदि चौथे दिन शीर्ष क्रम ने थोड़ी दृढ़ता दिखाई होती तो यह मैच भारत जीत जाता।

मैदान से हटकर

मैरिज एनिवर्सरी पर पत्नी अंजुम से 'लड़ने' लगे शिवम

भारतीय क्रिकेटर शिवम दुबे ने अपनी शादी की सालगिरह 16 जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। शिवम ने इस पोस्ट में पत्नी अंजुम खान के साथ वाला एक वीडियो और कुछ तस्वीरें शेयर कीं। यही पोस्ट अंजुम के इंस्टाग्राम से भी शेयर की गईं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो, मेरा प्यार।' अंजुम ने कमेंट में लिखा, 'शादी की सालगिरह मुबारक हो, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।' हालांकि, वीडियो में शिवम की पत्नी अंजुम ने लिपसिंग की है। वीडियो में दिख रहा है कि शिवम और अंजुम बिस्तर पर लेटे हुए हैं। बैकग्राउंड से डायलॉग बोला जा रहा है और अंजुम अपने होठ से उन्हीं शब्दों को दोहरा रही हैं। 'अंजुम' कह रही हैं, 'हमने सोचा था कि दोनों मिलकर दुनिया से लड़ेंगे, लेकिन हमारी खुद की लड़ाइयां कम नहीं हो रही हैं।' इसके बाद दोनों एक दूसरे के बाल पकड़कर खींचने लगते हैं। तभी बैकग्राउंड से हंसने की आवाजें आने लगती हैं।' फैंस को मैरिज एनिवर्सरी पर शिवम और अंजुम का इस तरह का वीडियो शेयर करना बहुत पसंद रहा है। यूजर्स उन्हें शादी की सालगिरह की बधाइयां दे रहे हैं। कुछ यूजर्स हंसने वाली इमोजी भी शेयर कर रहे हैं। एक तस्वीर में शिवम और अंजुम बिस्तर पर बैठे हैं और उनके हाथों में एनिवर्सरी वाला केक है। शिवम और अंजुम की शादी 2021 को हुई थी। यह एक अंतर-धार्मिक-शादी थी।

(जेएनएन)

खेल एक नजर

आरसीबी के स्टार खिलाड़ी जितेश घरेलू सत्र में बड़ौदा के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। विदर्भ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विकेटकीपर जितेश शर्मा आगामी सत्र में बड़ौदा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 वर्षीय जितेश ने 2024-25 रणजी ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं खेला था। वह कप्तान और पहले पसंद विकेटकीपर अक्षय वाडकर के विकल्प के रूप में टीम में मौजूद रहे। हालांकि, वह करुण नायर की अगुआई वाली विदर्भ की सफ़द गेंद टीमों का हिस्सा बने रहे। बताया जा रहा है कि बड़ौदा में उनका स्थानांतरण कुछ समय से प्रक्रिया में था। यह कदम क्रुणाल पंड्या से उनके करीबी रिश्तों और आईपीएल 2025 में आरसीबी के खिताबी जीत के दौरान दोनों के साथ खेलने के चलते संभव हो पाया। यह बदलाव जितेश को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपनी जगह पक्की करने का एक नया मौका दे सकता है। 2015-16 में पदार्पण के बाद से जितेश पिछले दस सत्रों में केवल 18 प्रथम श्रेणी मैच ही खेल सके हैं। उनका औसत 24.48 है, जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने आखिरी बार कोई प्रथम श्रेणी मैच लगभग 18 महीने पहले खेला था।

जापान ओपनः सात्विक-चिराग और लक्ष्य जीते सिंधू साल में पांचवीं बार पहले ही दौर में बाहर

कोरिया की सिम यू जिन से पहली बार हारी सिंधू

जेएनएन, टोक्यो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही, लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए। पूर्व विश्व चैंपियन 30 साल की सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है, जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई। सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी चुनौती पेश की, लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की, जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय ने दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में रक्षित रामराज को 21-15 18-21 21-18 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अनुपमा अगले दौर में चीन की दूसरी वरीय वांग झी यी से भिड़ेंगी। उन्नाति हुड्डा को हालांकि पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीय पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ 8-21 12-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

42 मिनट में जीते सात्विक-चिराग

पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

लक्ष्य ने चीन के वांग को हराया

पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और 11-2 की बढ़त बना ली और फिर बिना किसी परेशानी के गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जिंग ने चुनौती पेश की, लेकिन लक्ष्य ने शुरुआती लय का फायदा उठाते हुए बढ़त बनाए रखी और सीधे गेम में मैच जीत लिया। अब उनका सामना जापान के सातवें वरीय खिलाड़ी कोडाई नाराओका से होगा।

आईसीसी की चार दिवसीय एजीएम आज से

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली, टी-20 विश्व कप के विस्तार पर होगी चर्चा

जेएनएन, सिंगापुर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गुरुवार को शुरू हो रही चार दिवसीय वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान बहुचर्चित दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली, टी-20 विश्व कप का विस्तार और नए सदस्यों को स्वीकृति देने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र (2025-27) शुरू हो चुका है और ऐसे में दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली पर चर्चा धन आवंटन और प्रमोशन (निचली से शीर्ष लीग में जाना) तथा रेलीगेशन (शीर्ष लीग से निचली में खिसकना) से संबंधित प्रावधानों के इर्द-गिर्द घूमने वाली है। हालांकि यह सामान्य रूप से स्वीकार किया गया है कि मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और नई प्रणाली संभावित रूप से 2027 के बाद लागू होगी। आईसीसी चेयरमैन जय शाह और नवनियुक्त सीईओ संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में होनी वाली एजीएम में इस पद्धति पर गंभीरता से विचार होगा, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इसके प्रमुख समर्थक हैं। इस बीच आईसीसी को पिछले साल हुए टी-20 विश्व कप के आयोजन की जांच पर अंतिम अपडेट मिलने की संभावना है।

टी-20 में 24 करने पर योजना

50 ओवर के विश्व कप में और टीम जोड़ने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन आईसीसी टी-20 विश्व कप में और टीम शामिल करने पर विचार कर सकता है, जिससे संभावित रूप से इसमें 24 प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। हालांकि अगले साल से पहले कोई ठोस निर्णय लिए जाने की उम्मीद नहीं है। पिछले साल के विश्व कप से चार और टीम के जुड़ने के बाद वर्तमान में 20 टीम इस प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और यह मॉडल कम से कम 2026 के टूर्नामेंट तक जारी रहेगा, लेकिन 2028 के लॉस एंजिलिस खेलों के जरिए ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और अगले साल भारत तथा श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए इटली के क्वालिफाई करने से इस विस्तार के विचारों को बल मिला है।

लास वेगास फ्रीस्टाइल शतरंजः प्रज्ञानानंदा करेंगे भारतीय दल की अगुआई, गुकेश हटे

लॉस वेगास (अमेरिका), जेएनएन। भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानांनदा को 16 खिलाड़ियों के फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है, जबकि अर्जुन एरिगेसी और विदित गुजराती दूसरे पूल में साथ में हैं। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन इस बार भी खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 750,000 अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से 200,000 की राशि विजेता के लिए है। प्रत्येक ग्रुप में आठ खिलाड़ी हैं और शीर्ष चार खिलाड़ी अगले चरण में पहुंचेंगे, जबकि इसके बाद निचले स्थान पर रहने वाले आधे खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगे। विश्व चैंपियन डी गुकेश इस प्रतियोगिता में शिरकत नहीं करेंगे, क्योंकि उन्हें एक महीने के अंदर ग्रैंडमास्टर टूर के मुख्य टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। उन्नीस वर्षीय प्रज्ञानानंदा अपने अभियान की शुरुआत उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ करेंगे। कार्लसन अपने शुरुआती दौर में पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर से भिड़ेंगे। अमेरिका के हैंस नीमन फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट में पहली बार भाग लेंगे और पहली बाजी में एरिगेसी के सामने होंगे। वहीं गुजराती का सामना अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा। पहली बार एक महिला खिलाड़ी कजाखस्तान की बिबिसारा असाऊबुयेवा को विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीम में शामिल किया गया है।

तारा मूर पर डोपिंग मामले में 4 साल के लिए प्रतिबंध

लंदन, जेएनएन। खेल पंचाट ने डोपिंग के एक मामले में ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया है। पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति जताई है कि प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के कारण उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। मूर को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन का पॉजिटिव पाया गया था। लेकिन दिसंबर 2023 में जब एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता के दौरान दूषित मांस खाने के कारण ऐसा हुआ था। तब उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गई थी। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। 32 वर्षीय मूर अभी एकल रैंकिंग में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं।

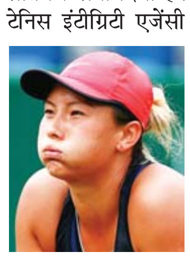

रॉबिन्सन की नाबाद पारी से न्यूजीलैंड की टी-20 त्रिकोणीय सीरीज में पहली जीत

दक्षिण अफ्रीका को 21 रनों से हराया

हरारे, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे टी-20 मुकाबले में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका को 21 रनों से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। हरारे स्पोर्ट्स कॉप्लेक्स में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टिम रॉबिंसन (नाबाद 75) और बेवन जैकब्स (नाबाद 44) के बीच 63 गेंद में नाबाद 103 रन की शतकीय साझेदारी की बदौलत पांच विकेट खोकर 173 रन बनाए। इसके बाद मैट हेनरी और जेकब डफी (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत डब्ल्यूटीस चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को 18.2 ओवर में 152 रन पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। चौथे ओवर में हेनरी ने प्रेटोरियस (27) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में डफी ने रूबिन हरमन (एक) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

07 बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में जिमी नीशम डक आउट हुए। वे न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने कॉलिन डी ग्रैंडहोम, ईशा सोढ़ी, टिम साउदी और रॉस टेलर को पीछे छोड़ा। यह सभी छह बार शून्य पर आउट हुए थे।

अनिश्चितता चिंताजनक, भारतीय फुटबॉल दहशत में : छेत्री

आईएसएल स्थगित किए जाने पर पूर्व कप्तान ने कहा-उम्मीद है जल्द समाधान निकलेगा

नई दिल्ली, जेएनएन। पूर्व कप्तान और शीर्ष स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने बुधवार को कहा कि भारतीय फुटबॉल में अनिश्चितता की मौजूदा स्थिति काफी चिंताजनक है और शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने से खेल जगत चिंतित, आहत और डरा हुआ है। लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलने वाले छेत्री ने कहा कि उन्हें देश में इस खेल के भविष्य को लेकर आशंकाएं व्यक्त करने वाले फोन कॉल और संदेशों की बाढ़ आ गई है। इस 40 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, मुझे सबसे पहले यह चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है, उसको मैं कैसे बिताऊंगा, लेकिन विभिन्न क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मेरी समस्या उतनी महत्वपूर्ण नहीं है। छेत्री ने कहा, भारतीय फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र में अभी जो अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है, उससे हर कोई चिंतित, आहत और डरा हुआ है। छेत्री ने कहा कि जब उन्हें पहली बार लीग स्थगित होने की जानकारी मिली तो वह छुट्टियों पर थे। इस स्टार फुटबॉलर ने कहा, मैं स्वीकार करता हूं कि इससे मेरे चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि मैं छुट्टियों पर था, उतना घूम नहीं पाया जितना मैं चाहता था और उतना पौष्टिक भोजन भी नहीं कर पाया जितना मैं करता हूं। अब मेरे पास पूरी तरह फिट होने के लिए पहले से अधिक समय था। उन्होंने कहा, लेकिन वह पखवाड़ा अब अनिश्चितकाल में बदल गया है और मेरी वह मुस्कान अब गायब हो गई है। मैं जानता हूं कि थिंक टैंक और इस खेल को संचालित करने वाले लोग नए फुटबॉल सत्र को शुरू करने के लिए काम कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि जल्द ही कोई ठोस समाधान निकल आएगा।

आईएसएल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

आईएसएल ने आयोजकों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 2025-26 के सत्र को स्थगित कर दिया है। लीग सामान्यतः सितंबर से अप्रैल तक चलती है। इस प्रतियोगिता के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) तथा एआईएफएफ के बीच वर्तमान एमआरए आठ दिसम्बर, 2025 को समाप्त होने वाला है। उस समय तक आईएसएल अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुका होगा। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय द्वारा एआईएफएफ को दिए गए निर्देश के बाद लिया गया है। एफएसडीएल एआईएफएफ का वाणिज्यिक साझेदार भी है और उन्होंने 2010 में 15 साल के एमआरए पर हस्ताक्षर किए थे।

स्विस ओपनः अर्जुन और प्रशांत क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली, जेएनएन। अर्जुन काधे और विजय सुंदर प्रशांत की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने स्विट्जरलैंड के गस्टाड में चल रहे स्विस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलीपल्ली की उनकी हमवतन जोड़ी इस एटीपी 250 टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। अर्जुन और प्रशांत ने कोलंबिया के निकोलस बेरिएनटोस और मैक्सिको के मिगुएल रायेस वारेला की जोड़ी को इस 596035 यूरो इनामी क्ले कोर्ट प्रतियोगिता में 7-5 6-3 से हराया। बालाजी और बोलीपल्ली को जैकब पॉल और डोमीनिक के खिलाफ 4-6 7-6 7-10 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इस बीच लॉस काबोस में एटीपी 250 हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता में जीवन नेदुनचेझियान और निकी कल्याण पूनाचा की भारतीय जोड़ी को राजीव राम और क्रिस्टियन हैरिसन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ 4-6 3-6 से हार का सामना करना पड़ा।

दैनिक जागरण
रीवा, 17 जुलाई, 2025 सतना जागरण www.dainikjagranmpcg.com

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में बैठक संपन्न

सतना। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से.नि.) द्वारा जिले के भूतपूर्व सैनिको एवं उनकी विधवाओ के कल्याणार्थ जानकारी देने 15 जुलाई को बैठक लेकर उनके कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। मासिक बैठक में ईसीएसएच और जिला सैनिक कल्याण के कार्यों की समीक्षा भी की।

कलेक्टर ने किया स्कूल का निरीक्षण

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को जनपद पंचायत उचेहरा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान रघुवंश शरण सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चो की क्लास में जाकर पठन-पाठन की गतिविधियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने कक्षा में जाकर बच्चों से सवाल भी किये और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

Dr. Juneja's पेट सफा Natural Laxative Granules & Tablets
सहायक है: कब्ज़ गैस एसिडिटी
अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान है तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टैबलेट्स । यह मुंह में चिपकता नहीं। सोने से पहले खाएं और आराम पाएं।
20% EXTRA TABLETS
Provides Effective Relief
Balances Digestive Health
Ayurvedic Proprietary Medicine
Clinically Tested* *For efficacy and safety.
24x7 Helpline: 91197 88888 | www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores
Divisa www.divisastore.com
UIN-A01-AY-PB-2025

लूट के दो आरोपियों को कोलगवां टीआई ने जबलपुर से दबोचा

जागरण सतना। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद जबलपुर भागे दो आरोपियों को कोलगवां टीआई सुदीप सोनी ने जबलपुर से दबोच लिया है। यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश , एएसपी डॉ शिवेश सिंह , एवं सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोलगवां पुलिस द्वारा की गई है।

ये है विवरण

पुलिस ने बताया कि आयुष श्रीवास्तव पिता रावेन्द्र श्रीवास्तव उम्र 23 साल निवासी जवान सिंह कालोनी ने 18 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने भाई एवं दोस्त के साथ कार से घूमने नीमी गया था। नीमी तालाब के पास पहुंचकर कार खडी करके बैठे थे। तभी दोपहर तकरीबन ढाई बजे काले रंग की होण्डा बाइक से तीन लडके आये और कार के दाहिने तरफ वाला गेट खोला । तब मै कार से बाहर आया। धमकी देते हुये उन्होने कहा कि यहां पर तुम लोग क्या कर रहे हो। मैने बोला कि हमलोग घूमने आये है। उनमे से एक लड़का मेरे भाई सौरभ के पास गया और उसको चाकू दिखाने लगा। उसके बाद लंबा वाला लड़का मेरी कार की ड्रायविंग वाली सीट मे बैठ गया और मुझे चाकू दिखाने लगा तथा मेरा आईफोन 15 मोबाईल मेरे से लेकर तालाब मे फेंक दिया और मेरे साथी से फोनपे का पिन नंबर डराकर मांग लिया और उसके फोन पे से 44 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिया तथा कार के डैसबोर्ड को खोलकर उसके अंदर रखे 9800 रुपये ले लिया। इसके बाद नई बस्ती में मोहल्ले वालो से अपना मोबाईल तालाब से निकलवाने के बाद फोटो वीडियो दिखाकर नाम पता की जानकारी ली गई जिसमे पता चला की घटना करने वाले अमन केवट अभिषेक दाहिया उर्फ दादू एवं विजय कुशवाहा उर्फ लल्ली तीनों निवासी गणेश नगर नई बस्ती के है। कोलगवां थाना में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मुखबिर सूचना एवं सायवर की सहायता से जानकारी प्राप्त हुई कि घटना में शामिल मुख्य आरोपी अभिषेक दाहिया एवं विजय कुशवाहा जबलपुर में है । जिस पर तत्काल टीम रवाना कर आरोपियों को जबलपुर से पकड कर सतना लाया गया। उनसे पूछताछ कर घटना में प्रयुक्त आला जरव एवं नगदी जप्त की गई एवं आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में न्यायालय पेश किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में केन्द्रीय जेल सतना भेजा गया।

ये आरोपी गिरफ्तार

अभिषेक दाहिया पिता मुन्ना दाहिया उम्र 21 वर्ष निवासी गणेश नगर नई बस्ती थाना कोलगवां जिला सतना, विजय कुशवाहा पिता महिपाल कुशवाहा उम्र 22 वर्ष निवासी गणेश नगर नई बस्ती थाना कोलगवां जिला सतना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जबकि उनके कब्जे से दो नग चाकू एक नग नकली पिस्टल लाईटर वाली नगदी 16 हजार 5 सौ रुपये दो नग मोबाईल जप्त किये गये है।

नशे के कारण शैक्षणिक प्रदर्शन में आ सकती है गिरावट : डॉ चंचल नागर

स्कूली बच्चों को नशे के विरुद्ध किया जागरूक

शॉर्ट मूवीस के माध्यम से स्कूली छात्र छात्राओं को बताए गए नशे के दुष्परिणाम

बच्चों व शिक्षकों को नशे से दूर रहने की दिलाई गई शपथ

जागरण सतना। नशे से दूरी है जरुरी के तहत एसपी मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में बुधवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ चंचल नागर द्वारा सिमरन पब्लिक स्कूल मैहर में स्कूली बच्चों से संवाद कर बताया गया कि नशे के कारण छात्र के जीवन पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं ।नशे के कारण छात्रों की एकाग्रता और स्मृति शक्ति प्रभावित हो सकती है जिससे उनके शैक्षिक प्रदर्शन में गिरावट आ सकती है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याए हो सकती हैं। अनुशासन और समय प्रबंधन में समस्या हो सकती है भविष्य की संभावनाओं पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। छात्र छात्राओं को वीडियो फिल्म के माध्यम से नशे की गंभीरता एवं इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए शपथ दिलाई गई। एसडीओपी अमरपाटन श्रीमति ख्याति मिश्रा द्वारा बाल भारती पब्लिक स्कूल अमरपाटन में जागरूकता कार्यक्रम कर छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक सुशील तिवारी एस एस दीपांकर एवम थाना अमरपाटन का स्टॉफ उपस्थित रहा। इसके साथ ही थाना प्रभारी रामनगर निरीक्षक विजय परस्ते द्वारा शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगरए थाना प्रभारी बदेरा निरीक्षक अभिषेक सिंह परिहार द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बदेरा थाना प्रभारी अमदरा निरीक्षक रेनू मिश्रा द्वारा मां दुर्गा शिक्षा निकेतन स्कूल घुनवारा एवं निरीक्षक के एन बंजारे द्वारा थाना परिसर में जागरूकता कार्यक्रम कर अधिक से अधिक छात्रध्छात्राओंए शिक्षकों एवम आम नागरिको को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

रजरवार हल्का पटवारी ईडब्ल्यूएस बनाने मांगी रिश्वत

सीएम हेल्पलाइन में हुई शिकायत

सी.एम. हेल्पलाइन - शिकायत विवरणी
जन हेतु - जन सेतु
शिकायत क्रमांक : 33369511 दिनांक - 15-07-2025
विभाग का नाम : राजस्व विभाग
उप-विभाग का नाम : राजस्व विभाग
शिकायत कर्ता का नाम : प्रशांत तिवारी
पता : ग्राम-रजरवार, ग्राम पंचायत-रजरवार, ब्लॉक-रामपुर बघेलान , जिला-सतना
फ़ोन नंबर : XXXXXXX915, XXXXXXX915
जिला : सतना
क्षेत्र : क्षेत्र/तहसील : कोटर
शिकायत का प्रारूप : अन्य (राजस्व विभाग)
शिकायत का विवरण : शिकायतकर्ता प्रशांत तिवारी द्वारा बताया गया है कि मैं EWS बनवाने के लिए कोटर तहसील गया लेकिन रजरवार पटवारी नीरज गौतम द्वारा 500 की मांग की नहीं देने पर प्रतिवेदन नहीं लगाया गया जिससे मेरे सभी काम अवरुद्ध है कृपया समस्या का जल्द से जल्द निराकरण किया जाये |
निराकरण 0
शिकायत की स्थिति : शिकायत अभी ओपन स्थिति में है जल्द ही ऑफिसर को प्रेषित कर दी जाएगी
प्रिंट करें

जागरण सतना। कोटर तहसील के रजरवार हल्का में पदस्थ पटवारी इडब्ल्यूएस बनाने के लिए रूपए कि मांग करता है अगर पैसा न दिया जाए तो फिर फार्म भरने के बाद साइन नहीं करता एक ऐसा ही मामला आया सामने आया है रजरवार निवासी युवक अंशुल तिवारी इडब्ल्यूएस बनवाने के लिए पटवारी के पास पहुंचा तो पटवारी नीरज गौतम फार्म भरने के बाद बोले आप मुझे खुश करिए तो मैं आपको खुश कर दूंगा लेकिन जब युवक सौ रुपए देने लगा तो ले लिए फिर बोले अभी और चाहिए जब नहीं दिया तो वहां से भगा दिया जब पीडित युवक तहसीलदार सुजीत नागेश के पास पहुंचा तो पटवारी बोले कल कर दूंगा आखिर में सवाल यह उठता है कि जब सरकार निशुल्क इडब्ल्यूएस बनाने की बात कर रही है तो पटवारी नीरज गौतम पैसे की मांग खुलेआम क्यों कर रहा है रजरवार हल्का पटवारी पर पैसे लेने के आरोप पहले भी लग चुकें हैं लेकिन अधिकारी अनजान बने हैं आखिर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर किसकी मेहरबानी है ग्रामीणों के मुताबिक पटवारी अपने हल्का से भी नदारत रहता है फोन करने में फोन भी रिसीव नहीं करता सूत्रों के मुताबिक कोटर तहसीलदार का खास होने का दावा भी करता है साथ ही किसानों को परेशान भी करता है उसके बाद भी अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है कि इस तानाशाही रूप अपनाए हुए पटवारी पर कार्यवाही की जाए ग्रामीणों ने कहा कि अगर ऐसे पटवारी पर अंकुश नहीं लगाई गई तो कलेक्टर से शिकायत करके कार्रवाई करने की मांग की जाएगी पीड़ित युवक ने 181 में भी शिकायत दर्ज कराई है उसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है पीड़ित युवक ने बताया कि मैं इंदौर में रहता हूं गांव में कुछ दिनों की छुट्टी के लिए आया था ईडब्ल्यूएस बनवाना है जो कि पहले से बना हुआ था उसी को रिन्यू कराना था जिसके लिए रजरवार हल्का पटवारी के पास पहुंचे और साइन करने की बात कही तो उन्होंने सीधे पैसे की मांग कर दी पैसा नहीं दिया तो हमारा ईडब्ल्यूएस नहीं बनाया।

सीएम हेल्पलाइन में सभी विभाग ए-श्रेणी में आने का प्रयास करें-कलेक्टर

सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बुधवार को संपन्न समय सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कहा कि ग्रेडिंग के अंतिम दिनों में सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन पर फोकस होकर ए-श्रेणी में आने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई विभाग सी और डी श्रेणी में रहा तो उनके अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मैहर में संपन्न इस बैठक में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, जिला शिक्षा अधिकारी विष्णु त्रिपाठी, जिला आबकारी अधिकारी नवीनचन्द्र पाण्डेय, सीएमओ नगर पालिका मैहर सुषमा मिश्रा, जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी और एमएल प्रजापति सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में ग्रेडिंग के लिए चार दिन शेष है। सभी विभाग मेहनत कर संतुष्टिपूर्ण शिकायतों को बंद कराये तथा नियमानुसार पूरी नहीं की जाने वाली कार्यवाही वाली शिकायतों को डिमाण्ड क्लोजर और फोर्स क्लोजर कराये। मैहर जिले की स्थिति 27वें स्थान पर है। संतुष्टिपूर्ण निराकरण की संख्या बढाकर जिले की स्थिति को सुधारे। कलेक्टर ने वृक्षारोपण कार्य की समीक्षा के दौरान विभागवार दिये गये लक्ष्य के अनुसार अब तक किये गये पौधरोपण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अब तक लगाये गये पौधों के स्थल, परिसर और संख्या सहित सूची प्रस्तुत करे।

व्यक्तिगत रूचि लेकर छात्रावासों की स्थिति में सुधार लाये : कलेक्टर

जागरण सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने विगत सप्ताह जिले के छात्रावासों के आकस्मिक निरीक्षण के पश्चात बुधवार को डीपीसी और जिला संयोजक जनजाति विभाग के जिला अधिकारियों और छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान छात्रावास की व्यवस्थाओं और संचालन में काफी कमियां दृष्टि गोचर हुई है। संबंधित विभाग के अधिकारी और छात्रावास अधीक्षक व्यक्तिगत रूचि लेकर छात्रावासों की स्थिति को सुधारे और सभी व्यवस्थायें ठीक करें। उन्होंने कहा कि एक माह बाद पुन: छात्रावासों का निरीक्षण किया जायेगा और कमियां मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कडी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, एडीपीसी नीलम कुशवाहा, जनजातीय कार्य विभाग के विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी तथा छात्रावास अधीक्षक उपस्थित थे।

जिले के 17 देह दानियों के परिजन 15 अगस्त पर होंगे सम्मानित

हिट एण्ड रन के लंबित प्रकरणों तथा देहदान/अंगदान संबंधी बैठक संपन्न

जागरण सतना। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के परिपालन में शासन द्वारा जारी आदेशानुसार देहदान/अंगदान करने वाले नागरिकों के सम्मान के दृष्टिगत देहदान करने अथवा हदय, लीवर, गुर्दे का दान करने के उपरांत उनके परिजनों को 26 जनवरी एवं 15 अगस्त के जिला कार्यक्रमों में सम्मानित किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही देह दानियों के पार्थिव शरीर को गार्ड आफ आनर से भी सम्मानित किया जायेगा। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि सतना जिले में अब तक 17 व्यक्तियों ने अपना पार्थिव देह मेडीकल छात्रों के लिए दान किया है। इन सभी 17 देह दानियों के परिजनों को 15 अगस्त के जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार देहदान अथवा हृदय, लीवर व गुर्दा दान (डोनेट) करने वाले देहदानियों/अंगदानियों के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। बैठक में बताया गया कि सतना जिले में अमर ज्योति संस्था द्वारा अब तक 850 नेत्रदान कराये गये हैं। जो मध्यप्रदेश के जिलों में जनसंख्या के मान से सबसे अधिक है। बताया गया कि वर्ष 2016 से देहदान के संबंध में जागरूकता के कार्यों के दौरान जिले के 52 व्यक्तियों ने देहदान का विधिवत संकल्प पत्र भरा है। सतना जिले में अब तक 17 देह दानियों के पार्थिव शरीर मेडीकल कॉलेज को समर्पित किये गये हैं। जिनमें 5 पार्थिव देह सतना मेडीकल कॉलेज एवं अन्य पार्थिव देह रीवा मेडीकल कॉलेज में समर्पित किये गये हैं। बैठक में ही सतना के दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के बगल से धवारी में रहने वाले श्री नर्मदा प्रसाद कुशवाहा ने अपनी देहदान की इच्छा व्यक्त करते हुए कलेक्टर को संकल्प पत्र सौंपा। मेडीकल कॉलेज सतना के डीन डॉ. शशिधर गर्ग ने बताया कि देह दानियों के सम्मान और इस महान कार्य की प्रेरणा के लिए मेडीकल कॉलेज सतना में 5 देह दानियों के स्मृति में पौध रोपण भी उनके नाम से किया गया है। इनमें स्व. द्वारिका दास, ब्रम्हचारी सिंह, मुकुल दुबे, पार्वती कुशवाहा और गौरव देवी त्रिपाठी की पार्थिव देह मेडीकल कॉलेज सतना को प्राप्त हुई है।

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(नि: संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
IUI, IVF, ICSI
फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
एग फ्रीजिंग
एंब्रियो फ्रीजिंग
स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
नि:संतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडेक्टिव मेडिसिन
एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

टी.डी. एजुकेशन कालेज
सिरमौर रोड, लक्ष्मणपुर (लौवा) जिला-रीवा (म.प्र.)
(म.प्र. शासन द्वारा अतिरिक्त चरण की काउंसिलिंग से प्रवेश हेतु)
अंतिम अवसर
पंजीयन की तिथि दिनांक 15/07/2025 से 18/07/2025 तक

पाठ्यक्रम	कालेज कोड
बी.एस.सी.बी.एड.	(कालेज कोड- 075)
एम.एड.	(कालेज कोड- 077)
बी.एड.	(कालेज कोड- 2106)

संपर्क हेतु मो.: 8349493179, 9425830033, 9285457277

SUDARSHAN Public Hr. Sec. School
STD. NURSERY TO XII
STREAMS MATHS | BIOLOGY | COMMERCE & ARTS
9893806170, 8878159423
OUR FACILITIES
• English Speaking Ambience.
• Qualified & Talented Teacher.
• All Time CCTV Surveillance.
• Affordable Fees & Limited Seats.
• Wide Range of Co-curricular Activities.
• Filtered and Cold Water
ADMISSION OPEN Session 2025-26
Acharya Vinoba Bhave Ward-15, Behind Degree College Hanuman Nagar, Satna (M.P.)

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखूनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433, 9981287311

रक्त विकार OPD
नागपुर के प्रख्यात रक्त रोग विशेषज्ञ नियमित आपके शहर रीवा में
डॉ. निशाद धकाते
MBBS, MD, DM | Consultant- Hematology & BMT
कैंसर विशेषज्ञ - हिमेटो ऑन्कोलॉजिस्ट एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट
19 जुलाई शनिवार 2025 समय: सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक
प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को
कामता मेडिकल ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) मो.: 9399312433, 9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुहांसे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गड्ढे, दाग, झुर्रियाँ Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
मो.-7247097637
परामर्श शुल्क 300/- सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

SARDAR PATEL EDUCATION GROUP REWA • MP • INDIA
ADMISSIONS OPEN 2025-26
SARDAR PATEL UNIVERSITY Balaghat • MP
CSU COLLEGE OF
PHARMACY | ENGINEERING | ME | ICE | CSE | EEE | MINING
D. PHARMACY | POLYTECHNIC | B.TECH. | Cement Technology Engg. Mining & Mine Surveying Engg. (Mms)
B. PHARMACY | BBA/ MBA | BCA /MCA | B.A. LL.B.
छात्रवृत्ति सुविधा पात्र विद्यार्थियों को शासन के योजनानुसार
B.COM. LL.B. | BBA LLB. | LL.B / LL.M.
कैम्पस : सिरमौर रोड, ग्राम-पल्हान (उमरी चौक), बैकुण्ठपुर, रीवा
+91 70493 99901, 70493 99902
सिटी ऑफिस ज्योति स्कूल के सामने, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com